वार्षिक प्रतिवेदन-2024

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बाराँ रोड़, बोरखेड़ा, कोटा-324001 (राजस्थान)

श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े
माननीय राज्यपाल, राजस्थान
एवं कुलाधिपति, कृ.वि.वि., कोटा

श्री भजन लाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा
माननीय कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री, राजस्थान

डॉ. अभय कुमार व्यास
कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

वार्षिक प्रतिवेदन-2024

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बारां रोड़, बोरखेड़ा, कोटा-324001 (राजस्थान)

उद्धरण

वार्षिक प्रतिवेदन 2024 कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

संरक्षक

डॉ. अभय कुमार व्यास
कुलपति

मुख्य संपादक

डॉ. मुकेश चन्द गोयल
निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन)

संपादक

डॉ. कमल चन्द मीना
सह–आचार्य (प्रसार शिक्षा)

डॉ. के.एम. शर्मा
सह–आचार्य (शस्य विज्ञान)

डॉ. लोकेश कुमार मीणा
सहायक आचार्य (कृषि अर्थशास्त्र)

डॉ.चमन कुमारी जाटौन
सहायक आचार्य (शस्य विज्ञान)

तकनीकी सहयोग

डॉ. एस.के. जैन
निदेशक अनुसंधान

डॉ. आई.बी. मौर्य
निदेशक शिक्षा

डॉ. प्रताप सिंह
निदेशक प्रसार शिक्षा

डॉ. महेन्द्र सिंह
निदेशक मानव संसाधन विकास

डॉ. एम.सी. जैन
निदेशक छात्र कल्याण

डॉ. आशुतोष मिश्र
अधिष्ठाता
उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय
झालावाड़

डॉ. विरेन्द्र सिंह
अधिष्ठाता
कृषि महाविद्यालय, कोटा

डॉ. एन.एल. मीणा
अधिष्ठाता
कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली

श्रीमती मनीषा तिवारी
कुलसचिव

श्री रामधन रैगर
वित्त नियंत्रक

इन्जि. हेमन्त शर्मा
सम्पदा अधिकारी

डॉ. एस.सी. शर्मा
परीक्षा नियंत्रक

प्रकाशन

निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, बारां रोड, बोरखेडा, कोटा–324001 (राजस्थान)
ई–मेल dpme@aukota.org, dpmeaukota2013@gmail.com, वेबसाइट http://aukota.org

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
•	प्राक्कथन	i
•	कार्यकारी सारांश	1-3
•	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की नई पहल एवं प्रमुख उपलब्धियाँ	4-12
1.	कृषि विश्वविद्यालय – एक परिदृश्य	13-21
	विशिष्ट गतिविधियां एवं उपलब्धियां	
2.	शैक्षणिक	22-34
3.	अनुसंधान	35-49
4.	प्रसार शिक्षा	49-65
5.	मानव संसाधन विकास	65-67
6.	बीज उत्पादन	67-71
7.	सम्पदा	72-73
8.	बजट : वित्त एवं लेखा	74
9.	पुरस्कार / सम्मान	74-77
10.	प्रकाशन (शोध पत्र एवं लेख)	78-88
11.	वैज्ञानिकों द्वारा सेमीनार, कार्यशाला, प्रशिक्षण में भागीदारी	88-90
12.	प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का अवलोकन	91-93
13.	प्रेस मीडिया में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	94-95
14.	परिशिष्ट (I-X)	96-101

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कुलपति

प्राक्कथन

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का वार्षिक प्रतिवेदन–2024 प्रस्तुत करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। विश्वविद्यालय ने आलोच्य वर्ष के दौरान शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा 25 जून, 2024 को सप्तम् दीक्षांत समारोह तत्कालीन माननीय राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र जी की अध्यक्षता में आयोजित किया जिसमें कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकायों में शैक्षणिक सत्र 2022–23 के लिए 10 स्वर्ण पदक सहित 271 स्नातक, 34 स्नातकोत्तर और 05 विद्यावाचस्पति सहित कुल 310 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 आधारित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की छठी डीन्स् कमेटी रिपोर्ट को राज्य में सर्वप्रथम लागू किया है। कृषि महाविद्यालय, कोटा के कृषि स्नातक और शस्य विज्ञान, कृषि प्रसार शिक्षा व आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में स्नातकोत्तर तथा शस्य विज्ञान व आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मार्च, 2029 तक के लिए मान्यता दी गई है। छात्रों के मार्गदर्शन के लिए विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों में नियमित रूप से "कुलपति–विद्यार्थी संवाद" कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। इसके तहत मेरे द्वारा 10 सत्रों में 521 विद्यार्थियों से विभिन्न पहलुओं पर संवाद किये गये ताकि छात्र अपने जीवन के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त कर सकें। बताते हुए हर्ष है कि राज्य सरकार से कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के अधीन सवाई माधोपुर में राज्य स्तरीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (SIFTEM) की स्वीकृति मिली है।

कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा निरंतर किये गए अनुसंधान के फलस्वरूप विभिन्न फसलों की 9 किस्में विकसित की गयीं जो कि प्रशंसनीय उपलब्धि है। विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न रबी एवं खरीफ फसलों की 34 तकनीकी सिफारिशों को राज्य के पैकज ऑफ प्रैक्टिस में शामिल किया गया है जो सम्भाग व राज्य में फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी।

विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण, प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, तकनीकी सलाह एवं विविध प्रसार कार्यक्रमों से विभिन्न फसलों की नवीनतम तकनीकी व किस्मों का विस्तार हुआ है जिसका प्रभाव विश्वविद्यालय कार्यक्षेत्र में फसलों की उत्पादकता एंव किसानों की आय में वृद्धि के रूप में परिलक्षित हो रहा है। केन्द्रों द्वारा आयोजित विविध व्यवसायिक प्रशिक्षणों ने किसानों, महिलाओं, ग्रामीण युवाओं के लिये कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर पैदा किये हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर 3.0 करोड़ रुपये की लागत से धनियां, लहसुन प्रसंस्करण और बेकरी उत्पादों के लिए कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय द्वारा खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में 200 से अधिक उद्यमी अभी तक तैयार किये गये हैं। विश्वविद्यालय ने कृषि विज्ञान एवं कॅरियर में रूचि पैदा करने के लिए वैज्ञानिको के साथ संवाद हेतु 9–12वीं कक्षा के स्कूली छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को आमंत्रित करने की एक नई पहल के तहत 6,000 से अधिक विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का भ्रमण करवाया गया।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का बीज उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान रहा तथा वर्ष 2023–24 में कुल 14631 क्विंटल विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादित किया गया। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर स्थित पौधशालाओं में 4.17 लाख से अधिक फल, सब्जी, सजावटी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाये गये।

अनुसंधान, प्रसार शिक्षा, विद्या परिषद, प्रबंध मण्डल, वरिष्ठ अधिकारी परिषद एवं भवन समिति इत्यादि की बैठकें कर कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए नियमित समीक्षा की गई। विश्वविद्यालय में विभिन्न अशैक्षणिक पदों पर 42 कर्मियों की भर्ती की गई। विश्वविद्यालय ने अपनी प्रशिक्षण नीति तैयार कर लागू की है, जो सम्पूर्ण राजस्थान में प्रथम पहल है, जिसमें हर कैडर के कार्मिकों को 'प्रशिक्षण आवश्यकताओं' के आधार पर वांछित ज्ञान, दृष्टिकोण एवं कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण दिलवाया गया है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार और प्रशिक्षण गतिविधियों में गुणवत्ता और आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय संस्थानों के साथ 16 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

हमें विश्वविद्यालय के सर्वागींण विकास के लिए सतत प्रयास करने हैं। कृषि शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार व प्रशिक्षण में गुणवत्ता के साथ कृषि में सार्थक बदलाव लाना हमारा लक्ष्य है। मैं इस अवसर पर राजस्थान सरकार का वित्तीय सहयोग के लिये आभार व्यक्त करता हूँ तथा सभी निदेशकगण, अधिष्ठाता, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक, संपदा अधिकारी, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों के योगदान की प्रशंसा करता हूँ जो विश्वविद्यालय को नये शिखर तक पहुँचाने के लिए समर्पित भाव से निरन्तर सक्रिय हैं।

मैं डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन), डॉ. के. सी. मीना, डॉ. के. एम. शर्मा , डॉ. एल. के. मीना एवं डॉ. चमन जादौन को इस वार्षिक प्रतिवेदन–2024 के संकलन एवं सफल संपादन के लिए बधाई देता हूँ।

दिसम्बर 31, 2024

(अभय कुमार व्यास)

कार्यकारी सारांश

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को दक्षिणी–पूर्वी एवं पूर्वी राजस्थान के वर्षा आधारित एवं नहरी सिंचाई कृषि पारिस्थितिक स्थितियों में चहुमुखी कृषि विकास करने हेतु की गई। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा राजस्थान के दक्षिणी–पूर्वी खण्ड में कोटा शहर के बोरखेड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग कोटा–बारां पर स्थित है। कृषि विश्वविद्यालय कोटा ने वर्ष 2024 के दौरान शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने 25 जून, 2024 को अपना सप्तम् दीक्षांत समारोह आयोजित किया। राजस्थान के तत्कालीन माननीय राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र जी ने अध्यक्षता की और और कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकायों में शैक्षणिक सत्र 2022–23 के लिए 10 स्वर्ण पदक सहित 271 स्नातक, 34 स्नातकोत्तर और 05 विद्यावाचस्पति विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने अपनी प्रशिक्षण नीति तैयार कर लागू की, जोकि राज्य के सभी राज्य स्तरीय कृषि विश्वविद्यालय में पहली नीति है, जिसके तहत मानव संसाधन विकास के कई महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

वर्ष 2024 में विश्वविद्यालय के सभी संघटक एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली की छठी डीन्स् कमेटी रिपोर्ट को लागू किया गया तथा प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दो सप्ताह का दीक्षारंभ का आयोजन 4 –18, अक्टूबर 2024 के दौरान किया गया। छात्रों के मार्गदर्शन के लिए विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों में नियमित रूप से **"कुलपति–विद्यार्थी संवाद"** कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान तथा प्रसार कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पादित किया गया। सत्र 2024 में अंतराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों/सेमिनार में वैज्ञानिकों की भागीदारी के साथ–साथ मानव संसाधन विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुए। संकाय के सदस्यों ने 31 सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि में भाग लिया। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रसार कार्यों में परस्पर सहयोग के लिए विभिन्न संस्थानों के साथ 16 समझौता ज्ञापन किये गये।

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में उद्यानिकी एवं वानिकी में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति की उपाधि प्रदान करने वाला पहला संस्थान है। महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर उद्यानिकी ऑनर्स में 65 तथा वानिकी ऑनर्स में 65 सीटें, स्नातकोत्तर स्तर पर उद्यानिकी के फल विज्ञान में 05 सीटें, सब्जी विज्ञान में 05 सीटें, पुष्प विज्ञान एवं भू–परिदृश्य विज्ञान में 02, तथा वानिकी में वन सवंर्धन एवं कृषि वानिकी में 05, जैव वानिकी एवं वृक्ष सुधार में 02, वनोत्पाद एवं उपयोग में 05 तथा वन्य जीव प्रबन्धन विभाग में 02 सीटें हैं। विद्यावाचस्पति उद्यानिकी (फल विज्ञान) में 3 सीटें है। महाविद्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों में प्रवेश JET/Pre-PG/Ph.D. प्रवेश परीक्षा एवं ICAR प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। महाविद्यालय में क्लास रूम को डिजिटल टीचिंग डिवाइस के साथ वाई फाई सिस्टम पोडियम, माइक सिस्टम, बायोमेट्रिक मशीन और सुरक्षा कैमरा लगाकर पुनः निर्मित किया गया है ताकि छात्रों को बेहतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। महाविद्यालय में छात्रों के व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और राष्ट्रीय केडेट कोर इकाई गठित हैं। महाविद्यालय में खेल कूद की सभी मूल भूत सुविधायें उपलब्ध हैं। कॉलेज परिसर में कबड्डी, बास्केट बॉल, वॉलीबॉल, खो–खो, टेबल टेनिस, 400 मीटर रनिगं ट्रेक, जिम, ट्रेड मील एवं इन्डोर गेम्स की सुविधा उपलब्ध हैं। महाविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए 20 प्रतिशत तक मिश्रित शिक्षा प्रणाली पाठ्यक्रम की अनुमति दी गई है।

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा

कृषि महाविद्यालय, कोटा, कोटा–कैथून मुख्य सड़क पर स्थित है। महाविद्यालय में स्थापना वर्ष 2018 से कृषि संकाय में स्नातक/स्नातकोत्तर/विद्यावाचस्पति कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कृषि ऑनर्स में 65 सीटें, स्नातकोत्तर स्तर पर शस्य विज्ञान में 06, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में 06, मृदा विज्ञान में 04, कृषि प्रसार शिक्षा में 04, पादप रोग विज्ञान में 04 सीटें हैं। विद्यावाचस्पति शस्य विज्ञान में 04, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में 03 सीटें है। महाविद्यालय कृषि से संबंधित आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए कृषि एवं इसके संबंद्ध विषयों में योग्य मानव संसाधन उपलब्ध करवाने हेतु प्रयासरत है। कृषि महाविद्यालय, कोटा के कृषि में स्नातक (ऑनर्स) और शस्य विज्ञान, कृषि प्रसार शिक्षा व आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में स्नातकोत्तर

तथा शस्य विज्ञान व आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में विद्याविचस्पति कार्यक्रमों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड द्वारा अप्रैल, 2024 से मार्च, 2029 तक 5 वर्षों के लिए मान्यता दी गई है।

महाविद्यालय कृषि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, आजीविका सुरक्षा एवं उसके विकास हेतु कृषि क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में निरन्तर कार्यरत है एवं छात्रों के सर्वागीण विकास पर बल दिया जाता है। महाविद्यालय में शिक्षण के साथ–साथ विद्यार्थियों के लिए खेल–कूद, सांस्कृतिक गतिविधियां, शैक्षणिक भ्रमण, प्लेसमेन्ट कैम्प तथा दीक्षांरभ कार्यक्रम सहित अन्य कई कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं। इस महाविद्यालय के तीन छात्र श्री अमन नागर, श्री अविनाश यादव और श्री विकास यादव को क्रमशः आईसीएआर–जेआरएफ परीक्षा–2023 के माध्यम से आई.ए.आर.आई., करनाल, आई.सी.ए.आर., काजरी, जोधपुर और आई.ए.आर.आई., झारखंड में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए चयन हुआ।

कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली (बून्दी)

कृषि महाविद्यालय ,हिन्डोली की स्थापना वर्ष 2021–22 में कृषि विश्वविद्यालय कोटा के अर्न्तगत हिन्डोली–बून्दी में की गई है। महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कृषि ऑनर्स में 65 सीटें है। वर्तमान में महाविद्यालय अस्थायी तौर पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, हिन्डोली के भवन मे संचालित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा ग्राम चतरगंज मे महाविद्यालय के भवन एवं फार्म हेतु 27.61 हेक्टेयर भूमि आवंटित की जा चुकी है। महाविद्यालय के भवन एवं छात्रावास का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होने जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा उक्त कार्य हेतु रू 14.20 करोड़ की स्वीकृति जारी की गई है।

अनुसंधान निदेशालय

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के अधीन अनुसंधान इकाइयों के रूप में एक कृषि अनुसन्धान केन्द्र कोटा, दो कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र अकलेरा (झालावाड़), खानपुर (झालावाड) एवं दो बीज उत्पादन फार्म यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा व बीज उत्पादन फार्म, सुल्तानपुर में कार्यरत है। अनुसंधान निदेशालय के अधिकार क्षेत्र में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान की 14 परियोजनाऐं, 10 आर.के.वी.वाई (राष्ट्रीय कृषि विकास योजना) व 42 कोर्पोरेट सेक्टर की निजी परियाजनाऐं शामिल हैं। वर्ष 2024 में मसूर की कोटा मसूर 5 व 6, अलसी की कोटा बारानी अलसी 7, चना की कोटा देशी चना 2, 3, 4, 5 व 6 तथा कोटा उड़द 6 किस्में विकसित कर अधिसूचित व चिन्हित की गयीं। धान की पूसा बासमती 1718, सोयाबीन की एन.आर.सी. 138 व आर.वी.एस.एम. 2011–35, चने की कोटा देसी चना 2 (आर.के.जी.एम. 20–1), कोटा देसी चना 3 (आर.के.जी.एम. 20–2) व कोटा काबुली चना 4 (आर.के.जी.एम. 13–416), मसूर की कोटा मसूर 6 (आर.के.एल 20–26 डी) तथा अलसी की कोटा बारानी अलसी 7 (आर.एल.18106) किस्में कोटा खण्ड के लिए सिफारिश की गई है, तथा साथ ही फसल, फल एवं सब्जी हेतु 25 तकनीकें राजस्थान जलवायु खण्ड V के लिए सिफारिश की गई हैं।

प्रसार शिक्षा निदेशालय

प्रसार शिक्षा निदेशालय के माध्यम से कृषकों, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं एवं प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु नवीन कृषि तकनीकों के प्रचार प्रचार, कौशल एवं उद्यमिता विकास हेतु विभिन्न फसल प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सलाह प्रदान करता है। इसी के साथ प्रथम पंक्ति प्रदर्शन एवं खेत पर प्रदर्शन (ओ.एफ.टी.) द्वारा अनुसंधान किये जाते हैं, जिससे किसान खेती के उन्नत तरीकों को अपना सकें। वर्ष 2024 में कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कुल 402 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर 13364 कृषक समुदाय को लाभान्वित किया तथा1014.2 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर 2450 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (फसल, उद्यानिकी व अन्य) एवं 309471 प्रतिभागियों को विभिन्न प्रसार गतिविधियों द्वारा लाभ पहुँचाया गया।

शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय के शिक्षा निदेशालय अन्तर्गत इस वर्ष 2024 में अकादमिक परिषद की 21वीं बैठक 17 मई और 22 वीं बैठक 21 दिसम्बर, 2024 को आयोजित की गई, जिनमें शैक्षणिक सत्र 2022–23 के स्नातक (271), स्नातकोत्तर (34) और विद्यावाचस्पति (5) के कुल 310 विद्यार्थी उत्तीर्ण स्वीकृति सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के साथ 04 निजी व 09 सरकारी कृषि महाविद्यालय को अस्थायी संबद्धता प्रदान की गई। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 आधारित भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली की 6वीं डीन्स् कमेटी रिपोर्ट को राज्य में सर्वप्रथम लागू किया। कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय हेतु अध्ययन बोर्ड एवं पाठ्यक्रम समिति के पुनर्गठन को स्वीकृति प्रदान की।

मानव संसाधन विकास निदेशालय

मानव संसाधन विकास के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में बेस्ट टीचर अवार्ड, बेस्ट रिसर्चर अवार्ड एवं बेस्ट प्रसार शिक्षाविद्, शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र, प्रशिक्षण, कार्यशाला आयोजित करने के साथ साथ विश्वविद्यालय के सभी कार्मिकों हेतु प्रशिक्षण आवश्यकता आंकलन इत्यादि शामिल हैं। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने अपनी प्रशिक्षण नीति तैयार कर लागू की, जोकि राज्य के सभी राज्य स्तरीय कृषि विश्वविद्यालय में पहली नीति है। जिसके तहत 48 अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए तीन सप्ताह का "कॉमन इंडक्शन कम ओरिएंटेशन" प्रशिक्षण, समस्त 17 वाहन चालकों के लिए एक सप्ताह का ''वाहन रखरखाव, सड़क सुरक्षा व व्यवहार कौशल'' प्रशिक्षण, 20 नवनियुक्त कर्मचारियों सहित 44 अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का "उन्नत प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन" प्रशिक्षण, 12 नवनियुक्त तकनीकी कर्मचारियों सहित 25 तकनीकी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का "फार्म और प्रयोगशाला प्रबंधन" प्रशिक्षण एवं समस्त 32 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का "सहायक कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि" पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशालय

विश्वविद्यालय के प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन निदेशालय द्वारा वर्ष 2024 में आवश्यकता आधारित नए कार्यक्रमों की योजना का प्रारूप तैयार करने के साथ साथ योजनाओं की क्रियान्विति में सुधार तथा बजट की समीक्षा हेतु आवश्यक चर्चा एवं निर्देशों के लिए विश्वविद्यालय की वरिष्ठ अधिकारी परिषद (SOC) की 4 बैठकें आयोजित की गई तथा विश्वविद्यालय के समग्र विकास हेतु निर्णय लिए गये। इनके साथ ही वार्षिक प्रतिवेदन तथा कृषि विश्वविद्यालय, कोटाः मुख्य उपलब्धियां एवं कृषि क्षेत्र में शिक्षण व रोजगार के अवसर, कृषि विश्वविद्यालय, कोटाः पेसिंग अहेड (दो साल की मुख्य उपलब्धियां अक्टूबर, 2022 से सितम्बर, 2024), द्विभाषीय कृषि विश्वविद्यालय, कोटा समाचार पत्र (त्रैमासिक) आदि प्रकाशित किये गये। विश्वविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी को बढावा देने हेतु कई नये आयाम स्थापित किये गये। सभी श्रेणी के हितधारकों के लाभ एवं जनता तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय की द्विभाषीय वेबसाइट विकसित की गई। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर एल.ई.डी. डिस्प्ले लगवाकर कृषक उपयोगी जानकारी दिन–रात दी जा रही है।

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय

वर्ष 2024 के दौरान विज्ञान–स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी, विज्ञान–स्नातक (ऑनर्स) वानिकी, विज्ञान–स्नातक (ऑनर्स) कृषि, विज्ञान स्नातकोत्तर कृषि विज्ञान, स्नातकोत्तर उद्यानिकी, विज्ञान स्नातकोत्तर वानिकी, विद्यावाचस्पति (उद्यानिकी), विद्यावाचस्पति (वानिकी) एवं विद्यावाचस्पति (कृषि) के विभिन्न वर्णित कार्यक्रमों में कुल 962 पंजीकृत छात्र रहे। आलोच्य वर्ष में विज्ञान–स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी, विज्ञान–स्नातक (ऑनर्स) वानिकी, विज्ञान–स्नातक (ऑनर्स) कृषि, स्नातकोत्तर (उद्यानिकी, वानिकी, कृषि) एवं विद्यावाचस्पति में कुल 330 छात्र उत्तीर्ण रहे।

सम्पदा कार्यालय

विश्वविद्यालय के सम्पदा कार्यालय द्वारा भवन समिति की 15वीं बैठक 04 सितम्बर, 2024 को आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न निर्माण कार्यो की सक्षम स्तर से अनुमोदन कर निविदा अनुसार कार्य आदेश जारी किये गये। कृषि महाविद्यालय, हिंडोली (बूंदी) में प्रशासनिक ब्लॉक, छात्रावास, सड़क और डीन आवास, (1640.00 लाख रुपये की लागत) और कृषि महाविद्यालय, कोटा में प्रशासनिक ब्लॉक भवन और सड़क (1275.00 लाख रुपये की लागत) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर मरम्मत, रिनोवेशन कार्यो के साथ अन्य निमार्ण कार्य भी करवाये गये। लगभग 2.29 करोड़ रूपये के विभिन्न कार्य पूर्ण किये गये एवं रूपयें 31.09 करोड़ के विभिन्न कार्य प्रगतिरत हैं।

छात्र कल्याण निदेशालय

विद्यार्थियों की सह–शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता संवर्द्धन के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय कार्यरत है। इसके अनुरूप निदेशालय द्वारा विद्यार्थियों को समाजोपयोगी गतिविधियों में सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। इस क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना/राष्ट्रीय केडेट कोर के माध्यम से विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाता है। आजादी के अमृत काल में वर्षभर विद्यार्थियों ने अनेकानेक कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता की। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के सभी संघटक महाविद्यालयों में अंतर महाविद्यालय खेल कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं, एंटी–रैगिंग सप्ताह, खेल सप्ताह एवं राष्ट्रीय खेल दिवस, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, एनसीसी कैडेटों का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आदि का आयोजन किया गया एवं कृषि विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड की पाँचवी बैठक भी आयोजित की गई।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की नई पहल एवं प्रमुख उपलब्धियां

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा लक्षित तरीके से हितधारक–केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ कृषि शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार शिक्षा और प्रशिक्षण में गुणवत्ता, उत्कृष्टता और प्रासंगिकता प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित कर सभी क्षेत्रों में अच्छी संख्या में नई पहल के साथ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इससे राज्य के सभी हितधारकों की जरूरतों और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय की वृद्धि और विकास में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। शिक्षण, अनुसंधान,प्रसार शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में उन्नयन हेतु नई पहल एवं प्रमुख उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः –

शैक्षणिक

- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 आधारित भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली की 6वीं डीन्स् कमेटी रिपोर्ट को राज्य में सर्वप्रथम लागू किया।
- कृषि महाविद्यालय, कोटा के कृषि में स्नातक (ऑनर्स) और शस्य विज्ञान, कृषि प्रसार शिक्षा व आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में स्नातकोत्तर तथा शस्य विज्ञान व आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में विद्याविचस्पति कार्यक्रमों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड द्वारा अप्रैल, 2024 से मार्च, 2029 तक 5 वर्षो के लिए मान्यता दी गई है।
- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने 25 जून, 2024 को अपना सप्तम् दीक्षांत समारोह आयोजित किया। राजस्थान के तत्कालीन माननीय राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र जी ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की और कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकायों में शैक्षणिक सत्र 2022–23 के लिए 10 स्वर्ण पदक सहित 271 स्नातक, 34 स्नातकोत्तर और 05 विद्यावाचस्पति छात्रों को उपाधि प्रदान की गई।

- छात्रों के मार्गदर्शन के लिए विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों में नियमित रूप से "कुलपति–विद्यार्थी संवाद" कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसके तहत माननीय कुलपति डॉ. अभय कुमार व्यास व्यास ने 20 सत्रों में 980 स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. विद्यार्थियों को स्व–प्रबंधन, स्व–प्रेरणा, आत्म नियंत्रण, आत्मविश्वास, समय प्रबंधन और जीवन के लक्ष्य जैसे विभिन्न पहलुओं पर संवाद किया। उन्होंने छात्रों को उनके जीवन लक्ष्यों के लिए प्रेरित किया और सुझाव दिया कि कैसे लक्ष्यों व उद्देश्यों को कुशल तरीके से प्राप्त किया जाए। साथ ही प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं में कैसे सफल हुआ जाए के भी टिप्स दिये। इस पहल से नेट, एसआरएफ, जेआरएफ आदि जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सफलता दर में तेजी आई है।

- विश्वविद्यालय के सभी संघटक एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली की 6वीं डीन्स् कमेटी रिपोर्ट के अनुसार प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दो सप्ताह का दीक्षारंभ का आयोजन 4 –18 अक्टूबर, 2024 के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत नवआगंतुक विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास एवं शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अनेक गतिविधियों को सम्मिलित किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का भ्रमण कर परिचय करवाया गया।

- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ की सुश्री वैशाली गुप्ता ने 11.58 एनएएएस रेटेड जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित किया।
- जेआरएफ/एसआरएफ/नेट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की अतिरिक्त कक्षाओं में विशेषज्ञों को व्याख्यान देने के लिए 500/– रुपये प्रति व्याख्यान का मानदेय स्वीकृत किया गया है।
- विश्वविद्यालय के छात्रों को आईसीएआर–एसआरएफ (01), आईसीएआर–जेआरएफ (12), आईसीएआर–नेट (35), नेशनल रिसर्च फैलो (02) और विभिन्न फैलोशिप (632) प्राप्त हुए। वर्ष 2022 की तुलना में 2024 में उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ एवं कृषि महाविद्यालय, कोटा के 333 और 38 प्रतिशत अधिक छात्रों ने क्रमशः राष्ट्रीय स्तर की आईसीएआर–नेट परीक्षा उत्तीर्ण की।
- विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों से सरकारी (46) और निजी (83) क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर, विषय विशेषज्ञ, तकनीकी सहायक, कृषि पर्यवेक्षक आदि के रूप में 129 छात्रों का चयन किया गया।
- विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है। सुश्री किरण मीना को पीएचडी डिग्री हासिल करने के लिए एसटी छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप 2023–24 प्राप्त हुई।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों को एमएससी/पीएचडी कार्यक्रमों के तहत पंजीकरण करने की अनुमति देने के तौर–तरीकों और दिशानिर्देशों को मंजूरी दी गई है।
- नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए शुल्क संरचना में 5 वर्ष के पश्चात् वार्षिक आधार पर संशोधन किया गया है।
- स्नातक विद्यार्थियों के लिए सेमेस्टर को अस्थायी विड्रोल लेने के दिशा–निर्देशों को मंजूरी दी गई है।
- कृषि महाविद्यालय, कोटा के शैक्षणिक सत्र 2022–23 और 2023–24 में नामांकित सभी स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थी को अपने अभिभावकों के साथ युवा रक्षा पॉलिसी/छात्र समूह बीमा पॉलिसी के अंतर्गत लिया गया।

अनुसंधान

- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित दस नई किस्मों (कोटा देसी चना–2, कोटा देसी चना–3, कोटा देसी चना–4, कोटा देसी चना–5, कोटा देसी चना–6, कोटा काबुली चना–4, कोटा उड़द–6, कोटा बारानी अलसी–7, कोटा मसूर–5 और कोटा मसूर–6) की पहचान/सीवीआरसी द्वारा अधिसूचित की गई है।

कोटा मसूर–6

कोटा उड़द–6

कोटा देशी चना–4

कोटा देशी चना–5

- विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित चौंतीस (34) फसल सुधार, उत्पादन और संरक्षण प्रौद्योगिकियों को कृषि–जलवायु क्षेत्र–V और IIIb के लिए पैकेज ऑफ प्रेक्टिस (PoP) में शामिल किया गया है।
- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मसूर की कोटा मसूर–6 किस्म को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 11 अगस्त, 2024 को IARI, नई दिल्ली में देश के लिए जारी की गई 109 नई किस्मों में शामिल किया गया है।
- प्रोत्साहन के रूप में 100.00 लाख रुपये या उससे अधिक लागत की बाहरी वित्तपोषित परियोजना लाने के लिए एक वैज्ञानिक को प्रशंसा प्रमाण पत्र के साथ 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।
- गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और प्रकाशनों को बढ़ावा देने के लिए 7.00 और उससे अधिक की NAAS रेटिंग वाली पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए 07 लेखकों को 7000–10000 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वर्ष 2022–24 के दौरान NAAS रेटेड जर्नल में लगभग 288 गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं। जिनमें से 126 (43.6%) शोध पत्र 5.00–6.99 NAAS रेटेड जर्नल में, 24 (8.3%) 7.00–10.00 रेटेड जर्नल में और 06 (2.1%) 10.00 से अधिक रेटेड जर्नल में प्रकाशित हुए। उल्लेखनीय है कि 2022–23 में 01 के मुकाबले 2023–24 में 5 शोध पत्र >10.00 रेटेड जर्नल में प्रकाशित हुए।
- खेतों की उत्पादकता में सुधार लाने के लिए, खेतों को समतल करने और मिट्टी चढ़ाने के साथ–साथ गोबर की खाद डालने पर जोर दिया गया है।
- वर्ष 2022–23 और 2023–24 के दौरान ICRISAT, NABARD, RKVY और निजी एजेंसियों के तहत विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों के लिए 29.23 करोड़ रुपये की अट्ठावन (58) नई परियोजनाएं स्वीकृत की गई।

प्रसार

- राजस्थान के राजभवन द्वारा लगातार तीन वर्षों यानि 2022–2024 तक विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व (यूएसआर) कार्यक्रम के तहत गोद लिए गए गांवों कनवास और आंवा के विकास के लिए विश्वविद्यालय के काम की सराहना करते हुए प्रशंसा पत्र प्रदान किये है। इन गोदित गांवों में ड्रिप इरीग्रेशन सिस्टम, उन्नत किस्म के पशुओं का वितरण, फसल व बगीचा प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण, सिलाई प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण दिये गये, जिससे ग्रामीणों की आर्थिक उन्नति के नये आयाम खुले हैं।

प्रमुख सचिव
राज्यपाल, राजस्थान

राजभवन, जयपुर - 302 006
राजस्थान,
फोन : +91-141-2228792
फैक्स : +91-141-2221156

क्रमांक: प.38(1)(1)RB/SV/2023/2565
दिनांक: 16 मई, 2023

प्रशंसा पत्र

(सुधीर कुमार)

कुलपति,
कृषि विश्वविद्यालय,
कोटा।

सचिव
माननीय राज्यपाल, राजस्थान

राजभवन, जयपुर - 302 006
राजस्थान,
फोन : +91-141-2228792
फैक्स : +91-141-2221156

क्रमांक: प.38(1)(1)RB/SV/2023/1048
दिनांक: 23 फरवरी, 2024

प्रशंसा पत्र

'यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पांसिबिलिटी' (USR) के तहत प्रत्येक राजकीय विश्वविद्यालय द्वारा गाँव को गोद लेकर उसे स्मार्ट विलेज में रूपांतरित किए जाने की महत्वपूर्ण पहल की गई है।

'यू.एस.आर.' तृतीय चरण के संदर्भ में आपके विश्वविद्यालय द्वारा माह अक्टूबर से दिसम्बर, 2023 की त्रैमासिक अवधि में संपादित किए गए कार्य गाँव के समावेशी विकास को एक नई दिशा देने वाले हैं। आपके सराहनीय प्रयास अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी अनुकरणीय हैं।

माननीय राज्यपाल महोदय ने आपके प्रयासों की सराहना की है तथा आपके कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में समर्पण भाव से कार्य कर रही पूरी टीम को बधाई देते हुए 'यू.एस.आर.' उद्देश्यों की पूर्ति में सफलता की कामना की है।

(गौरव गोयल)

कुलपति,
कृषि विश्वविद्यालय,
कोटा।

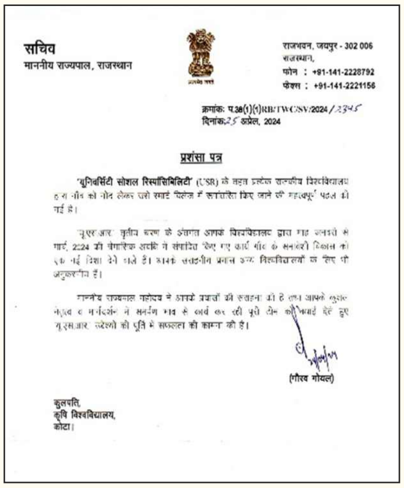
सचिव
माननीय राज्यपाल, राजस्थान

राजभवन, जयपुर - 302 006
राजस्थान,
फोन : +91-141-2228792
फैक्स : +91-141-2221156

क्रमांक: प.38(1)(1)RB/TWCSV/2024/2345
दिनांक: 25 अप्रैल, 2024

प्रशंसा पत्र

(गौरव गोयल)

कुलपति,
कृषि विश्वविद्यालय,
कोटा।

- माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा कृषि विज्ञान एवं कॅरियर में रूचि पैदा करने के लिए अनुभवी वैज्ञानिको के साथ संवाद हेतु स्कूली छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और अन्य हितधारकों को आमंत्रित करने की एक नई पहल की गई है। जिसमें गत् दो वर्षो में 10,000 से अधिक विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को कृषि शिक्षा संग्रहालय, कृषि अनुसंधान केन्द्र, संघटक महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण करवाया गया।

- कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर 3.00 करोड़ रुपये लागत से धनिया, लहसुन प्रसंस्करण और बेकरी उत्पादों के लिए कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर (सीआईसी) की स्थापना की गई। जिसका उद्घाटन तत्कालीन माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र जी द्वारा 25 जून, 2024 को किया गया। इस यूनिट पर लघु व दीर्घ अवधि के प्रशिक्षण आयोजित कर युवा ग्रामीणों व किसानों को स्वरोजगार हेतु प्रेरित एवं लाभान्वित किया जा रहा है।

- विश्वविद्यालय द्वारा खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में 200 से अधिक उद्यमी अभी तक तैयार किये गये हैं तथा 600 युवा, कृषकों व कृषक महिलाओं को सोयाबीन लहसुन व मोटा अनाज प्रसंस्करण में प्रशिक्षित किया गया है। ये युवा उद्यमी लगभग 10 हजार से 1.50 लाख रूपये प्रति माह आय अर्जित करके स्वयं की तथा कोटा क्षेत्र की आर्थिक उन्नति में अपना योगदान दे रहे हैं।

- विश्वविद्यालय की वर्तमान गतिविधियों, उपलब्धियों, मौसम की जानकारी, किसानों और अन्य हितधारकों से संबंधित सलाह और नवाचारों को साझा करने के लिए विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर एक आउटडोर एलईडी डिस्प्ले यूनिट स्थापित की गई है, जिससे हर दिन सैकड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

- कृषि विभाग, कोटा द्वारा नवम्बर–दिसम्बर, 2024 में सांगोद, रामगंजमंडी, सुल्तानपुर, इटावा एवं कोटा में आयोजित किसान मेलों में कृषि विश्वविद्यायल, कोटा की कृषि तकनीक प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में लगभग 10,000 किसानों ने भाग लेकर कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कृषि नवाचारों से अवगत हुए।

- 13,000 से अधिक किसानों और हितधारकों के लिए 400 क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- 1800 हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों के खेतों पर नवीनतम तकनीकों के प्रदर्शन के लिए 5000 प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिसमें 12 से 38 प्रतिशत अधिक उपज और रिटर्न मिला।
- किसानों के खेतों पर तकनीकी मूल्यांकन के लिए 42 प्रक्षेत्र अनुसंधान आयोजित किए गए।
- विश्वविद्यालय ने तकनीकी सहायता के माध्यम से 21 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को सुविधा प्रदान की।
- विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षित कई किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा श्री अवधेश मीना को "इनोवेटिव फार्मर अवार्ड" जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए।

मानव संसाधन विकास

- सॉफ्ट स्किल पर जोर देते हुए सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए योग्यता–आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए बोम द्वारा अनुमोदित "कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की प्रशिक्षण नीति" तैयार और कार्यान्वित की गई। यह राज्य के सभी राज्य स्तरीय कृषि विश्वविद्यालय में पहली है।
- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने अपनी प्रशिक्षण नीति तैयार कर लागू की, जोकि राज्य के सभी राज्य स्तरीय कृषि विश्वविद्यालय में पहली नीति है। जिसके तहत 48 अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए तीन सप्ताह का "कॉमन इंडक्शन कम ओरिएंटेशन" प्रशिक्षण, 25 तकनीकी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का "फार्म और प्रयोगशाला प्रबंधन" प्रशिक्षण, 20 नवनियुक्त कर्मचारियों सहित 44 अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का "उन्नत प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन" प्रशिक्षण एवं समस्त 32 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का "सहायक कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि" पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- समस्त 17 वाहन चालकों को एक सप्ताह का वाहन रखरखाव, सडक सुरक्षा एवं व्यवहार कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशासन/प्रबंधन

- विश्वविद्यालय में विभिन्न अशैक्षणिक पदों पर तकनीकी सहायक, प्रयोगशाला सहायक, प्रयोगशाला तकनीशियन, आशुलिपिक, आशुलिपिक–III, क्लर्क ग्रेड–II, केयर टेकर, पुस्तकालय सहायक, कृषि पर्यवेक्षक, चालक एवं चालक–T1 के रूप में 42 कर्मियों की भर्ती की गई।
- विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार और प्रशिक्षण गतिविधियों में गुणवत्ता और आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय (सार्वजनिक/निजी) संस्थानों के साथ 16 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

- सभी श्रेणियों के हितधारकों के लाभ हेतु AUK की द्विभाषी वेबसाइट डिजाइन कर विकसित की तथा वैज्ञानिक समुदाय के साथ–साथ सभी श्रेणियों के हितधारकों के लाभ के लिए AUK का द्विभाषी त्रैमासिक समाचार पत्र विकसित कर प्रकाशित किया गया।
- माननीय सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने 07 जनवरी, 2024 को पहली बार कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण किया।

- विश्वविद्यालय ने पिछले दो वर्षों में 21.67 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया तथा वर्ष 2022 और 2023 में वर्ष 2021 की तुलना में क्रमशः 17.1% और 9.1% राजस्व में वृद्धि हुई।
- विश्वविद्यालय की सभी इकाइयों में प्रभावी फाइल प्रबंधन प्रणाली स्थापित की गई।
- विश्वविद्यालय की प्रत्येक कार्यात्मक इकाई की भूनिर्माण योजना तैयार की गई है और उसे क्रियान्वित किया जा रहा है।

- गैर–पीएचडी सहायक प्रोफेसर की सहायक प्रोफेसर चरण–1 (AL-10) से चरण–2 (AL-11) तक CAS के तहत व्यक्तिगत पदोन्नति के संशोधित पात्रता मानदंडों को मंजूरी दी गई।

आधारभूत संरचना

- कृषि महाविद्यालय, हिंडोली (बूंदी) में प्रशासनिक ब्लॉक, छात्रावास, सड़क और डीन आवास, (1640.00 लाख रुपये की लागत) और कृषि महाविद्यालय, कोटा में प्रशासनिक ब्लॉक भवन और सड़क (1275.00 लाख रुपये की लागत) का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा मुख्य परिसर में, दो हॉल और बारां रोड पर खुलने वाले आठ बिक्री काउंटर निर्माणाधीन हैं और यूआईटी, कोटा की तकनीकी और वित्तीय सहायता से 94.00 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड का निर्माण किया गया है।

- यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा में अतिक्रमित लगभग 6.71 हेक्टेयर भूमि को 31 वर्षों के बाद विश्वविद्यालय ने कब्जे में ले लिया है तथा कंटीले तारों की बाड़ लगाई गई।
- यूआईटी, कोटा के तकनीकी और वित्तीय सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में 150.00 लाख रुपये की लागत से लगभग 600 मीटर पक्का नाला बनाया गया है। यांत्रिक कृषि फॉर्म, कोटा में सीएडी, कोटा के तकनीकी और वित्तीय सहयोग से 145.00 लाख रुपये की लागत से 3.2 किमी. लम्बी डिस्ट्रीब्यूट्री का निर्माण किया गया।

- राजस्थान के तत्कालीन माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र जी ने 25 जून, 2024 को वर्चुअल माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा में कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर, कृषि अनंसधान उपकेन्द्र, खानपुर और अकलेरा में दो बीज इकाइयों, यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा में एक वातानुकूलित डीह्यूमिडीफाइड बीज भंडारण और बीज गोदाम का उद्घाटन किया।

- स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम के तहत बीएससी (ऑनर्स) कृषि के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक शिक्षण इकाई के रूप में कृषि महाविद्यालय, कोटा में जैविक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई की स्थापना की गई।
- विद्यार्थियों के लिए इंटरैक्टिव शिक्षण के लिए एक सेमिनार हॉल विकसित किया गया तथा 03 कक्षाओं को स्मार्ट क्लास रूम में परिवर्तित किया गया।
- हरित पहल के रूप में 207 किलोवाट के सौर पैनल लगाए गए तथा हरित ऊर्जा उत्पादन में 288 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे विश्वविद्यालय परिसर का बिजली बिल 40–45 प्रतिशत कम हुआ।

- पिछले दो वर्षों में विश्वविद्यालय ने प्रभावी अनुसंधान, विस्तार एवं बीज उत्पादन कार्यो के लिए एक इनोवा क्रिस्टा, 06 बोलेरो एवं 07 ट्रैक्टर सहित 1.54 करोड़ रुपये की 14 गाड़ियां खरीदी तथा कृषि कार्यो में तेजी लाने व कृषि यंत्रीकरण को बढ़ाने के लिए 44.0 लाख रुपये की कृषि मशीनरी खरीदी गई।

- गेस्ट हाउस और प्रशासनिक ब्लॉक के कमरों का नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और साज–सज्जा का काम किया गया है।

पुरूस्कार एवं सम्मान

- गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 15 वैज्ञानिकों/अधिकारियों और 12 अशैक्षणिक कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

- स्थापना दिवस के अवसर पर, 03 वैज्ञानिकों को क्रमशः शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षक/शोध वैज्ञानिक/प्रसार शिक्षाविद् पुरस्कार प्रदान किए गये। इसके अलावा, 03 वैज्ञानिकों/अधिकारियों और 03 अशैक्षणिक कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के विकास में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए प्रशंसा पत्र दिए गये।

1. कृषि विश्वविद्यालय कोटा : एक परिदृश्य

1.1 स्थापना एवं कार्यक्षेत्र

स्थापना

राजस्थान में कोटा संभाग कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर से विघटित होकर राजस्थान सरकार के अधिनियम संख्या 22, 2013 द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को दक्षिणी–पूर्वी एवं पूर्वी राजस्थान के वर्षा आधारित एवं नहरी सिंचाई कृषि पारिस्थितिक स्थितियों में चहुँमुखी कृषि विकास करने हेतु की गई। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा राजस्थान के दक्षिणी–पूर्वी खण्ड में कोटा शहर के बोरखेड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग कोटा–बारां पर स्थित है।

कार्यक्षेत्र

इस विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र छः जिलों कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड़, करौली एवं सवाईमाधोपुर तक विस्तृत है। जिला कोटा, बून्दी, बारां व झालावाड़ राजस्थान जलवायु खण्ड V (आर्द्र दक्षिण–पूर्वी मैदानी क्षेत्र) के अन्तर्गत आते हैं, जबकि सवाईमाधोपुर व करौली जिले राजस्थान जलवायु खण्ड III b (बाढ़ प्रभावित पूर्वी–मैदान क्षेत्र) के अन्तर्गत आते हैं। इस खण्डों का भौगोलिक क्षेत्रफल 34.37 लाख हैक्टेयर है तथा प्रदेश में इसका 9.98 प्रतिशत हिस्सा है।

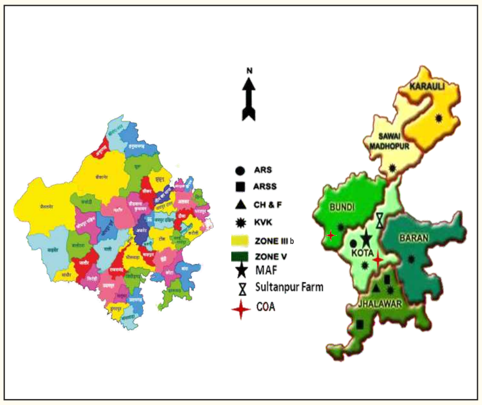

1.2 विजन, मिशन एवं अधिदेश

विजन

कृषि शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली कृषि संपदा के निर्माण के लिए विश्वविद्यालय को राजस्थान एवं भारत में एक प्रमुख संस्थान के रूप में आकार देना।

मिशन

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का मिशन कृषि एवं संबद्ध विज्ञान के विषयों के लिए शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार शिक्षा में उत्कृष्टता को बढावा देना है और कृषक समुदाय की सेवा के लिए सक्षम एवं कुशल मानव संसाधन और नवीन प्रौद्योगिकीयों को विकसित करना एवं ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देकर राजस्थान व भारत को कृषि समृद्ध करना है।

अधिदेश

- कृषि, बागवानी, वानिकी एवं संबद्ध क्षेत्रों में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से पेशेवर रूप से सक्षम मानव संसाधनों का विकास करना।
- सतत् कृषि विकास के लिए प्रौद्योगिकियों और फसल सुधार को विकसित करने के लिए बुनियादी और आवश्यकता आधारित क्षेत्र–विशेष अनुप्रयुक्त अनुसंधान का संचालन करना।
- सहभागी दृष्टिकोण के माध्यम से प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, शोधन और ज्ञान के हस्तांतरण को बढावा देना।
- क्षेत्र के सतत् कृषि विकास के लिए राज्य/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ संबंध विकसित करना।

1.3 क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता

राज्य में विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत जलवायु खण्ड V व IIIb की खरीफ की प्रमुख फसलें सोयाबीन, धान, उड़द, मक्का, बाजरा एवं तिल हैं इसी प्रकार रबी में गेंहू, सरसों, चना, अलसी एवं मसूर हैं, मसाला फसलों में धनिया, लहसुन एवं मेथी हैं। तथा अन्य फसलों में आलू, प्याज, मटर एवं सन्तरा हैं। जिनका क्षेत्रफल, उत्पादन और उत्पादकता विश्वविद्यालय व राजस्थान राज्य के परिपेक्ष में निम्न प्रकार है–

मुख्य फसलों का क्षेत्रफल, उत्पादन और उत्पादकता एवं विश्वविद्यालय का राजस्थान के परिपेक्ष में विवरण

क्र. सं.	फसल	कोटा			बून्दी			बाराँ			झालावाड़			सवाई माधोपुर			करौली			विश्वविद्यालय क्षेत्र			राज्य		
		क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (मैट्रिक टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे.)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (मैट्रिक टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे.)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (मैट्रिक टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे.)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (मैट्रिक टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे.)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (मैट्रिक टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे.)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (मैट्रिक टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे.)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे.)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे.)
1	धान	38205	171895	4499	90222	407748	4519	33783	130741	3870	8643	28589	3308	4551	6079	1210	1765	2795	1440	177169	747846	4221	234313	577457	2464
2	बाजरा	191	134	702	1369	3605	2633	516	926	1795	18	1	1000	82837	125489	1670	139148	291128	2310	224079	421300	1880	4543894	5890502	1296
3	मक्का	2108	843	400	29623	78927	2664	42432	72367	1705	34943	881103	2321	173	348	2220	2	4	2000	109281	233592	2138	940738	2092588	2224
4	उड़द	21483	15029	700	75277	64970	863	14864	14891	1002	5837	2843	487	28262	10875	420	44	17	430	145767	108625	745	321894	135199	420
5	मूंगफली	150	105	700	144	167	1160	469	391	642	348	278	799	3868	5480	1560	57	124	2400	5036	6545	1300	800006	1923350	2404
6	तिल	943	472	501	815	419	513	626	378	604	162	130	802	25552	9537	410	15469	6396	460	43567	17332	398	216181	78544	363
7	सोयाबीन	182890	182837	1000	42009	51750	1232	234698	345883	1474	283901	307749	1082	3271	2205	740	16	15	1000	746785	890439	1192	1179469	1207044	1023
8	गेंहू	117192	562513	4800	141969	613903	4324	125080	570577	4562	122054	488216	4000	72328	240701	3670	74474	305499	4520	653097	2781409	4259	3009334	11321021	3762
9	चना	39183	58773	1500	22354	34227	1531	26083	50617	1941	39821	78999	1984	]16746	24364	1600	5056	7526	1640	149243	254506	1705	1937316	1808701	934
10	सरसों	80561	136936	1700	86852	131274	1511	158036	308266	1951	96192	72377	752	181357	268147	1630	111686	211762	2090	714684	1128762	1579	4552155	6684158	1468
11	अलसी	122	122	1000	168	167	994	183	287	1568	1889	1889	1000	0	0	0	0	0	0	2362	2465	1044	22541	24172	1072
12	मसूर	17	17	1000	1190	3246	2728	65	27	415	10676	16014	1500	0	0	0	21	15	760	11969	19319	1614	20883	28711	1375
13	मटर	22	55	2500	336	1168	3476	28	48	1714	4	8	2000	58	70.78	1340	3	18.15	6670	451	1368	3033	14823	29759	2008
14	धनियां	11220	16830	1500	325	519	1597	6832	13547	1983	43655	43655	1000	31	1	1350	1	1	1000	62064	74553	1201	75916	63985	1477
15	मैथी	2924	855	292	1598	2918	1826	482	1056	2191	3168	6332	1999	154	191	1240	0	0	0	8326	11352	1363	90939	113049	1243
16	लहसुन	21800	82	178760	2164	80	17312	31211	72	224719	33032	51.5	170115	1	0	0	1	2-72	3000	88209	288	3	98341	592524	6025
17	आलू	410	55	2255	852	60	5112	85	72	612	102	69	704	5	14	3000	55	453	9070	1509	722	479	10062	197859	19664
18	प्याज	286	110	3146	168	120	2016	202	225	4545	1650	111	18315	314	4658.80	16350	8	21.77	3000	2628	5247	1996	103306	1398849	13541
19	सन्तरा	223	4460	20000	21	119	10068	17	533	31534	23900	430200	1328	0	0	0	0	0	0	24161	435312	18017	24295	484395	19938

स्त्रोत :– क्र.सं. 1 से 18 वर्ष 2022–23 Agriculture Statistics Report 2022-23 Department of Agriculture, Rajasthan.
क्र.सं. 19 Rajasthan Agriculture Statistics at a glance 2021-22 Commissionerate of Agriculture, Rajasthan Jaipur.

1.4 सूक्ष्म खेती परिस्थितियाँ

राजस्थान जलवायु खण्डों को खेती की परिस्थितियों जैसे वर्षा व मिट्टी के प्रकार आदि के आधार पर पुनः कई सूक्ष्म खेती परिस्थितियों में बांटा गया है इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली सूक्ष्म खेती परिस्थितियां निम्न हैं :

1. वर्षा आधारित, अधिक वर्षा, भारी कणाकार मृदायें
2. वर्षा आधारित, अधिक वर्षा, मध्यम कणाकार मृदायें
3. वर्षा आधारित, मध्यम वर्षा, भारी कणाकार मृदायें
4. वर्षा आधारित, मध्यम वर्षा, मध्यम कणाकार मृदायें
5. सिंचित, भारी कणाकार मृदायें, केल्केरियस
6. सिंचित, मध्यम कणाकार मृदायें, नान–केल्केरियस
7. वर्षा आधारित, मध्यम भारी, कणाकार मृदायें

1.5 विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों में उपलब्ध भूमि

क्र.सं.	इकाई का नाम	कुल भूमि (हे.)
1	अनुसंधान निदेशालय (कृषि अनुसंधान केन्द्र, दो उपकेन्द्र, बीज फार्म एवं यांत्रिक कृषि फार्म)	682.29
2	प्रसार शिक्षा निदेशालय (छः कृषि विज्ञान केन्द्र)	148.08
3	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	120.00
4	कृषि महाविद्यालय, कोटा	39.75
5	कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली (बून्दी)	27.61
	कुल योग	**1017.73**

1.6 संस्थागत संगठन

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

शिक्षा

महाविद्यालय

संघटक

1. उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
2. कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा
3. कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली (बून्दी)

सम्बद्ध

1. शहीद केप्टन रिपुदमन सिंह राजकीय महाविद्यालय, सवाईमाधोपुर
2. माता भगवती देवी देव संस्कृति महिला कृषि महाविद्यालय, सीसवाली, बारां
3. राजकीय कृषि महाविद्यालय, शाहबाद (बारां)
4. राजकीय कृषि महाविद्यालय, बारां
5. राजकीय कृषि महाविद्यालय, बेराउन्डा खुर्द (सवाई माधोपुर)
6. राजकीय कृषि महाविद्यालय, सवाई माधोपुर
7. राजकीय कृषि महाविद्यालय, करौली
8. राजकीय कृषि महाविद्यालय, टोडाभीम (करौली)
9. राजकीय महाविद्यालय, सपोटरा (करौली)
10. राजकीय कृषि महाविद्यालय,हिण्डौन सिटी (करौली)
11. बून्दी कृषि महाविद्यालय, मोहनपुरा, इन्द्रगढ़ (बून्दी)
12. सौरभ कृषि महाविद्यालय, खेड़ा, हिण्डौन सिटी
13. अपेक्स इन्सटीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड रिसर्च, रानपुर, कोटा

अनुसंधान

अनुसंधान निदेशालय

1. कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा
2. कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर
3. कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा
4. यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा
5. सुल्तानपुर फार्म, कोटा

प्रसार शिक्षा

प्रसार शिक्षा निदेशालय

1. कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा
2. कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी
3. कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़
5. कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)
6. कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर

1.7 संगठनात्मक संगठन

कुलाधिपति
↓
प्रबंध मंडल
↓
कुलपति
↓
परिषद एवं समितियाँ
↓

- अकादमिक परिषद
- अनुसंधान परिषद
- प्रसार शिक्षा परिषद
- वरिष्ठ अधिकारी परिषद
- शिक्षा परिषद
- वित्त समिति
- भवन समिति

1.8 कार्यात्मक संगठन

कुलाधिपति
↓
कुलपति
↓

- कुलसचिव
- वित्त नियंत्रक
- संपदा अधिकारी
- अधिष्ठाता
- निदेशक अनुसंधान
- निदेशक प्रसार शिक्षा
- निदेशक शिक्षा
- निदेशक पी.एम.एण्ड ई.
- निदेशक मानव संसाधन विकास
- निदेशक छात्र कल्याण
- परीक्षा नियंत्रक
- पुस्तकालय अध्यक्ष

1.9 प्रबन्ध मंडल

प्रबंध मंडल विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शासकीय संस्था है। जिसके अध्यक्ष कुलपति एवं सदस्य सचिव कुलसचिव हैं। यह मंडल नीतिगत निर्णय द्वारा विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन करता है एवं विश्वविद्यालय के प्रबंध हेतु उत्तरदायी है। सदस्यों की सूची में राज्य सरकार के सचिव कृषि, पशुपालन, उच्च शिक्षा व वित्त शामिल हैं। इनके अलावा एक विधायक राजस्थान विधानसभा से, दो सदस्य कृषि के विशिष्ट शिक्षाविद् या वैज्ञानिक, एक सदस्य कृषि उद्योगपति, एक प्रगतिशील किसान, एक महिला समाज सेविका राजस्थान सरकार द्वारा मनोनीत किये जाते हैं। एक सदस्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का प्रतिनिधि होता है। विश्वविद्यालय का एक अधिष्ठाता, एक निदेशक व एक प्रोफेसर कुलपति द्वारा नामित किया जाता है।

आलोच्य वर्ष में प्रबन्ध मंडल की 22वीं बैठक दिनांक 22 मार्च, 2024 एवं 23वीं बैठक दिनांक 19 जून, 2024 को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के सभागार में डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में लिये गये निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है:–

- विश्वविद्यालय के वित्तीय बजट को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।
- सप्तम् दीक्षांत समारोह में डिग्री एवं स्वर्ण पदक प्रदान करने की स्वीकृति जैसे महत्वपूर्ण निर्णय पारित किये गये।
- 17 मई, 2024 को 21वीं अकादमिक परिषद की बैठक में लिए गये निर्णयों को आगे की प्रक्रिया के लिए अनुमोदित किया गया।

1.10 अकादमिक परिषद

अकादमिक परिषद विश्वविद्यालय की एक सांविधिक परिषद है जो कि पाठ्यक्रम का विनियमन करती है तथा परीक्षा संचालन, अकादमिक कैलेण्डर एवं शिक्षा में सुधार हेतु दिशा–निर्देश प्रदान करती है। शिक्षा में गुणवत्ता बनाये रखने का उत्तरदायित्व भी निभाती है। अकादमिक परिषद के सदस्य सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, सभी निदेशक, परीक्षा नियंत्रक एवं चयनित संकाय सदस्य होते हैं तथा निदेशक शिक्षा इसके सदस्य सचिव होते हैं।

इस वर्ष 2024 में अकादमिक परिषद की 21वीं बैठक 17 मई और 22 वीं बैठक 21 दिसम्बर, 2024 को आयोजित की गई जिनमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। जिनका मुख्य विवरण निम्न प्रकार है :–

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 आधारित भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली की 6वीं डीन्स् कमेटी रिपोर्ट को राज्य में सर्वप्रथम लागू किया।

- विश्वविद्यालय की प्रशिक्षण नीति का अनुमोदन किया, जोकि राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में पहली है।
- शैक्षिणिक सत्र 2024–25 से शुल्क में संशोधन कर प्रवेश लेने वाले नये विद्यार्थियों के लिए वार्षिक आधार पर 5% फीस बढाई गई।
- कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय हेतु अध्ययन बोर्ड एवं पाठ्यक्रम समिति के पुनर्गठन को स्वीकृति प्रदान की गयी।

1.11 वरिष्ठ अधिकारी परिषद बैठक

विश्वविद्यालय की वरिष्ठ अधिकारी परिषद की चार बैठकें यथा13वीं बैठक 19 अप्रैल, 14वीं बैठक 5 जुलाई, 15वीं बैठक 17 अगस्त एवं 16 वीं बैठक 28 सितम्बर, 2024 को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के सभागार में डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में विश्वविद्यालय के सर्वागिण विकास हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

1.12 अनुसंधान परिषद बैठक

- विश्वविद्यालय की 5वीं अनुसंधान परिषद बैठक 28 मई, 2024 को कृषि विश्वविद्यालय कोटा के सभागार में आयोजित की गई। डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने बैठक की अध्यक्षता की। डॉ. ए.के. मिश्र, पूर्व समन्वयक एवं अध्यक्ष, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, डॉ. सुनील कुमार, निदेशक, भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, डॉ. रामावतार शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर एवं डॉ. ए.ए. मुरकुटे प्रमुख वैज्ञानिक केन्द्रीय नीबू वर्गीय फल संस्थान, नागपुर ने बाह्य विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया। बैठक में विश्वविद्यालय में किये गये कृषि अनुसंधान की प्रगति एवं विभिन्न अनुसंधान के मुद्दों पर चर्चा की गयी। विश्वविद्यालय में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। जिनका मुख्य विवरण निम्न प्रकार है :–
- फसल, उद्यानिकी एवं वानिकी में किए गए अनुसंधान एवं कार्ययोजना।
- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के अलावा अन्य छात्रों के लिए ट्राइकोडर्मा में शोध प्रबंध शुल्क को मंजूरी देना, इत्यादि।

1.13 प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक

विश्वविद्यालय की प्रसार शिक्षा परिषद की 5वीं बैठक 12 जुलाई, 2024 को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के सभागार में माननीय कुलपति डॉ. अभय कुमार व्यास की अध्यक्षता में आयोजित की गई। डॉ. पी.एन. कल्ला, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं डॉ. सुदेश कुमार, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने बाह्य विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया। बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा किये गये प्रसार कार्यो की प्रगति एवं विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी। विश्वविद्यालय द्वारा गुणवत्ता प्रसार कार्यो को बढावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

1.14 भवन समिति

विश्वविद्यालय भवन समिति की 15वीं बैठक 04 सितम्बर, 2024 को आयोजित की गई, जिसमें लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है :–

- कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों में निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जॉच समय–समय पर करवाये जाने हेतु समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया, जिसमें इकाई प्रभारी, परियोजना प्रभारी तथा सम्पदा अधिकारी को सम्मिलित किया गया।
- कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली जिला बून्दी के पूर्व में स्वीकृत मास्टर प्लान में दर्शित अधिष्ठाता आवास का निर्माण मुख्य प्रशासनिक भवन व छात्राओं के छात्रावास से उचित दूरी पर होने के मद्देनजर सर्वसम्मति से मास्टर प्लान में दर्शाये गये स्थान पर करवाये जाने की सहमति प्रदान की।

1.15 विश्वविद्यालय दीक्षान्त समारोह

कृषि विश्वविद्यालय का सप्तम् दीक्षान्त समारोह 25 जून, 2024 को आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता श्री कलराज जी मिश्र, तत्कालीन माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने की। जिसमें शैक्षणिक सत्र 2022–23 के कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकायों में 10 स्वर्ण पदक सहित 271 स्नातक, 34 स्नातकोत्तर और 05 विद्यावाचस्पति छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने छात्रों को सलाह दी कि वे अर्जित ज्ञान को दैनिक व्यवहार में लागू करें और इस ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास के लिए करने हेतु प्रेरित करें। समारोह के दीक्षान्त अतिथि डॉ. पंजाब सिंह पूर्व सचिव (डेयर) एवं पूर्व महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा कुलाधिपति, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी रहे। दीक्षान्त उद्बोधन में कहा कि कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने कृषि की चुनौतियों और अवसरों को पूरा करने के लिए सार्थक प्रयास किये हैं जिससे हाड़ौती के मेहनती किसानों की अच्छी प्रगति हुई है, साथ ही कई कृषकों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार भी मिले हैं। बहुत अल्प समय में विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान व प्रसार के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस अवसर पर माननीय कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित चना एवं उडद की चार नई किस्मों (कोटा देशी चना–2, कोटा देशी चना–3, कोटा काबुली चना–4 एवं कोटा उडद–6) का लोकार्पण किया गया। इसी के साथ पांच इकाईयों का भी लोकार्पण किया गया जिसमें एक कॉमन इंक्यूबेशन सेन्टर, दो बीज संवर्धन एवं प्रसंस्करण इकाई, वातानुकुलित निराद्रीकृत बीज गोदाम तथा बीज गोदाम शामिल हैं। समारोह के दौरान दो प्रकाशनों उन्नत कृषि तकनीकिया : एक दशक एवं सफल कृषि उद्यमी का विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा किये गये नवाचारों एवं उन्नत तकनीकीयों तथा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। माननीय कुलपति डॉ. ए. के. व्यास ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

1.16 विश्वविद्यालय स्थापना दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का 12वां स्थापना दिवस 14 सितम्बर, 2024 को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा परिसर में स्थित कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अशोक एस. धवन, पूर्व कुलपति, वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी (महाराष्ट्र) तथा विशिष्ठ अतिथि डॉ. सुगन सिंह मनोहर, पूर्व अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, बीकानेर एवं श्री विश्वामित्र दाधीच, वरिष्ठ साहित्यकार एवं गीतकार, कोटा रहे। विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकगण, अधिष्ठाता, कुलसचिव, वित्त नियत्रंक, परीक्षा नियत्रंक, सम्पदा अधिकारी, विभिन्न इकाईयों के प्रभारी अधिकारी एवं शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारी तथा सेवानिवृत अधिकारीगण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा विभिन्न कृषक हितार्थ प्रकाशनों द्विभाषीय कृषि विश्वविद्यालय कोटा समाचार पत्र, कृषि विश्वविद्यालय कोटा– पैसिंग अहेड (दो वर्ष की उपलब्धियां अक्टूबर, 2022 से सितम्बर, 2024) तथा ग्रामीण कृषि अनुभव कार्य मेनुअल का अतिथियों के द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा हिन्दी दिवस भी मनाया गया।

1.17 गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा एवं इसकी विभिन्न इकाइयों में 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को संबोधित किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, कोटा के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं। स्टाफ सदस्यों और छात्रों द्वारा कई मैत्रीपूर्ण खेल खेले गए एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

स्वतंत्रता दिवस

कृषि विश्वविद्यालय व इसकी विभिन्न इकाईयों में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने ध्वजारोहण किया और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं छात्रों को संबोधित किया। साथ ही मैत्री खेल भी स्टाफ के सदस्यों द्वारा खेले गये और इस राष्ट्रीय पर्व पर पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

1.18 कृषि शिक्षा संग्रहालय एवं किसान कॉल सेन्टर

विश्वविद्यालय के मुख्यालय परिसर में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कार्यरत परियोजना "कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र" अन्तर्गत कृषि शिक्षा संग्रहालय की स्थापना वर्ष 2021 में की गई। इस संग्रहालय में कृषि की विभिन्न प्रौद्योगिकीयों को विभिन्न श्रृव्य एवं दृश्य के माध्यमों से दर्शाया गया है ताकि कृषक समुदाय एवं विद्यार्थी इसका लाभ कृषि तकनीकी अपनाने में उठा सकें। इसी ATMQIC परियोजना के अन्तर्गत ''किसान कॉल सेन्टर'' की भी स्थापना की गई है, ताकि कृषक समुदाय टेलीफोन के माध्यम से अपनी कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान पा सकें। विश्वविद्यालय का कृषि शिक्षा संग्रहालय हाड़ौती क्षेत्र में अपनी किस्म का अनूठा संग्रहालय है, जिसमें मानव जीवन की उत्पत्ति प्रागैतिहासिक काल से लेकर वर्तमान काल तक कृषि में हुए विकास एवं विकसित तकनिकियों के विकास को दर्शाया गया है। आलोच्य वर्ष 2024 के दौरान करीब 6500 से अधिक कृषकों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र–छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा इस कृषि शिक्षा संग्राहलय का भ्रमण करवाया गया।

1.19 मेरा गाँव मेरा गौरव

विश्वविद्यालय द्वारा भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम "मेरा गाँव मेरा गौरव" के तहत अनुसंधान एवं शिक्षण इकाईयों में सात टीम बनाकर 28 वैज्ञानिकों को शामिल किया गया है जो कि 35 गाँवों में पहुँचकर कृषि विकास एवं उद्यमिता विकास पर 204 प्रसार गतिविधियां आयोजित कर 4336 कृषकों को लाभान्वित किया गया।

विशिष्ट गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

2. शैक्षणिक

2.1 उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

वर्ष 2004 में स्थापित इस महाविद्यालय में उद्यानिकी एवं वानिकी में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति के पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इस महाविद्यालय की स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी में 65, स्नातक (ऑनर्स) वानिकी में 65, स्नातकोत्तर उद्यानिकी में कुल 12 (सब्जी विज्ञान 05, फल विज्ञान 05, पुष्प विज्ञान भूपरिदृश्य में 02), स्नातकोत्तर वानिकी में कुल 14 (सिल्वीकल्चर व एग्रोफोरेस्ट्री 05, वन उत्पाद एवं उपयोग 05, वन जीव विज्ञान एवं वृक्ष सुधार 02, वाइल्ड लाइफ साइन्स 02, विद्यावाचस्पति उद्यानिकी में 03 एवं विद्यावाचस्पति वानिकी में 02 सीट सहित कुल 161 सीट की प्रवेश क्षमता है। वर्तमान में इस महाविद्यालय में कुल 471 विद्यार्थी पंजीकृत हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है :–

कुल उत्तीर्ण एवं पंजीकृत विद्यार्थी –2024

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि	उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			वर्तमान में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या			वर्ष 2024 में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या		
		छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल
1	स्नातक	79	29	108	308	112	420	89	30	119
2	स्नातकोत्तर	08	07	15	22	15	37	10	03	13
3	विद्यावाचस्पति	-	02	02	09	05	14	-	01	01
	कुल योग	**87**	**38**	**125**	**339**	**132**	**471**	**99**	**34**	**133**

विषयवार विभिन्न कक्षाओं में विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	पाठ्यक्रम उपाधि		वर्तमान प्रवेश क्षमता	वर्ष 2023–24				
				प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	कुल योग
1.	स्नातक (उद्यानिकी)		65	64	56	60	53	233
2.	स्नातक (वानिकी)		65	55	47	38	47	187
3.	स्नातकोत्तर (उद्यानिकी)	1 सब्जी विज्ञान	05	05	05	–	–	10
		2. फल विज्ञान	05	04	04	01	–	09
		3. पुष्प विज्ञान व भू–परिदृश्य	02	02	02	01	–	05
4.	स्नातकोत्तर (वानिकी)	1. सिल्विकल्चर और कृषि वानिकी	05	–	04	03	–	07
		2. वन उत्पाद एवं उपयोगिता	05	02	04	–	–	06
		3. वन जीव विज्ञान एवं वृक्ष सुधार	02	–	–	–	–	–
		4. वन्य जीवन विज्ञान	02	–	–	–	–	–
5.	विद्यावाचस्पति (उद्यानिकी)	1. विद्यावाचस्पति उद्यानिकी (फल विज्ञान)	03	01	03	02	04	10
6.	विद्यावाचस्पति (वानिकी)	1. विद्यावाचस्पति वानिकी (सिल्वीकल्चर एवं एग्रोफोरेस्ट्री)	02	–	–	02	02	04
		कुल योग	**161**	**133**	**125**	**107**	**106**	**471**

2.1.1 शैक्षणिक उन्नयन हेतु नई पहल/आधारभूत सुविधाओं का विकास

दीक्षारम्भ कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली की 6 वीं अधिष्ठाता समिति की अनुपालना में महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन 4 –18 अक्टूबर, 2024 के दौरान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलपति महोदय डॉ. अभय कुमार व्यास ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ–साथ कौशल विकास पर भी ध्यान देकर जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास पर बल दिया और बताया कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास एवं शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अनेक कार्यक्रम सम्मिलित किये गए हैं। कार्यक्रम के दौरान नव–आगन्तुक विद्यार्थियों को महाविद्यालय की विभिन्न इकाईयों से परिचय करवाया गया।

नेचर क्लब गठन

महाविद्यालय में नेचर क्लब की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों के द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ना एवं प्रकृति के संरक्षण के लिए कार्य करना है।

स्कूली छात्रों/कृषकों द्वारा महाविद्यालय का भ्रमण

झालावाड़ जिले एवं मध्य प्रदेश के आस–पास के क्षेत्र के 19 विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 1296 छात्र–छात्राओं व कृषकों ने महाविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का भ्रमण करवाया गया तथा उन्हें उद्यानिकी और वानिकी शिक्षा, आधुनिक तकनीकी और इन क्षेत्रों में करियर के बारे में जानकारी दी गई । वर्ष 2024 के दौरान स्कूली छात्रों/कृषकों द्वारा महाविद्यालय भ्रमण का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र. सं.	विद्यालय का नाम	दिनांक	विद्यार्थियों की संख्या
1.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुराना ब्लॉक, झालावाड़	18 जनवरी, 2024	43
2.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सोयतकला म.प्र	09 फरवरी, 2024	65
3.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दुर्गापुरा, झालावाड़	18 फरवरी, 2024	63
4.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ,चांदीपुर मनोहर थाना, झालावाड़	22 फरवरी, 2024	148
5.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अकलेरा, झालावाड	27 फरवरी, 2024	41
6.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भवानीमंडी, झालावाड़	27 फरवरी, 2024	110
7.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रायपुर, झालावाड़	28 फरवरी, 2024	163
8.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बकानी, झालावाड़	05 मार्च, 2024	49
9.	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, गोपालपुरा, झालावाड़	14 मार्च, 2024	50
10.	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, रूपारेल, झालावाड़	15 मार्च, 2024	115
11.	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नाला दुर्गपुर, झालावाड़	15 मार्च, 2024	50
12.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अकलेरा, झालावाड़	26 मार्च, 2024	19
13.	संत तुलसी सीनियर सैकण्डरी स्कूल, झालरापाटन	02 अप्रैल, 2024	100
14.	लेसिया स्मार्ट किड स्कूल, झालावाड़	06 अप्रैल, 2024	32
15.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खेड़ा, खानपुर, झालावाड़	16 नवम्बर, 2024	70
16.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, तीतरवासा, झालावाड़	30 नवम्बर, 2024	32
17.	किसान कल्याण एवं कृषि विकास संस्था, मध्य प्रदेश	24 फरवरी, 2024	40
18.	बागवानी विकास मिशन रायगढ़, मध्य प्रदेश	14 मार्च, 2024	53
19.	बागवानी विकास मिशन नीमच, मध्य प्रदेश	15 मार्च, 2024	53
		कुल	1296

2.1.2 प्रशिक्षण / कार्यशाला / सेमीनार आयोजन

ए.आई.सी.आर.पी.–एस.सी.एस.पी. प्रशिक्षण

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में 14 मार्च 2024 को भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रायोजित बागवानी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में झालावाड़ जिले के 50 किसानों ने भाग लिया।

ए.आई.सी.आर.पी.–टी.एस.पी. प्रशिक्षण

महाविद्यालय मे 15 मार्च 2024 को बागवानी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक पर भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र प्रतापगढ़ पर किया गया, जिसमें जिले के 50 किसानों को लाभान्वित किया गया।

2.1.3 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE/HWE)

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में अगस्त से दिसम्बर, 2024 की अवधि के दौरान, स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी चतुर्थ वर्ष के 53 छात्रों को स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम के विभिन्न घटकों में रखा गया। पहला घटक 03–17 अगस्त, 2024 तक 02 सप्ताह की अवधि के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विद्यार्थियो को विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा संवाद किया गया। उसके बाद छात्रों को ग्रामीण बागवानी कार्य अनुभव के लिए 21 अगस्त 2024 से 12 नवम्बर 2024 तक 12 सप्ताह के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ संलग्न किया गया। छात्रों को तीसरे घटक हेतु उन्हें 19 नवंबर, 2024 से 23 दिसंबर, 2024 तक अनुभव प्राप्त करने के लिए 5 सप्ताह की अवधि के लिए कृषि आधारित उद्योग में रखा गया।

2.1.4 विद्यार्थी गतिविधियाँ

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम

परीक्षा के दिनों में तनाव प्रबन्धन पर 29 जनवरी, 2024 को कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विद्यार्थियों को परीक्षा के दबाव को संभालना एवं विपरीत परिस्थितियों में खुद को उत्साहित करने के लिए प्रेरित किया।

20वां स्थापना दिवस एवं पूर्व छात्र सम्मेलन

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में 10 मार्च, 2024 को 20वां स्थापना दिवस कार्यक्रम एवं पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 पूर्व छात्रों ने भाग लिया एवं अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान पूर्व छात्र निर्देशिका का भी विमोचन एवं पूर्व छात्र संघ के चुनाव भी कराये गये।

पोस्टर कार्यक्रम

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में लोकसभा चुनाव 2024 में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम SVEEP के अन्तर्गत पोस्टर मेकिंग का आयोजन 22 मार्च, 2024 को ''मेरा वोट मेरी ताकत'' विषय पर किया गया।

पर्यावरण के लिए जीवन शैली मिशन (लाईफ)

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा पर्यावरण के लिए मिशन जीवन शैली (LiFE) के तहत 08 मई 2024 को युवा दिमागों से नए विचार उत्पन्न करने के लिए आइडिया हैकथॉन कार्यक्रम और 11 मई 2024 को ''कंपोस्टिंग'' बायोगैस उत्पादन (अपशिष्ट से धन)''विषय पर पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पांच दिवसीय राष्ट्रीय वानिकी शैक्षणिक भ्रमण

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ के स्नातक वानिकी चतुर्थ वर्ष के छात्रों का पांच दिवसीय राष्ट्रीय वानिकी शैक्षणिक भ्रमण महाविद्यालय से रवाना हुआ। स्नातक चतुर्थ वर्ष के 46 विद्यार्थियो के दल ने 22–26 जून, 2024 तक गुजरात, महाराष्ट्र, दमन एवं मध्य प्रदेश में विभिन्न वानिकी संस्थान जैसे आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, कृषि विज्ञान केन्द्र, गोदरा, राष्ट्रीय औषधीय पादप अनुसंधान संस्थान, बोरियावी, मेन्ग्रोव वन, भरूच एवं दमन, बोटनिकल गार्डन, वाघाई, वनसाडा नेशनल पार्क एवं जनजातिय हस्त कला इकाई, अहवा, वानिकी महाविद्यालय, अकोला, मेलझात टाइगर रिजर्व, खाण्डवा, उज्जैन के वनीय क्षेत्र एवं विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन आदि संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया।

नशा मुक्त भारत अभियान

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा 12 अगस्त, 2024 को नशा मुक्त भारत अभियान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने छात्रों को नशे से दूर रहने की सलाह दी।

हर घर तिरंगा अभियान

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में तिरंगा रैली का आयोजन 13 अगस्त, 2024 को किया गया।

उद्यमिता प्रोत्साहन पर कार्यक्रम

स्वावलम्बी भारत अभियान के अंतर्गत उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन 24 सितम्बर 2024 को किया गया जिसमें 110 विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया।

राज्य स्तरीय शैक्षणिक भ्रमण

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड द्वारा स्नातक वानिकी (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 19–23 जुलाई, 2024 के दौरान राज्य स्तरीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। कुल 44 छात्रों ने रणथंभौर राष्ट्रीय अभयारण्य, उत्कृष्टता केन्द्र, सवाई माधोपुर, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भा.कृ.अनु.प.–सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर, कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर, उत्कृष्टता केन्द्र, बस्सी, नाहरगढ़ जैविक पार्क, जयपुर और अभेडा जैविक उद्यान, कोटा का भ्रमण किया।

अन्तरकक्षीय खेल प्रतियोगिता

महाविद्यालय में अन्तरकक्षीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन 14–16 अक्टूबर, 2024 तक किया गया।जिसमें वॉलीवाल, कबड्डी, बास्केट बॉल, बेडमिंटन, टेबल टेनिस तथा एथलेटिक्स जैसे विभिन्न खेलों की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक सप्ताह

महाविद्यालय में सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन 17 –19 अक्टूबर, 2024 के दौरान किया गया। इस सांस्कृतिक सप्ताह में नृत्य, संगीत, साहित्यिक, नाटक एवं ललित कला के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे चित्रकारी, रंगोली, कार्टूनिंग, पोस्टर मेकिंग, कोलाज, क्ले मोडलिंग, वाद–विवाद, वक्तव्यकला, मोनो एक्टिंग, मूक अभिनय, एकल एवं समूह गान, सामूहिक नृत्य एवं क्विज का आयोजन किया गया।

2.1.5 महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन

क्र. सं.	दिवस का नाम	दिनांक
1.	स्वामी विवेकानन्द जयंती	12 जनवरी, 2024
2.	राष्ट्रीय मतदाता दिवस	25 जनवरी, 2024
3.	75 वां गणतंत्र दिवस	26 जनवरी, 2024
4.	विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून, 2024
5.	विश्व योग दिवस	21 जून,2024
6.	ऐंटी रैगिंग दिवस	12 अगस्त, 2024
7.	ऐंटी रैगिंग सप्ताह	12–18 अगस्त, 2024
8.	78 वां स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2024
9.	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस	23 अगस्त, 2024
10	राष्ट्रीय खेल सप्ताह	26–31 अगस्त, 2024
11.	राष्ट्रीय खेल दिवस	29 अगस्त, 2024
12.	राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस	24 सितम्बर, 2024

2.1.6 वार्षिक महोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में 11वां वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह ''संगम–2024'' का आयोजन 10 मार्च, 2024 को किया गया। इस अवसर पर 202 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा महाविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23 एवं सोविनियर का विमोचन किया गया। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रस्तुति दी।

2.1.7 एन.सी.सी./एन.एस.एस. गतिविधियां

राष्ट्रीय सेवा योजना केम्प

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के लिए 8–14 फरवरी, 2024 के दौरान केम्प का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियां जैसे प्रभावी संचार कौशल, पोस्टर मेकिंग, भाषण, वाद–विवाद एवं महाविद्यालय परिसर में श्रम दान में भाग लिया। इस केम्प में विद्यार्थियों ने हृदय फुफ्फुसीय पुनर्जीवन तकनीक (सी.पी.आर.) की जानकारी प्राप्त की।

राष्ट्रीय केडैट कोर, वार्षिक प्रशिक्षण शिविर

महाविद्यालय के राष्ट्रीय केडैट कोर इकाई के 32 केडेट्स ने 5 –14 जून, 2024 के दौरान राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में आयोजित 14 राज बटालियन राष्ट्रीय केडैट कोर, वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। फायरिंग प्रतियोगिता में नीरज कुमार, ड्रील में दलजीत सिंह, मनु प्रताप सिंह खंगारोत एवं नायशा, वॉलीवाल में विकास दुन, गोविन्द सैनी एवं सोनम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा छात्राओं की वॉलीवाल प्रतियोगिता में भूमिका श्रृंगी एवं रेखा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

2.1.8 महाविद्यालय में संचालित परियोजनाऐं

क्र. सं.	परियोजना का नाम	अवधि	विशेष उद्देश्य
1.	अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना शुष्क क्षेत्र फल	2009 से वर्तमान तक	जर्मप्लाज्म सर्वेक्षण और संग्रह, जर्मप्लाज्म का मूल्यांकन, एकीकृत पोषक तत्व एवं रोग प्रबंधन

2.2 कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में स्नातक (आनर्स) कृषि (प्रवेश क्षमता 65 विद्यार्थी), स्नातकोत्तर कृषि (शस्य विज्ञान, मृदा विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, अनुवांशिकी व पादप प्रजनन विज्ञान, कृषि प्रसार (प्रवेश क्षमता 24 विद्यार्थी) तथा विद्यावाचस्पति (कृषि) शस्य विज्ञान तथा अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन (प्रवेश क्षमता 07 विद्यार्थी) के पाठयक्रम संचालित किये जा रहे हैं। जिसमें कुल 306 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। जिनका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

कुल उत्तीर्ण एवं पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि	अब तक उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			वर्तमान में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या			वर्ष 2024 में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या		
		छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल
1	स्नातक	148	33	181	160	74	234	40	24	64
2	स्नातकोत्तर	73	50	123	28	20	48	12	11	23
3	विद्यावाचस्पति	5	8	13	14	10	24	2	6	8
	कुल	**226**	**91**	**317**	**202**	**104**	**306**	**54**	**41**	**95**

विषयवार विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	पाठ्यक्रम उपाधि		वर्तमान प्रवेश क्षमता	वर्ष 2023				
				प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	कुल योग
1	स्नातक (कृषि)		65	64	58	54	58	234
2	स्नातकोत्तर (कृषि)	(i) शस्य विज्ञान	06	06	06	–	–	12
		(ii) आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	06	05	06	–	–	11
		(iii) मृदा विज्ञान	04	04	04	–	–	08
		(iv) कृषि प्रसार शिक्षा	04	04	04	01	–	09
		(v) पादप रोग विज्ञान	04	04	04	–	–	08
3	विद्यावाचस्पति (कृषि)	(i) शस्य विज्ञान	04	05	04	03	01	13
		(ii) आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	03	03	03	02	02	10
	कुल योग		**96**	**95**	**89**	**60**	**61**	**306**

2.2.1 बोर्ड ऑफ स्टडीज

कृषि संकाय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्ययन मण्ड्ल की 6वीं बैठक 27 नवम्बर, 2024 को आयोजित की गई। इस बैठक में अनुमोदित निर्णयों का विवरण इस प्रकार है :–

- आई.सी.ए.आर. छठी डीन समिति द्वारा अनुशंसित सामान्य शैक्षणिक विनियमों का स्नातक (ऑनर्स) कृषि डिग्री कार्यक्रम के लिए अनुमोदन किया गया।
- आई.सी.ए.आर. छठी डीन समिति के अनुसार पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन स्नात्तक–(ऑनर्स) कृषि कार्यक्रम के लिए सिफारिशें लागू की गई।
- कृषि संकाय के विभिन्न विभागों की पाठ्यक्रम समितियों का पुनर्गठन किया गया।

2.2.2 शैक्षणिक उन्नयन हेतु नई पहल/आधारभूत सुविधाओं का विवरण

कुलपति–विद्यार्थी संवाद

छात्रों को उनके करियर के अवसरों के लिए प्रेरित करने के लिए 21 फरवरी, 20 अप्रैल व 9 अक्टूबर, 2024 को कृषि महाविद्यालय, कोटा में अनूठा कार्यक्रम "कुलपति–विद्यार्थी संवाद" आयोजित किया गया। तीनो संवाद कार्यक्रमों में डॉ. ए. के. व्यास, माननीय कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने महाविद्यालय के स्नातक व स्नातकोत्तर छात्रों को स्व–प्रबंधन, आत्म नियंत्रण, आत्म प्रेरणा, आत्म विश्वास, स्वोट विश्लेषण एवं समय प्रबंधन सहित एसआरएफ/नेट/एआरएस और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन कर प्रेरित किया। इन कार्यक्रमों से कुल 190 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की छठी डीन समिति की सिफारिशों के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2024–25 में महाविद्यालय में पंजीकृत स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दो सप्ताह का दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन 4–18 अक्टूबर 2024 को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय कुलपति महोदय डॉ. अभय कुमार व्यास ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि हमें शिक्षा के साथ–साथ कौशल विकास पर भी ध्यान देकर जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए और कृषि विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और कृषि से संबंधित संस्थानों की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण कर जानकारी दी गई।

2.2.3 प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमीनार आयोजन विवरण

क्र.सं.	प्रशिक्षण/कार्यशाला/ सेमीनार	अवधि दिनांक	प्रतिभागी संख्या	फोटोग्राफ
1.	स्मार्ट बागवानी तकनीकों के माध्यम से युवाओं के उद्यमिता विकास पर सात दिवसीय प्रशिक्षण	11–17 मार्च, 2024	33 विद्यार्थी	
2.	बीजीय मसालों की उन्नत उत्पादन तकनीक पर दो दिवसीय प्रशिक्षण	27–28 फरवरी, 2023	75 किसान	

2.2.4 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) विवरण

स्नातक (कृषि) : कृषि महाविद्यालय, कोटा के स्नातक अन्तिम वर्ष के सातवें सेमेस्टर में "ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव और कृषि–औद्योगिक अनुलग्नक" एवं आठवें सेमेस्टर में एक्सपिरीयन्शल लर्निंग के अन्तर्गत विद्यार्थियों के कार्य अनुभव का विवरण इस प्रकार है :–

सेमेस्टर VII ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव और कृषि–औद्योगिक अनुलग्नक (RAWE&AIA)		
गतिविधियां	**अवधि (सप्ताह)**	**क्रेडिट घंटे**
विभिन्न संकायों द्वारा सामान्य अभिमुखीकरण एवं परिसर में प्रशिक्षण	1	16
यूनिट अटैचमेंट– यूनिवर्सिटी/कॉलेज/केवीके/रिसर्च	5	
गांव का लगाव	8	
प्लांट क्लिनिक	2	
कृषि–औद्योगिक अनुलग्नक	3	04
परियोजना रिपोर्ट तैयार करना, प्रस्तुतीकरण और मूल्यांकन	1	
RAWE & AIA के लिए कुल सप्ताह	20	**20**

2.2.5 गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय में सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन 13 –14 नवंबर, 2024 के दौरान किया गया। जिसमें नृत्य, संगीत, साहित्यिक, नाटक एवं ललित कला के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे चित्रकारी, रंगोली, कार्टूनिंग, पोस्टर मेकिंग, कोलाज, क्ले मोडलिंग, वाद–विवाद, क्विज, वक्तव्य कला, मोनो एक्टिंग, मूक अभिनय, एकल एवं समूह गान एवं सामूहिक नृत्य का आयोजन किया गया।

अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक एवं खेल–कूद कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में 21 से 23 दिसम्बर, 2024 को अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक एवं खेल–कूद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें में नृत्य, संगीत, साहित्यिक, नाटक एवं ललित कला के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे चित्रकारी, रंगोली, कार्टूनिंग, पोस्टर मेकिंग, कोलाज, क्ले मोडलिंग, वाद–विवाद, वक्तव्य कला, मोनो एक्टिंग, मूक अभिनय, एकल एवं समूह गान, सामूहिक नृत्य एवं क्विज और खेल–कूद में एथलीट, शतरंज, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, कबड्डी, बेडमिंटन आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय सेवा योजना सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय में 8–15 जनवरी, 2024 के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एक सप्ताह का संरक्षित भारत/2047 और स्वच्छ भारत के मिशन पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा गोद लिए गए गांव उम्मेदगंज में विभिन्न जागरूकता रैलियों, श्रमदान, स्वच्छ पर्यावरण, स्वच्छ परिसर आदि का आयोजन किया गया। इस शिविर के तहत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम व विशेष व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य मनोविज्ञान तनाव और प्रबंधन पर एक विशेष व्याख्यान

महाविद्यालय में 12 जनवरी, 2024 को स्वास्थ्य मनोविज्ञान तनाव और इसके प्रबंधन पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. राजमल मीना (एमडी मनोचिकित्सा) मेडिकल कॉलेज, कोटा ने तनाव के कारण होने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम करने और किसी व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक स्थिति में सुधार करने के तरीके पर चर्चा की गई।

कृषि क्षेत्र में करियर विकल्प पर एक विशेष व्याख्यान

महाविद्यालय में 25 फरवरी, 2024 को कृषि क्षेत्रों में जीविका (करियर) विकल्प पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें हायर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उम्मेदगंज, कोटा के 12 वीं कक्षा के छात्रों ने भाग लिया और उन्हें कृषि में उपलब्ध अवसर और नौकरी के विकल्पों एवं कृषि महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

मेरा पहला वोट देश के लिए विषय पर कार्यशाला

महाविद्यालय में 11 मार्च, 2024 को मेरा पहला वोट देश के लिए विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। चुनाव पर प्रश्नोत्तरी, भाषण और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 41 छात्रों ने भाग लिया और विजेताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अंग एवं शरीर दान जागरूकता कार्यक्रम पर कार्यशाला

महाविद्यालय में 25 अप्रैल, 2024 को अंग एवं शरीर दान जागरूकता कार्यक्रम पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें मेडिकल कॉलेज कोटा के एनाटॉमी विभाग की प्रमुख डॉ. आयुषी जैन ने देह दान पर और श्री उत्पल राजोरिया, पूर्व प्रबंधक, परियोजना, राजस्थान सरकार ने अंग एवं ऊतक दान पर व्याख्यान दिया। जिसमें 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

7वां स्थापना दिवस

महाविद्यालय का 7वां स्थापना दिवस 27 अप्रैल, 2024 को मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. अरुण शर्मा, पूर्व डी.पी.एम.ई. कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, विशिष्ट अतिथि निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्व विद्यालय कोटा एवं अध्यक्ष अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज कोटा रहे और कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता ने महाविद्यालय की वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और महाविद्यालय की वार्षिक प्रतिवेदन एवं कृषि सांख्यिकी का प्रायोगिक मेनुअल का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में 90 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय में 05 जून व 17 सितम्बर, 2024 को "एक पेड मां के नाम" वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर में 80 से अधिक फलदार एवं छायादार वृक्षों के पौधे लगाए। विद्यार्थियों को बताया कि वातावरण को स्वच्छ रखने व पर्यावरण को असंतुलन से बचाने का एकमात्र विकल्प वृक्षारोपण है। वायुमंडल में तेज गति से फैल रहे प्रदूषण से बचाव के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण हो ऐसा संकल्प प्रत्येक नागरिक को लेने की जरूरत है।

आरबीआई 90 क्विज पर विशेष व्याख्यान

आरबीआई के 90वें वर्ष के उपलक्ष्य में आरबीआई द्वारा स्नातक छात्रों को जागरूक करने के लिए 'आरबीआई 90 क्विज' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन 10 सितम्बर, 2024 को किया गया। व्याख्यान के दौरान आरबीआई के मनीवाइज वित्तीय सेवा परियोजना के इवेंट मैनेजमेंट विशेषज्ञ श्री राजेश कुमार ने प्रश्नोत्तरी की प्रक्रिया, पैटर्न, पाठ्यक्रम और अन्य विवरणों की जानकारी दी और इस कार्यक्रम में 44 छात्रों ने भाग लिया।

कबाड़ से जुगाड़ (अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ) पर कार्यशाला

महाविद्यालय में 25 सितम्बर, 2024 को कबाड़ से जुगाड़ (अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ) पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से छात्रों को कला और शिल्प बनाने का कौशल सिखाया गया, जिसमें 51 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बैंकिंग प्रणाली पर एक विशेष व्याख्यान

महाविद्यालय में 15 अक्टूबर, 2024 को बैंकिंग प्रणाली पर एक विशेष व्याख्यान में श्री अविनाश उपाध्याय, बैंक प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, धाकड़खेड़ी शाखा ने खाता खोलने, शिक्षा ऋण, ऑनलाइन लेनदेन के लिए बैंक के विभिन्न ऐप एवं ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता आदि पर चर्चा की।

उद्यमिता विकास पर व्याख्यान

महाविद्यालय में 17 अक्टूबर, 2024 को विकेंद्रीकरण, उद्यमिता, सहकारी समितियों और स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए स्वावलंबी भारत अभियान (एसबीए) के विशेषज्ञों द्वारा उद्यमिता विकास पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों को स्व–रोजगार, उद्यमिता, नौकरियों, स्टार्टअप और अन्य आत्मनिर्भरता से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा प्रशिक्षित उद्यमियों के साथ बातचीत की और प्रायोगिक अनुभव लिया।

स्कूली छात्रों/कृषकों का महाविद्यालय भ्रमण

कोटा जिले के समीपवर्ती क्षेत्र के 5 विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 150 से अधिक छात्र–छात्राओं व 250 कृषकों ने महाविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण किया। उन्हें कृषि शिक्षा, आधुनिक तकनीकी और कृषि सम्बन्धित अन्य क्षेत्रों में भविष्य निर्माण के बारे में जानकारी दी।

2.2.6 विभिन्न दिवसों का आयोजन

विश्व हिंदी दिवस

महाविद्यालय में 10 जनवरी, 2024 को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एनएसएस इकाई ने "भारत में हिंदी सीखना क्यों आवश्यक है?" पर भाषण और छात्रों के बीच "हिंदी भाषा के महत्व और इतिहास" तथा "पारंपरिक ज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जोड़ना" विषय पर भाषण व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस

महाविद्यालय में 12 जनवरी, 2024 को राष्ट्रीय युवा दिवस 2024 (स्वामी विवेकानन्द जयंती) मनाया गया, इस अवसर पर जागरूकता पैदा करने और भारत में लोगों के अधिकारों के बारे में ज्ञान प्रदान करने के लिए छात्रों के बीच भाषण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गणतंत्र/स्वतंत्रता दिवस

कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज, कोटा में 75वां भारतीय गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2024 को तथा 78वां स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2024 को मनाया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता द्वारा ध्वजारोहण किया गया और छात्रों ने विश्वविद्यालय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

विश्व पर्यावरण दिवस

महाविद्यालय में 05 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के लिए निर्धारित थीम "हमारी भूमि, हमारा भविष्य" के नारे के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा "भूमि पुनर्स्थापन मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन" पर्यावरण विषय पर पोस्टर, क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें 95 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

महाविद्यालय में एनएसएस और एनसीसी इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के अवसर पर स्वयं और समाज के लिए योग विषय पर 21 जून, 2024 को आयोजित कार्यक्रम में 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

महाविद्यालय में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त, 2024 को मनाया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के सहयोग से अंतर महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रा आकांशा यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शिक्षक दिवस मनाया

महाविद्यालय में 05 सितम्बर 2024 को शिक्षक दिवस मनाया गया और इस अवसर पर छात्रों ने सभी शिक्षकों के लिए भाषण और खेल गतिविधियों का आयोजन किया।

भारतीय संविधान दिवस

महाविद्यालय में 26 नवम्बर 2024 को एनएसएस इकाई द्वारा भारतीय संविधान दिवस 2024 मनाया गया और प्रस्तावना पढ़ी गई और शपथ ली गई।

विश्व एड्स दिवस

महाविद्यालय में 01 दिसंबर 2024 को विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता और भाषण गतिविधियाँ आयोजित की गई और छात्रों और कर्मचारियों द्वारा प्रतिज्ञा भी ली गई, जिसमें 65 छात्रों ने भाग लिया।

2.3 कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली, बून्दी

कृषि महाविद्यालय, हिन्डोली जिला बून्दी की स्थापना माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणा 2021–22 के बिन्दु संख्या 83 के क्रम में कृषि विश्वविद्यालय कोटा के अर्न्तगत की गई है। महाविद्यालय में स्नातक में कुल 233 छात्र/छात्राएं पंजीकृत हैं। जिसका विवरण निम्न प्रकार है :–

कुल पंजीकृत विद्यार्थी

कुल उत्तीर्ण एवं पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि	अब तक उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			वर्तमान में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या			वर्ष 2024 में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या		
		छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल
1	स्नातक	–	–	–	172	61	233	40	25	65
	कुल	–	–	–	172	61	233	40	25	65

2.3.1 शैक्षणिक उन्नयन हेतु नई पहल/आधारभूत सुविधाओं का विवरण

कुलपति छात्र संवाद कार्यक्रम

माननीय कुलपति, डॉ. अभय कुमार व्यास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा छात्र–छात्राओं से क्रमशः दिनांक 19 मार्च, 03 अप्रैल व 30 अगस्त, 2024 को संवाद किया। इस अवसर पर कुलपति महोदय् द्वारा छात्र–छात्राओं को उनके लक्ष्य एवं भविष्य में उसकी कियान्विति के लिए योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्तम भविष्य हेतु अनेक गुर बताये। इस अवसर पर अधिष्ठाता ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों के हित में उपलब्ध सुविधाओं एवं अनुशासन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 105 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम

महाविद्यालय् में स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन 5–19 अक्टूबर, 2024 को किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि स्नातक प्रथम वर्ष के 63 विद्याार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ–साथ कौशल विकास पर भी ध्यान देकर जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। महाविद्यालय में विद्यार्थियों के हित में उपलब्ध सुविधाओं एवं अनुशासन के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

पुस्तकालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 1300 से अधिक पुस्तक–पुस्तिकाऐं तथा हेण्डबुक विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं।

प्रयोगशाला

स्नातक स्तर के प्रायोगिक कार्य हेतु एक प्रयोगशाला की स्थापना की गई है जिसमें मृदा विज्ञान, शस्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान एवं पौध संरक्षण से संबंधित आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं।

आधुनिक कक्षा–कक्ष

एक आधुनिक कक्षा कक्ष का निर्माण किया गया है जिसमें छात्रों के लिए सुविधाजनक फर्निचर एवं डिजिटल स्मार्ट बोर्ड, वाई–फाई सुविधा एवं कूलर सुविधा उपलब्ध है।

खेल मैदान

छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न खेलों की सामग्री एवं खेल मैदान की व्यवस्था की गई है।

2.3.2 गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE/HWE) विवरण

कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली, बून्दी द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव/स्टूडेंट रैडी (READY) कार्यक्रम के तहत चतुर्थ वर्ष के 55 छात्र छात्राओं को कृषि विज्ञान केन्द्र, गांव, प्लांट क्लिनिक एवं औद्योगिक इकाइयों में कार्यानुभव हेतु भेजा गया।

स्कूली विद्यार्थियों का भ्रमण

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, हिण्डोली के 50 छात्र–छात्राओं द्वारा कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली की विभिन्न इकाईयों का 11 जुलाई, 2024 को भ्रमण किया।

2.3.3 महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन

क्र. सं.	दिवस का नाम	दिनाँक	प्रतिभागी संख्या
1.	75 वां गणतंत्र दिवस	26 जनवरी, 2024	50
2.	सात दिवसीय विशेष केम्प	06–14 फरवरी, 2024	40
3.	विश्व उपभोक्ता दिवस	15 मार्च, 2024	30
4.	राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस	16 मार्च, 2024	35
5.	विश्व वानिकी दिवस	21 मार्च, 2024	35
6.	विश्व तम्बाकू निषेध दिवस	31 मई, 2024	50
7.	विश्व पर्यावरण दिवस	05 जून, 2024	70
8.	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 जून, 2024	50
9.	वृक्षारोपण कार्यक्रम	11 जुलाई, 2024	50
10	78 वां स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2024	40
11.	खेल सप्ताह	26–31 अगस्त, 2024	45
12.	संविधान दिवस	26 नवम्बर, 2024	60
13.	निबंध लेखन प्रतियोगिता	04 दिसम्बर, 2024	40
14.	विश्व मृदा दिवस	05 दिसम्बर, 2024	45

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

संविधान दिवस

सात दिवसीय विशेष कैम्प

विश्व मृदा दिवस

वृक्षारोपण कार्यक्रम

2.4 छात्र कल्याण निदेशालय की गतिविधियाँ

छात्र कल्याण निदेशालय विद्यार्थियों को सह–शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता प्रोत्साहन व संवर्द्धन के उद्देश्य से छात्र कल्याण निदेशालय कार्यरत है। इसके अनुरूप निदेशालय द्वारा विद्यार्थियों को समाजोपयोगी गतिविधियों में सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। इस क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना व राष्ट्रीय केडेट कोर के माध्यम से विद्यार्थियो को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाता है। वर्ष भर विद्यार्थियों ने अकादमिक के साथ–साथ विभिन्न सह–शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया और अपनी बेहतर योग्यता का प्रदर्शन किया।

2.4.1 विद्यार्थी गतिविधियाँ विवरण

विकसित भारत@2047

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में 19 दिसम्बर, 2023 तथा कृषि महाविद्यालय, कोटा में विकसित भारत@2047 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी छात्रों को 2047 में विकसित भारत के लिए सर्वोत्तम विचारों को ऑनलाइन साझा करने के बारे में अभ्यस्त किया गया। साथ ही कृषि महाविद्यालय, कोटा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तहत स्वच्छता और विकसित भारत जागरूकता विषय पर 08–15 जनवरी, 2024 के दौरान सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

एंटी–रैगिंग सप्ताह का आयोजन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के सभी संघटक महाविद्यालयों में एंटी–रैगिंग सप्ताह का आयोजन 12–18 अगस्त, 2024 तक किया गया।

खेल सप्ताह एवं राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के सभी संघटक महाविद्यालयों में 26–31 अगस्त, 2024 के दौरान राष्ट्रीय खेल सप्ताह का आयोजन किया गया। इसी दौरान 29 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस भी मनाया गया।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन

छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन 23 अगस्त 2024 को किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें कृषि महाविद्यालय, कोटा से सुश्री आकांक्षा यादव ने प्रथम स्थान, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ से सुश्री रिंकी कुमावत ने द्वितीय स्थान और कृषि महाविद्यालय, हिंडोली से श्री विनायक भूतड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में एनसीसी कैडेटों की भागीदारी

- कोटा में आयोजित एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में 25 सितंबर से 04 अक्टूबर, 2024 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कुल 33 कैडेटों ने भाग लिया।
- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ और कृषि महाविद्यालय, कोटा में 14वीं राज. बटालियन एनसीसी, कोटा द्वारा नए एनसीसी कैडेटों के लिए 25 सितम्बर, 2024 को चयन शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रत्येक महाविद्यालय से 18 कैडेटों का चयन किया गया।

स्पोर्ट्स बोर्ड की पाँचवी बैठक

कृषि विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स बोर्ड की पाँचवी बैठक 27 नवंबर, 2024 को निदेशक छात्र कल्याण डॉ. एम.सी. जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में सभी संघटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं एवं खेल प्रभारियों के साथ–साथ सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाताओं ने भी भाग लिया। बैठक में अंतर कृषि महाविद्यालयों की खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर विचार विमर्श कर उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में फरवरी–2025 के द्वितीय सप्ताह में आयोजित करवाने पर सहमति बनी।

स्थानन

कृषि महाविद्यालय कोटा तथा उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड में प्लसमेंट कैंप का आयोजन क्रमशः 4 अप्रैल 2024 व 05 मई, 2024 को किया गया, जिसमे 14 से अधिक निजी कम्पनी/संस्थानों द्वारा 28 विद्यार्थियों का विभिन्न पदों पर चयन हुआ।

3. अनुसंधान

3.1 अनुसंधान निदेशालय अंतर्गत विभिन्न इकाइयों पर उपलब्ध भूमि

क्र. सं.	इकाई का नाम	उपलब्ध कुल भूमि (हे.)	कृषि योग्य भूमि (हे.)	अन्य भूमि (हे.) एवं विवरण	मुख्य कार्य
1.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	80.50	76.00	4.5 हे. (भवन, रोड, स्टाफ क्वाटर, थ्रेसिंग फ्लोर, गेस्ट हॉउस इत्यादि)	अनुसंधान कार्य व बीज उत्पादन
2.	यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा	485.00	295.00	190 हे. (भवन, रोड़, नाला, रेवराइन एवं तालाब इत्यादि)	बीज उत्पादन
3.	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा	43.29	40.24	3.05 हे. (भवन, थ्रेसिंग फ्लोर, रोड, शेड इत्यादि)	अनुसंधान कार्य व बीज उत्पादन
4.	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर	52.00	47.00	5 हे. (भवन, फार्म रोड, थ्रेसिग फ्लोर, इत्यादि) एवं 01 हे. अमरूद बगीचा व फार्म रोड	अनुसंधान कार्य व बीज उत्पादन
5.	बीज उत्पादन फार्म, सुल्तानपुर	21.50	18.00	3.5 हे. (भवन, थ्रेसिंग फ्लोर, रोड, इत्यादि)	बीज उत्पादन
	कुल योग	**682.29**	**476.24**	**206.05**	

3.2 उद्‌देश्य, मुख्य कार्य एवं जांचीय कार्य

उद्देश्य

- कृषि अनुसंधान की योजना, समन्वय एवं परिवेक्षण।
- सतत् उत्पादन हेतु उन्नत किस्में एवं उत्पादन तकनीकियों का विकास।
- बीज उत्पादन कार्यक्रम का समन्वय एवं परिवेक्षण।
- अनुसंधान कार्यो के सम्पर्क हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से समन्वय।
- कृषि से सम्बंधित परामर्श।

विश्वविद्यालय ने क्षेत्र की आवश्यकतानुसार प्रक्षेत्र एवं प्रयोगशाला संबन्धित अनुसंधान कार्यो को मुख्य व जांचीय कार्यो में निम्न प्रकार वर्गीकृत किया है :–

मुख्य कार्य : सोयाबीन, मुल्लार्प (मूंग, उडद, मसूर, खेसारी, राजमा, व मटर/बटला), रोपित/सीधी बुवाई धान, अरहर, समन्वित कृषि प्रणाली, सिंचाई जल प्रबंधन, चना, आलू, गन्ना, अलसी, सरसों, शुष्क क्षेत्र फलों (बील, इमली, सीताफल, लहसोडा), संतरा, अमरूद, जल व मृदा प्रबंधन एवं पोषक तत्व प्रबन्धन अनुसंधान कार्य सम्पादित करना।

जांचीय कार्य : बीजीय मसाले, गेहूं व जौ, बारानी कृषि, प्याज व लहसुन, मक्का एवं मौसम विज्ञान, जैविक खेती इत्यादि।

3.3 अनुसंधान निदेशालय अन्तर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाऐं

कृषि विश्वविद्यालय में 14 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं क्रमशः सोयाबीन, धान, अरहर, मुल्लार्प, सरसों, चना, गन्ना, अलसी, आलू, सिंचाई जल प्रबंधन, समेकित कृषि प्रणाली, प्रजनक बीज उत्पादन, शुष्क क्षेत्र फल, तथा मौन पालन एवं परागणकर्ता इत्यादि संचालित हैं जिनके द्वारा फसल सुधार, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, उत्पादन एवं संरक्षण तथा प्रजनक बीज उत्पादन इत्यादि पर कार्य किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित 7 स्वैछिक अनुसंधान परियोजनाऐं (मसाला फसलें, गेंहू एवं जौ, मक्का, शुष्क खेती, शुष्क दलहनी फसलें, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा स्कीम (जी.के.एम.एस.) एवं समन्वित उद्यानिकी विकास मिशन (एमआईड़ीएच), 10 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई), 1 नेशनल बी बोर्ड परियोजना, 1 नाबार्ड परियोजना, 3 दलहन व 2 तिलहन बीज हब, 1 अरहर इक्रीसेट परियोजना एवं 42 निजी संस्थाओं द्वारा वित्त पोषित परियोजनाऐं इत्यादि में अनुसंधान व विकास कार्य सम्पादित व क्रियान्वित किये जा रहे हैं।

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं की सूची

1. अखिल भारतीय समन्वित सिंचाई जल प्रबंधन अनुसंधान परियोजना
2. अखिल भारतीय समन्वित चावल अनुसंधान परियोजना
3. अखिल भारतीय समन्वित सोयाबीन अनुसंधान परियोजना
4. अखिल भारतीय समन्वित अलसी अनुसंधान परियोजना
5. अखिल भारतीय समन्वित मुलार्प अनुसंधान परियोजना
6. अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना
7. अखिल भारतीय समन्वित गन्ना अनुसंधान परियोजना
8. अखिल भारतीय समन्वित सरसों अनुसंधान परियोजना
9. अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना
10. अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना
11. अखिल भारतीय समन्वित अरहर अनुसंधान परियोजना
12. अखिल भारतीय समन्वित मौन पालन अनुसंधान परियोजना
13. अखिल भारतीय समन्वित एन.एस.पी.–बी.एस.पी. परियोजना
14. अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्र फल परियोजना

3.4 निजी संस्थाओं द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाऐं

कुल परियोजनाऐं	स्थान	प्रायोजक संस्थाए	बजट (लाख रू.)
42	कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा/वानिकी एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, झालावाड़/कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर/कृषि महाविद्यालय, कोटा	यू.पी.एल./पी.आई. इन्डस्ट्रीज/धानुका/डी.सी.एम श्रीराम लिमिटेड / कृषि क्रॉप रसायन/जीवाग्रो / सल्फर मिलस लिमिटेड/बायोस्टड इण्डिया लिमिटेड़ इत्यादि।	108.58

नवीन स्वीकृत परियोजनाऐं

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

क्र.सं.	परियोजना का नाम	बजट (लाख रू.)
1.	Exploration of Zaid Seed Production of Soybean and Pulses in South Eastern Region of Rajasthan.	184.52
2.	Development, Evaluation and Dissemination of Effective Weed Control Technologies under Changing Climate Situations especially for *Kharif* crops (Soybean & Pulses) grown in Vertisols of Zone-V.	410.23
3.	Agronomic Fortification of Zinc and Iron in Pulses for Nutritional Security in South-Eastern Plain Zone of Rajasthan.	101.55

3.5 क्षेत्रीय अनुसन्धान एवं विस्तार सलाहकार समिति

खरीफ–2024 की बैठक

कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज कोटा पर संभागीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति, खरीफ 2024 की बैठक 21–22 मई को आयोजित की गई, जिसमें कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के माननीय कुलपति डॉ. अभय कुमार व्यास मुख्य अतिथि रहे। बैठक में खरीफ 2023 में किये गए अनुसंधान कार्यों का अनुमोदन किया गया तथा आगामी खरीफ 2024 के लिए 16 किसान उपयोगी तकनीकी सिफारिशों के अनुमोदन के साथ अनुसंधान कार्य की योजनाएं बनाई गई। कोटा संभाग के लिए सोयाबीन की दो किस्मे एन.आर.सी.–138 व आर.वी.एस.एम. 2011–35 एवं धान की किस्म पूसा बासमती 1718 सिफारिश की गई। साथ ही अन्य 13 उत्पादन तकनीकें कोटा संभाग के लिये अनुमोदित की गई, जिनमें मुख्यत: सोयाबीन में खरपतवार प्रबंधन, उड़द की फसल में ट्राईकोडर्मा विरीडी से बीजोपचार कर रोग प्रबंधन, धान में नैक ब्लास्ट रोग के प्रबंधन, खरीफ में अरहर + मीठी मक्का को 1:2 पंक्ति अनुपात में बुआई, ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल को शून्य भू–परिष्करण (बिना जुताई) विधि द्वारा बुवाई, भिण्डी में खरपतवार नियन्त्रण हेतु तकनीकी आदि सिफारिशों का अनुमोदन किया गया।

उक्त बैठक में कृषि संयुक्त निदेशकों एवं संभाग के अन्य कृषि अधिकारियों एवं कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशकगण / अधिष्ठातागण, कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र अकलेरा/खानपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा, करौली, सवाई माधोपुर, बारां के प्रभारियों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

रबी 2024–25 की बैठक

कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर संभागीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति, रबी 2024–25 की बैठक 19–20 सितम्बर 2024 को आयोजित की गई, जिसमें कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति डॉ. अभय कुमार व्यास मुख्य अतिथि रहे।

बैठक में रबी 2023–24 मे किये गए अनुसंधान कार्यों का अनुमोदन किया गया गया तथा अनुसंधान परिणामों के आधार पर रबी की विभिन्न फसलों के लिए 13 एवं उद्यानिकी फसलो के लिए 5 कुल 18 नवीन तकनीकी सिफारिशें अनुमोदित की गई। इसमें देशी चना की दो किस्में कोटा देशी चना–2, कोटा देशी चना–3, काबुली चना की कोटा काबुली चना–4, मसूर की कोटा मसूर–6 एवं अलसी की कोटा बारानी अलसी–7 आदि किस्मों की सिफारिश की गई है। साथ ही अन्य 13 उत्पादन तकनीकें मुख्यत: सरसों में पोषक तत्व प्रबंधन, मसूर, मटर व आलू में जिंक व लोह तत्व संवर्धन, किनोवा में बुवाई, पोशक तत्व व सिंचाई प्रबन्धन, टमाटर व खीरा में फर्टीगेशन तथा मिर्च में पोषक तत्व प्रबंधन आदि सिफारिशें खण्ड के लिए अनुमोदित की गई है। इस बैठक में कृषि संयुक्त निदेशकों एवं संभाग के अन्य कृषि अधिकारियों (कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड के कृषि उपनिदेशकों, राज्य बीज निगम, राष्ट्रीय बीज निगम आदि) एवं कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशकगण/अधिष्ठातागण, कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र अकलेरा/खानपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा, करौली, सवाई माधोपुर, बारां, बूंदी, अन्ता के प्रभारियों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

3.6 अनुसन्धान की मुख्य उपलब्धियाँ

3.6.1 विकसित की गई किस्में (अधिसूचित / चिन्हित)

क्र.सं.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताऐं	फोटोग्राफ
1.	2024	मसूर	कोटा मसूर 5 (आर.के.एल 14–175)	गहरे भूरे व बड़े दानों (2.96 ग्रा/100 दाना भार) वाली यह किस्म 120 दिन में पक कर औसत 20–21 क्विंटल प्रति हेक्टयर उपज देती है। यह उकठा व रस्ट रोग के लिए मध्यम प्रतिरोधी है एवं इसमें फली छेदक व माहू कीट का कम प्रकोप पाया जाता है।	
2.	2024	मसूर	कोटा मसूर 6 (आर.के.एल 20–26 डी)	गहरे भूरे व बड़े दानों वाली यह किस्म 120 दिन में पक कर 19 से 22 क्विंटल प्रति हेक्टयर उपज देती है। सूखा सहनशील, अर्ध–सीधी व एक साथ पकने वाली किस्म की पत्तियां गहरे हरे रंग की अंडाकार व तंतु युक्त होती हैं। यह उकठा रोग के लिए मध्यम प्रतिरोधी है।	RKL 20-26

क्र.सं.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताएें	फोटोग्राफ
3.	2024	अलसी	कोटा बारानी अलसी 7 (आर.एल. –18106)	यह किस्म राजस्थान के असिंचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त पाई गयी हैं। इस किस्म के फूल नीले एवं दाने भूरे रंग के होते हैं। यह किस्म 116–120 दिन में पक कर 15 क्विंटल प्रति हेक्टयर दाना उपज देती है। इसमें 36–38 प्रतिशत तेल की मात्रा पायी जाती है। यह किस्म झुलसा, उकठा रोग व कलिका मक्खी कीट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी पायी गयी है।	
4.	2024	चना	कोटा देसी चना 2 (आर.के.जी. एम. 20–1	● उच्च बीज उपज: औसत उपज 2072 किलोग्राम/हेक्टेयर। ● ए.आई.सी.आर.पी.–समन्वित परीक्षणों में 2.9 टन/हेक्टेयर से अधिक की उच्च उपज क्षमता के साथ। ● एसजेड–दक्षिणी क्षेत्र (आंध्र प्रदेश, कर्नाटक) एवं कोटा खंड के लिए उपयुक्त है। ● उकठा, शुष्क जड़ सड़न, कॉलर सड़न और बौना रोगों के प्रति प्रतिरोधी या मध्यम प्रतिरोधी। ● औसत परिपक्वता अवधि: 94–96 दिन। ● मध्यम लम्बे पौधे, सीधे से अर्ध–खड़े, यांत्रिक कटाई के लिए उपयुक्त। ● हल्का भूरा, कोणीय, खुरदरा, मध्यम मोटा बीज (24.73 ग्राम/100 बीज वजन)। ● प्रोटीन मात्रा: 18.77%।	
5.	2024	चना	कोटा देसी चना 3 (आर.के.जी. एम. 20–2)	● उच्च बीज उपज: औसत उपज 1557 किलोग्राम/हेक्टेयर। ● उपज क्षमता: 2.5 टन/हेक्टेयर से अधिक। ● एनईपीजेड–उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्र (असम, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल) एवं कोटा खंड के लिए उपयुक्त है। ● उकठा, शुष्क जड़ सड़न, कॉलर सड़न और बौना रोगों के प्रति प्रतिरोधी या मध्यम प्रतिरोधी। ● औसत परिपक्वता: 126–132 दिन। ● मध्यम लम्बे पौधे, सीधे से अर्ध–खड़े, यांत्रिक कटाई के लिए उपयुक्त। ● हल्का भूरा, कोणीय, खुरदरा, मध्यम मोटा बीज (26.43 ग्राम/100 बीज वजन)। ● प्रोटीन मात्रा: 20.25%।	
6.	2024	चना	कोटा देसी चना 4 (आर.के.जी. 13–380)	● उच्च बीज उपज: औसत उपज 3079 किलोग्राम/हेक्टेयर। कोटा खंड के लिए उपयुक्त है। ● उकठा, शुष्क जड़ सड़न, रोगों के प्रति प्रतिरोधी या मध्यम प्रतिरोधी। औसत परिपक्वता: 118 दिन। ● मध्यम मोटा बीज (22–16 ग्राम/100 बीज वजन), उकठा, शुष्क जड़ सड़न रोग के प्रति प्रतिरोधी, प्रोटीन (22–83%) और सूक्ष्म पोषक तत्वों, आयरन (Fe) जिंक (Zn) और कॉपर (Cu) से भरपूर।	
7.	2024	चना	कोटा देसी चना 5 (आर.के.जी. 13–515–1)	● उच्च बीज उपज: औसत उपज 2917 किलोग्राम/हेक्टेयर। कोटा खंड के लिए उपयुक्त है। ● उकठा, शुष्क जड़ सड़न, कॉलर सड़न और बौना रोगों के प्रति प्रतिरोधी या मध्यम प्रतिरोधी। औसत परिपक्वता: 122 दिन। मध्यम मोटा बीज (23.06 ग्राम/100 बीज वजन), सूक्ष्म पोषक तत्वों, आयरन (Fe) जिंक (Zn) और कॉपर (Cu) से भरपूर प्रोटीन मात्रा: 19.37%।	

क्र.सं.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताऐं	फोटोग्राफ
8.	2024	चना	कोटा देसी चना 6 (आर. के.जी. 19–1)	• उच्च बीज उपज: औसत उपज 2216 किलोग्राम/हेक्टेयर। उपज क्षमता: 3.3 टन/हेक्टेयर से अधिक। कोटा खंड के लिए उपयुक्त है। • उकठा, शुष्क जड़ सड़न, कॉलर सड़न और बौना रोगों के प्रति प्रतिरोधी या मध्यम प्रतिरोधी। औसत परिपक्वता: 111 दिन। मध्यम मोटा बीज (25.53 ग्राम/100 बीज वजन), प्रोटीन (23.6%) और सूक्ष्म पोषक तत्वों, आयरन (Fe) जिंक (Zn) से भरपूर।	
9.	2024	उड़द	कोटा उड़द 6	अर्ध सीधे पौधे वाली किस्म 76 दिन में पककर 13–15 क्विंटल/ हेक्टेयर उपज देती है। यह किस्म उड़द पत्ती क्रिंकल विषाणु व श्यामवर्ण रोग के लिए प्रतिरोधी है तथा पीत चितकबरा, सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बा रोग, पत्ती संकुचन विषाणु व छाछ्या के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। एफिड्स, पोड बोरर और पॉड बग का कम प्रभावी होता है। जायद फसल के लिए उपयुक्त है।	

3.6.2 सिफारिश की गई किस्में

क्र.सं.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताऐं	फोटोग्राफ
1.	खरीफ 2024	धान	पूसा बासमती 1718	मध्यम ऊंचाई (115–120 से.मी.) की यह किस्म 135–140 दिन में पककर औसतन 45–50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज देती है। इसका दाना लम्बा, पतला खुशबूदार होता है। यह किस्म जीवाणु अंगमारी, ब्लास्ट एवं पर्णधार झुलसा रोग तथा धान का भूरा फुदका कीट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।	
2.	खरीफ 2024	सोयाबीन	एन.आर.सी. 138	यह अल्प अवधि (90–93) में पकने वाली किस्म है जो अनुकूल परिस्थितियो में 20–24 क्वि. प्रति हेक्टेयर की उपज देती है। इस किस्म में सफेद रंग के फूल, तने व फलियों गहरे भूरे रंग के रोये पाये जाते हैं यह मध्यम ऊँचाई (44.59 से.मी) की, पीले रंग के दाने पर भूरे रंग की नाभिका वाले होते हैं। बीज मध्यम आकार जिनके 100 दानों का वजन 9.9–10.20 ग्राम होता है। तेल की मात्रा 20.10% पायी जाती है। यह किस्म फली झुलसा, पत्तीधब्बा एवं पीला मोजेक विषाणु रोगों के लिए मध्य प्रतिरोधी है। यह गर्डल बीटल के लिए कम प्रतिरोधी एवं पर्णभक्षी कीटों के लिए मध्यम प्रतिरोधी है।	
3.	खरीफ 2024	सोयाबीन	आर.वी.एस. एम. 2011–35	यह मध्यम अवधि (95–98) में पकने वाली किस्म है, जो अनुकूल परिस्थितियो में 20–23 क्वि. प्रति हेक्टर की उपज देती है। इस किस्म में फूलों का रंग सफेद एवं तने व फलियों पर भूरे रंग के रोये पाये जाते हैं यह मध्यम ऊँचाई (63–73 से.मी.), दाने अण्डाकार, पीले रंग एवं काले रंग की नाभिका वाले होते हैं। इसके बीज बडे आकार के जिनका 100 दानों का भार लगभग 13.10 ग्राम होता हैं। इसमे तेल की मात्रा 19.13% पायी जाती है। यह किस्म फली झुलसा, पत्तीधब्बा एवं पीला मोजेक विषाणु रोगों के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। तना मक्खी, गर्डल बीटल एवं पर्णभक्षी कीटो के लिए बहु प्रतिरोधी है।	

क्र.सं.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताऐं	फोटोग्राफ
4.	रबी 2024-25	चना	कोटा देसी चना 2 (आर.के.जी.एम. 20–1)	किस्म 120–130 दिन में पक कर औसतन 2217 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर उपज देती है। मध्यम लम्बे उर्ध्व पौधे, आड़े गिरने के प्रति सहनशील है। फलियां भूमि से 25 सेंटीमीटर ऊपर लगती है अत: यांत्रिक कटाई के लिए उपयुक्त है। बीज सूचकांक 24.73 ग्राम है। उकठा, शुष्क जड़ सड़न, कॉलर सड़न और स्टंट के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। इसकी बुवाई पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. की जगह 22.5 से.मी. पर करने से अधिक उपज प्राप्त की जा सकती है।	
5.	रबी 2024-25	चना	कोटा देसी चना 3 (आर.के.जी.एम. 20–2)	यह किस्म 126–132 दिन में पककर औसतन 2188 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर उपज देती है। मध्यम लम्बे उर्ध्व पौधे, आड़े गिरने के प्रति सहनशील है। फलियां भूमि से 25 सेंटीमीटर ऊपर लगती है अत: यांत्रिक कटाई के लिए उपयुक्त है। बीज सूचकांक 26.43 ग्राम है। उकठा, शुष्क जड़ सड़न, कॉलर सड़न और स्टंट रोग के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। इसकी बुवाई पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. की जगह 22.5 से.मी. पर करने से अधिक उपज प्राप्त की जा सकती है।	
6.	रबी 2024	चना	कोटा काबुली चना 4 (आर.के. जी.एम. 13–416)	यह किस्म 125–130 दिन में पककर औसतन 2056 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर उपज देती है। मध्यम बड़े दानों वाली इस किस्म का बीज सूचकांक 28.58 ग्राम है। उकठा, शुष्क जड़ सड़न, कश्वलर सड़न और स्टंट रोग के लिए प्रतिरोधी है।	
7.	रबी 2024-25	मसूर	कोटा मसूर 6 (आर.के.एल 20–26 डी)	गहरे भूरे व बड़े दानों वाली यह किस्म 120 दिन में पककर 19 से 22 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज देती है। सूखा सहनशील, अर्ध–सीधी व एक साथ पकने वाली किस्म की पत्तियां गहरे हरे रंग की अंडाकार व तंतु युक्त होती हैं। यह उकठा रोग के लिए मध्यम प्रतिरोधी है।	
8.	रबी 2024-25	अलसी	कोटा बारानी अलसी 7 (आर.एल. 18106)	यह किस्म राजस्थान के असिंचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त पाई गयी है। इस किस्म के फूल नीले एवं दाने भूरे रंग के होते हैं। यह किस्म 116–120 दिन में पककर 15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दाना उपज देती है। इसमें 36–38 प्रतिशत तेल की मात्रा पायी जाती है। यह किस्म झुलसा, उकठा रोग व कलिका मक्खी कीट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी पायी गयी है।	

3.6.3 राजस्थान जलवायु खण्ड V के लिये फसल, फल एवं सब्जी उत्पादन हेतु विकसित तकनीकी एवं सिफारिशें

क्र. सं.	फसल	सिफारिश / सन्तुति	फोटोग्राफ
खरीफ 2024			
1.	धान	धान की फसल में नैक ब्लास्ट रोग की रोकथाम के लिए रोग के लक्षण दिखाई देते ही टेबुकोनाजोल 50% ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यू जी (मिश्रित उत्पाद) 0.4 ग्राम प्रति लीटर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आवश्यकता होने पर 15 दिन बाद पुन: छिड़काव करें।	

क्र. सं.	फसल	सिफारिश / सन्तुति
2.	सोयाबीन	सोयाबीन में संकरी व चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण हेतु खड़ी फसल में फोमासाफेन 11.1% + फ्लूजीफॉप–पी– ब्यूटाइल 11.1% एस.एल. (मिश्रित उत्पाद) का 220 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर (व्यावसयिक दर 1.0 ली. प्रति हेक्टेयर) की दर से बुवाई के 15–25 दिन बाद छिड़काव करें।
3.	अरहर	अरहर में खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण के लिए बुवाई के बाद अंकुरण पूर्व पेन्डीमेथालीन 30 प्रतिशत ई.सी. 0.75 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर (व्यावसायिक दर 2.5 ली. प्रति हेक्टेयर तथा इसके पश्चात् खड़ी फसल में इमेजिथापायर 10 एस. एल. 100 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर (व्यावसायिक दर 1.0 ली. प्रति है.) की दर से बुवाई के 20–25 दिन बाद छिड़काव तथा 50 दिन पर एक निराई–गुडाई करें।
4.	अरहर	अरहर + मीठी मक्का की 1:2 पंक्ति अनुपात में अन्तराशस्य पद्धति से बुवाई करने पर अधिकतम अरहर तुल्यांक उपज व शुद्ध लाभ प्राप्त होता है।
5.	उड़द	उड़द की फसल में कॉलर रॉट, रोटिंग, डेम्पिंग–ऑफ बिमारी की रोकथाम हेतु ट्राईकोडर्मा विरीडी 8 ग्राम प्रति किग्रा की दर से बीजोपचार करें।
6.	मक्का	मक्का में फाल आर्मी वर्म के नियन्त्रण हेतु बुवाई के 20 से 25 दिन बाद क्लोरेंट्रानिलीप्रोल 18.5 एस सी 200 मिली प्रति हेक्टेयर अथवा फ्लुबेण्डामाईड 480 एस सी 150 मिली प्रतिहेक्टेयर अथवा इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 एस जी 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें तथा आवश्यकता पड़ने पर बुवाई के 40 से 45 दिन बाद दूसरा छिड़काव करें।
7.	ग्रीष्मकालीन मूंग	गेंहू फसल की कटाई के पश्चात् ग्रीष्मकालीन मूंग को पलेवा करने के पश्चात् शून्य भू–परिष्करण (बिना जुताई) बुवाई व 20 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर तथा सिंचाई निर्धारण वाष्पोत्सर्जन गुणांक 1.0 (6.7 सिंचाई) करने से उपज एवं जल उपयोग दक्षता में वृद्धि पायी गयी।
8.	ग्रीष्मकालीन चंवला + बेबी कॉर्न अन्तराशस्य	ग्रीष्मकालीन चंवला + शिशु मक्का (बेबी कॉर्न) को 2:1 पंक्ति अनुपात में अनुमोदित उर्वरकों की 150 प्रतिशत मात्रा (नत्रजन 30 किग्रा, फॉस्फोरस 60 किग्रा/हैक्टेयर) एवं 0.5 प्रतिशत कैल्शियम क्लोराइड के दो छिड़काव (पुष्पन व फली बनने की अवस्था पर) करने पर अधिकतम चंवला तुल्यांक उपज, शुद्ध लाभ एवं लाभः लागत अनुपात प्राप्त हुआ।
9.	भिण्डी	भिण्डी में खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण हेतु क्विजालाफोप इथाइल 5 ई.सी. 50 ग्रा0 सकिय तत्व प्रति हैक्टेयर बुवाई के 20 दिन पर छिडकाव तथा बुवाई के 40 दिन बाद एक निराई गुडाई करें।
10.	शरीफा (अर्का सहन)	शरीफा (किस्म अर्का सहन) की अधिक उपज और गुणवत्ता के लिए 50% अनुशंसित उर्वरक (250–150–150 ग्राम) + 50% नाट्रोजन वर्मीकम्पोस्ट के माध्यम से तथा एजेटोबैक्टर, पीएसबी एवं वाम की 50–50–20 ग्राम प्रति पौधे मात्रा का उपयोग करें।
11.	शरीफा (किस्म बालानगर)	शरीफा (किस्म बालानगर) के फलों पर सागो स्टार्च के 10% सांद्रता के घोल द्वारा 5 मिनट के लिए सतही लेपन करने से फलो की जैव रासायनिक गुणवत्ता के संरक्षण के साथ ही अधिकतम 8 दिनों तक फलो की भण्डारण क्षमता में वृद्धि की जा सकती है।
12.	अनार	झालावाड़ की दशाओं में अनार की भगवा किस्म के विभिन्न प्रवर्ध्यों (कलम, गुटी दाब, ऊतक संवर्धन एवं ग्राफ्टिंग (ब्लाइट रोधी मूलवृंतों पर–आई.सी.–118, आई.सी.–318706, आई.सी.–318707, आई.सी. –3187012) का जैविक एवं अजैविक तनावों के प्रति मूल्यांकन किया गया जिसमें सभी प्रवर्धन विधियां जैविक एवं अजैविक तनाव को रोकने में असफल हुई। ग्राफ्टिंग में प्रयुक्त मूलवृंतों में से तथा अन्य विधियों द्वारा प्रवर्धित पौधों में से किसी में भी ब्लाइट, फल धब्बा, मकड़ी व् फल फटने के प्रति रोधिता प्रदर्शित नहीं हुई इसलिए, यह अनुशंसा की जाती है कि झालावाड़ की भारी काली मिट्टी अनार की खेती के लिए उपयुक्त नहीं है।
रबी 2024–25		
1.	सरसों	40 किलोग्राम सल्फर, 5 किलोग्राम जिंक, 1 किलोग्राम बोरोन प्रति हेक्टेयर (500 किलोग्राम गोबर की खाद में 15 दिनों की अवधि के लिए सवंर्धित कर) बुवाई के समय अनुशंसित उर्वरक की मात्रा के साथ प्रयोग करने से सरसों की अधिक उपज और शुद्ध आय प्राप्त होती है।
2.	मसूर	जिंक सल्फेट 0.5% (5 ग्राम/लीटर) व आयरन सल्फेट 0.5% (5 ग्राम/लीटर) को चूना (5 ग्राम/लीटर) के साथ घोल बनाकर फूल आने तथा फली आने पर पर्णीय छिड़काव करने से मसूर के दानों में अधिक जिंक व आयरन की मात्रा के साथ अधिक उपज प्राप्त होती है।

क्र. सं.	फसल	सिफारिश / सन्तुति
3.	बटला मटर	जिंक सल्फेट 0.5% (5 ग्राम/लीटर) व आयरन सल्फेट 0.5% (5 ग्राम/लीटर) को चूना (5 ग्राम/लीटर) के साथ घोल बनाकर फूल आने तथा फली आने पर पर्णीय छिड़काव करने से बटला मटर के दानों में अधिक जिंक व आयरन की मात्रा के साथ अधिक उपज प्राप्त होती है।
4.	धनियां	धनियां में थायोसैलिसिलिक एसिड 100 पीपीएम घोल का 50 प्रतिशत फूल आने के समय पर्णीय छिड़काव करने से (समय पर एवं देरी से बोई गयी फसल में) अधिक बीज उपज और वाष्पशील तेल की मात्रा प्राप्त होती है।
5.	आलू	आलू की फसल में बुवाई के समय मिट्टी में 2.5 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से जिंक का प्रयोग और बुवाई के 25 और 50 दिनों के बाद जिंक सल्फेट 0.2% (2 ग्राम/लीटर) घोल की दर से दो बार पर्णीय छिड़काव करने से कंदों में अधिक जिंक की मात्रा के साथ कंदों की अधिक उपज मिलती है।
6.	किनोवा	किनोवा की बुवाई 30 सेमी. पंक्ति से पंक्ति दूरी पर एवं बीजदर 7.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर उपयोग से अधिक उपज व शुद्ध आय प्राप्त होती है।
7.	किनोवा	किनोवा फसल में 150 किग्रा नत्रजन, 75 किग्रा फॉस्फोरस व 50 किग्रा पोटेशियम प्रति हेक्टेयर की दर से उर्वरक प्रयोग करने पर अधिक उपज व शुद्ध आय प्राप्त होती है।
8.	किनोवा	कनोवा की बुवाई वृहत क्यारी विधि तथा तीन सिंचाई (बुवाई के 20–25, 55–60 व 90–95 दिन बाद) करने पर अधिक उपज एवं शुद्ध आय प्राप्त होती है।
9.	टमाटर	टमाटर की फसल में प्रत्येक तीसरे दिन बूँद–बूँद सिंचाई द्वारा (25–30 मिनट) तथा अनुशंसित उर्वरकों की मात्रा (180 नाइट्रोजन, 120 फास्फोरस, 80 पोटाश किग्रा प्रति हेक्टेयर) का शत प्रतिशत जल घुलनशील उर्वरकों यथा यूरिया (46:0:0), यूरिया फास्फेट (17:44:0) एंव एनपीके (19:19:19) को 10 समान भागो में विभक्त कर 6–9 दिन के अन्तरांल पर बूँद–बूँद सिंचाई जल के साथ (फर्टिगेशन) देने से अधिक उपज प्राप्त होती है।
10.	खीरा	खीरा की फसल में प्रत्येक तीसरे दिन बूँद–बूँद सिंचाई द्वारा (30–35मिनट) तथा अनुशंसित उर्वरकों की मात्रा (100 नाइट्रोजन, 40 फास्फोरस, 40 पोटाश किग्रा प्रति हेक्टेयर) का शत प्रतिशत जल घुलनशील उर्वरकों यथा यूरिया (46:0:0) एंव एनपीके (19:19:19) को 10 समान भागो में विभक्त कर 6–9 दिन के अन्तरांल पर बूँद–बूँद सिंचाई जल के साथ (फर्टिगेशन) देने से अधिक उपज प्राप्त होती है।
11.	पत्तागोभी	पत्तागोभी में डायमण्ड बैक मोथ कीट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु क्लोरेन्ट्रेनीलिप्रोल 18.50:एस सी 0.1 मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से कीट प्रकोप दिखाई देने पर एक छिडकाव करें।
12.	मिर्च	मिर्च की फसल में, जल घुलनशील उर्वरक एन.पी.के. 19:19:19 का 0.5 प्रतिशत (5 ग्राम/लीटर) की दर से रोपाई के 45, 60 व 75 दिन बाद पर्णीय छिड़काव से अधिक उपज प्राप्त होती है।
13.	कलौंजी	कलौंजी में अल्टरनेरिया झुलसा रोग नियन्त्रण हेतु रोग दिखाई देने पर टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% डबल्यु जी 0.4 ग्राम/लीटर की दर से 15 दिन के अन्तराल में दो बार छिडकाव करें।

3.6.4. किसानों के खेत पर आयोजित अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र. सं.	फसल	किस्म	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्रफल (हे.)	परिणाम (किग्रा./हे.)		प्रतिशत वृद्धि	लागत लाभ अनुपात
					प्रदर्शन	स्थानीय		
रबी 2023–24								
1.	सरसों	गिरिराज	25	12.5	1872	1767	6.02	3.07
2.	सरसों	आर. एच.–725	25	12.5	1850	1763	5.01	3.22
3.	अलसी	प्रताप अलसी–2 कोटा अलसी–6 कोटा बारानी अलसी–4 कोटा बारानी अलसी–5 कोटा बारानी अलसी–6	40	8.0	2027	1728	17.14	5.09
4.	चना	जी एन जी 2171	05	05.0	2393	1942	23.19	3.44
5.	मसूर	कोटा मसूर 1	40	20.0	1751	1492	17.38	2.47
6.	मसूर TSP	कोटा मसूर 1	20	10.0	1647	1374	19.92	2.66
7.	धनिया (MIDH)	आर.के.डी. 18	20	15.0	1809	1555	16.33	–
8.	मेथी (MIDH)	आर.एम.टी 305	2	1.0	1598	1304	22.54	–
9.	सौंफ (MIDH)	अजमेर सौंफ 3	4	1.0	1250	1016	23.03	–
		कुल	**181**	**85.0**				
खरीफ 2024								
1.	उडद	कोटा उड़द 4	44	20.0	–	–	–	–
2.	मूंग	एम एच 1142	40	20.0	–	–	–	–
3.	सोयाबीन	जे एस 20–34	30	12.0	1664	1480	12.55	2.57
4.	अरहर	आई पी ए 15–6, पी ए 291, पी ए यु. 881	43	20.0	–	–	–	–
		कुल	**157**	**72.0**				
जायद 2024								
1.	मूंग TSP	एम एच 1142	38	15.0	1140	934	22.11	2.33
		कुल	**38**	**15.0**				
		कुल योग	**376**	**172.0**				

3.6.5 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन, तिलहन, उद्यानिकी) रबी 2024–25

क्र. सं.	फसल	किस्म	प्रदर्शन / संख्या	क्षेत्रफल (हे.)
1.	सरसों	आर.एच.–725	300	150.0
2.	मसूर	कोटा मसूर 3	30	15.0
3.	मसूर (जनजाति योजना)	कोटा मसूर 1 व 3	25	10.0
4.	मटर (जनजाति योजना)	आई.पी.एफ.डी. 12–2	10	4.0
5.	धनिया (MIDH)	आर.के.डी.18	26	10.0
6.	मेथी (MIDH)	अजमेर मेथी 3, आर.एम.टी 305	8	4.0
7.	सौंफ (MIDH)	अजमेर सौंफ 3	1	1.0
		कुल योग	**390**	**194.0**

3.7 गोष्ठी / कार्यशाला / सेमीनार / प्रशिक्षण आयोजन

क्र. सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागी संख्या	मुख्य बिन्दु	फोटोग्राफ
1.	31.01.2024	अरहर उत्पादन की उन्नत तकनीक	50	कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा पर ICRISAT हैदराबाद के द्वारा वित्त पोषित परियोजना अरहर की कम अवधि में पकने वाली एवं संकर किस्म को बढ़ावा देकर भारत में अरहर उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	
2.	03.02.2024	बीज मसाला फसलों की उन्नत प्रौद्योगिकी	100	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा द्वारा CSS-MIDH अन्तर्गत मसाला फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।	
3.	08–09.02.2024	मसाला फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	98	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर द्वारा CSS-MIDH अन्तर्गत मसाला फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।	
4.	08–09.02.2024	टिकाऊ मसाला उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी।	130	कृषि विज्ञान केन्द्र, अंता द्वारा CSS-MIDH अन्तर्गत मसाला फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी विषय "Sustainable Spices Production and Processing Techniques" पर राज्य स्तरीय सेमीनार आयोजित किया गया।	
5.	10.02.2024	रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार	20	नाबार्ड परियोजनान्तर्गत प्रमुख दलहनी फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार पर सुल्तानपुर फार्म पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	
6.	11.02.2024	दलहनी फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार	20	नाबार्ड परियोजनान्तर्गत प्रमुख दलहनी फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार पर चेचट, कोटा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	

क्र. सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागी संख्या	मुख्य बिन्दु	फोटोग्राफ
7.	26.02.2024	मसाला फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	75	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ द्वारा CSS-MIDH अन्तर्गत मसाला फसलों की उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।	
8.	27–28. 02.2024	मसाला फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	75	कृषि महाविद्यालय, कोटा द्वारा CSS-MIDH अन्तर्गत मसाला फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकीयों पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।	
9.	27–28 02.2024	तिलहनी फसलों में नई तकनीकियों का विकास पर प्रशिक्षण	20	प्रसार अधिकारी/प्रसार कार्यकर्ता/ इनपुट डीलर्स को प्रशिक्षण दिया गया।	
10.	28.02.2024	बीजीय मसाला फसलों की उन्नत उत्पादन एवं प्रसंस्करण तकनीकियां पर महिला कृषक सेमिनार / प्रशिक्षण	150	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा द्वारा स्मार्ट विलेज, कनवास में CSS-MIDH अन्तर्गत मसाला फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।	
11.	16.03.2024	ग्रीष्मकालीन दलहन फसलों में गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक	75	अखिल भारतीय फसल अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन दलहन फसलों में गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीक विषय पर आदिवासी किसानों के लिए किशनगंज, बारां में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।	
12.	05–06. 03.2024	ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना	25	ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनान्तर्गत किसानों को मौसम सम्बंधित जानकारी दी गई।	
13.	14.03.2024	बागवानी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	50	अखिल भारतीय समन्वित उष्ण कटीबंधिय फल क्षेत्र अनुसंधान परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण उद्यानीकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में आयोजित किया गया।	
14.	15.03.2024	बागवानी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	50	कटीयबंधिय फल क्षेत्र परियोजना अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रतापगढ़, में आयोजित किया गया।	
15.	13.06.2024	ट्राइकोडर्मा द्वारा खरीफ फसलों में रोग प्रबंधन	20	नाबार्ड परियोजनान्तर्गत प्रमुख खरीफ फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार हेतु कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	
16.	19.06.2024	दलहनी फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार	20	नाबार्ड परियोजनान्तर्गत प्रमुख खरीफ फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार हेतु कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	

क्र. सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागी संख्या	मुख्य बिन्दु	फोटोग्राफ
17.	22.06.2024	ट्राइकोडर्मा द्वारा खरीफ फसलों में रोग प्रबंधन	25	नाबार्ड परियोजनान्तर्गत प्रमुख खरीफ फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार हेतु कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	
18.	28.09.2024	ट्राइकोडर्मा द्वारा खरीफ फसलों में रोग प्रबंधन	25	नाबार्ड परियोजनान्तर्गत प्रमुख रबी फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार हेतु कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	
19.	04.10.2024	ट्राइकोडर्मा द्वारा फसलों में रोग प्रबंधन पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण	28	नाबार्ड परियोजनान्तर्गत ट्राइकोडर्मा द्वारा फसलों में रोग प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	
20.	16.10.2024	दलहनी फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार	25	नाबार्ड परियोजनान्तर्गत फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार हेतु कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	
21.	17.10.2024	दलहनी फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार	25	नाबार्ड परियोजनान्तर्गत फसलों में रोग प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा विरीडी का प्रचार–प्रसार हेतु कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।	

3.8 प्रक्षेत्र दिवस एवं जागरूकता कार्यक्रम

क्र. सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागी संख्या	मुख्य बिन्दु
1.	28.02.2024	आलू पर प्रक्षेत्र दिवस	25	खेड़ा रसूलपुर में आलू परियोजना अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया।
2.	28.02.2024	समन्वित कृषि प्रणाली पर प्रक्षेत्र दिवस	25	प्रसार अधिकारी/प्रसार कार्यकर्ता/ इनपुट डीलर्स की भागीदारी।
3.	20.05.2024	विश्व मधुमक्खी दिवस	28	मधुमक्खी पालन का महत्व
4.	04.09.2024	तिलहनी फसल सोयाबीन पर प्रक्षेत्र दिवस	30	कृषकों को तिलहनी फसल सोयाबीन पर प्रक्षेत्र दिवस।
5.	04.10.2024	पानी का संयुक्त उपयोग पर प्रक्षेत्र दिवस।	15	फसलों में जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीक
6.	23.10.2024	आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम	40	कृषि पर्यवेक्षक/कृषि अधिकारी।
7.	30.10.2024	खीरे में ड्रिप सिंचाई एवं फर्टिगेशन।	18	फसलों में जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीक

3.9 जीवंत इकाईयाँ

1. समेकित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई

कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर समेकित कृषि प्रणाली परियोजना अन्तर्गत एक समेकित कृषि प्रणाली मॉडल की स्थापना की गई है। इस इकाई का उद्देश्य लघु व सीमांत कृषकों को कम जोत में अधिक उत्पादन एवं आय, रोजगार सृजन, पोषण सुरक्षा, मृदा एवं वातावरण सुरक्षा प्राप्त करने के लिए कृषि से जुड़े विभिन्न आयामों जैसे फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन एवं इनसे संबंधित पूरक इकाईयों का समावेश कर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करने के लिए मॉडल विकसित किया गया है। केन्द्र पर स्थापित 1.0 हैक्टेयर मॉडल में फसल उत्पादन (0.45 है.), अमरूद/नींबू बगीचा+अन्तशस्य सब्जियाँ (0.30 है.), गिर गाय, मुर्रा भैंस व सिरोही बकरी, हरा चारा, केंचुआ इकाई, नाडेप कम्पोस्ट, अजोला इकाई, बायो–गैस इकाई (0.25 है.) एवं बाउन्ड्री प्लांट्स (सहजन/अरडू/अनार+करौंदा+बेल वाली सब्जियाँ) आदि शामिल हैं।

समेकित कृषि प्रणाली के घटक	क्षेत्र (हे.)	क्षेत्रफल (वर्ग मी.)
फसल उत्पादन	0.45	**4500**
सोयाबीन – गेंहू		1500
मीठी मक्का + उड़द (1:1) – धनिया – ग्रीष्मकालीन मूंग		1500
उड़द – सरसों – चंवला (सब्जी + चारा)		1500
बागवानी फसलें	0.30	**3000**
अमरूद + सब्जी/फूल		2000
नींबू + सब्जी/फूल		1000
पशुपालन एवं अन्य पूरक इकाईयाँ	0.25	**2500**
गाय – 1 (गिर)		600
भैंस – 1 (मुर्रा)		
बकरी – 9 + 1 (सिरोही)		
ज्वार चरी – राई घास + चारा चुकन्दर – ज्वार चरी		1500
वर्मीकम्पोस्ट/कम्पोस्ट इकाई/गोबर की खाद/बायोगैस ईकाई		200
पोषण वाटिका/अजोला ईकाई/मशरूम ईकाई/बेक यार्ड पॉल्ट्री		200
मेड़ पर पौधरोपण (सहजन/अरडू/अनार + करौंदा + बेल वाली सब्जियाँ)		–
कुल क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	**1.00**	**10000**

पशुपालन इकाई

बकरी इकाई

अजोला इकाई

केंचुआ खाद इकाई

बायोगैस इकाई

नापेड कम्पोस्ट इकाई

2. जैविक और प्राकृतिक खेती मॉडल इकाई

कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा में महर्षि पाराशर कृषि शोध पीठ (MPKSP) के तहत जैविक और प्राकृतिक खेती मॉडल इकाई की स्थापना 2019 में की गई। इस इकाई में प्राकृतिक खेती, तरल खाद और जैव कीटनाशकों यानी जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, एवं नीम के अर्क के विभिन्न रूपों पर आधारित है। हाडौती क्षेत्र की प्रमुख फसलों के लिए जैविक और प्राकृतिक कृषि मॉड्यूल के विकास पर चल रहे प्रयोगों में, मक्खन दूध, ब्रम्हास्त्र, नीमस्त्र और अग्निस्त्र तैयार किए जा रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्यो को जारी रखा जा रहा है।

3. मधुमक्खी पालन एवं शहद प्रसंस्करण इकाई

कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर मधुमक्खी पालन परियोजना इकाई की स्थापना 2009 में की गई थी। मधुमक्खी पालन पर अनुसंधान के साथ–साथ मधुमक्खी उत्पादकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी प्रदर्शन के लिए इस इकाई का प्रयोग किया जा रहा है। मधुमक्खी पालन करने वालों को शहद प्रोसेसिंग और बॉटलिंग की सुविधा कच्चे शहद पर 5 रू प्रति किग्रा की दर से प्रदान की जाती है जिससे प्रसंस्करण के बाद वे अपने शहद को अच्छे दाम पर बेचते है।

4. मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला

कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर इस प्रयोगशाला में अनुसंधान कार्य के साथ–साथ वर्ष 2024 में 512 मृदा एवं जल नमूनों के 2068 घटकों तथा 243 पादप व बीज नमूनों के 1042 घटकों का विश्लेषण कर कुल 51,240/–रू. की आय अर्जित की।

5. ट्राइकोडर्मा लेब

आरकेवीवाई द्वारा स्थापित ट्राइकोडर्मा इकाई के अंतर्गत लगभग 600 किसान द्वारा ट्राइकोडर्मा का विभिन्न प्रकार की फसलों में जैसे चना, मसूर, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, मिर्च, टमाटर, बैगन, प्याज, आलू, सोयाबीन, सरसों, लहसुन आदि में लगने वाले बीजजन्य एवं भूमिजन्य जैसे उकठा, जड़ गलन, तना गलन, अंकुर गलन, कन्द सड़न, कॉलररॉट, आदि रोगो के प्रबंधन में प्रयोग किया एवं 10–15 प्रतिशत रोगो द्वारा होने वाले नुकसान से बचाव किया। ट्राइकोडर्मा इकाई के अंतर्गत नाबार्ड द्वारा प्रायोजित प्रोजेक्ट में ट्राइकोडर्मा द्वारा फसलों में रोग प्रबंधन पर 13 कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया तथा 100 किसानो के ट्राइकोडर्मा का अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन दिया गया। ट्राइकोडर्मा द्वारा 2022 से अभी तक रूपये 12 लाख 25 हजार की आय प्राप्त हुई।।

3.10 कृषक / प्रसार कार्यकर्ता भ्रमण

क्र. सं.	विवरण	दिनांक	गांव / संस्था	संख्या
1.	कृषक समूह	08.02.2024	कोटा	50
2.	प्रसार कार्यकर्ता	27.02.2024	कृषि विभाग, कोटा	17
3.	कृषक समूह (30)	12.03.2024	कोटा	30
4.	कृषक समूह (50)	12.03.2024	उद्यानिकी विभाग, उज्जैन (मध्य प्रदेश)	50

3.11 विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

क्र. सं.	विद्यालय का नाम	दिनांक	विद्यार्थियों की संख्या
1.	पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय छीपाबडोद बारां	10.01.2024	35
2.	पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, खैराबाद, कोटा	22.02.2024	80
3.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	24.02.2024	39
4.	राजकीय उच्च माध्यमिक पाठशाला, सुल्तानपुर, कोटा	26.02.2024	67
5.	राजस्थान कृषि महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	12.03.2024	30
6.	कृषि महाविद्यालय, कोटा	21.03.2024	30
7.	मित्तल इन्टरनेशनल स्कूल, कोटा	11.04.2024	62
8.	तिलक पब्लिक स्कूल, अकलेरा झालावाड़	22.08.2024	60
9.	कृषि महाविद्यालय, कोटा	06.09.2024	07
10.	कृषि महाविद्यालय, कोटा	12.09.2024	20
		कुल	**430**

4. प्रसार शिक्षा निदेशालय

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अपने कार्यक्षेत्र में किसानों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण, सलाह तथा सूचना द्वारा तकनीकी हस्तानान्तरण कर कृषि विकास को बढ़ावा देना प्रमुख जिम्मेदारी है। समूह प्रदर्शन, तकनीक परीक्षण तथा कौशल विकास प्रशिक्षण द्वारा फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा, पोषक तत्व प्रबन्धन, फसल प्रणाली, उद्यानिकी विकास, बंजर भूमि प्रबन्धन, जल प्रबन्धन, शस्योत्तर प्रबन्धन, मूल्य संवर्धन आदि क्षेत्रों में तकनीकी हस्तानान्तरण की मुख्य भूमिका है। प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत 6 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है:–

4.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों की कृषि जलवायु क्षेत्रवार स्थिति

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	जिला	कृषि जलवायु क्षेत्र	कुल भूमि उपलब्धता (हे.)	कृषि योग्य भूमि (हे.)	अन्य
1.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	कोटा	(आर्द्र दक्षिण–पूर्वी मैदानी क्षेत्र) खण्ड–V	34.00	30.00	4.00
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता	बारां	(आर्द्र दक्षिण–पूर्वी मैदानी क्षेत्र) खण्ड–V	13.84	8.50	5.34
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	बून्दी	(आर्द्र दक्षिण–पूर्वी मैदानी क्षेत्र) खण्ड–V	31.43	25.50	5.93
4.	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	झालावाड़	(आर्द्र दक्षिण–पूर्वी मैदानी क्षेत्र) खण्ड–V	22.06	12.00	10.06
5.	कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)	करौली	बाढ़ संभाव्य पूर्वी मैदानी क्षेत्र खण्ड–IIIb	20.25	17.00	3.25
6.	कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर	सवाई माधोपुर	बाढ़ संभाव्य पूर्वी मैदानी क्षेत्र खण्ड–IIIb	16.50	11.30	5.20
			कुल योग	**138.08**	**104.30**	**33.78**

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता–बाराँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

4.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थित जीवन्त/मॉडल प्रदर्शन इकाइयाँ

विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर ''करो और सीखो'' एवं ''देखो और विश्वास करो'' के सिद्धान्त के आधार पर विभिन्न जीवन्त, प्रदर्शन व मॉडल इकाई स्थापित हैं जो कि विभिन्न कौशल एवं रोजगारोन्मुखी आधारित प्रशिक्षणों में ज्ञान व कौशल वृद्धि हेतु काम आती हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र.सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	जीवन्त/मॉडल प्रदर्शन इकाई
1.	कोटा	कॉमन इनक्युबेशन सेन्टर, दलहन सीड हब, तिलहन (सरसों) सीड हब, सिरोही बकरी इकाई, वर्मीकम्पोस्ट इकाई, ट्राईकोडर्मा इकाई, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्यसंवर्धन इकाई, मॉडल नर्सरी इकाई, मॉडल डेयरी इकाई, अजोला प्रदर्शन इकाई, मातृ बगीचा, इन्सेक्ट प्रूफ नेट हाउस, फसल तकनीकी पार्क।
2.	अन्ता (बाराँ)	नर्सरी इकाई, वर्मीकम्पोस्ट इकाई, पॉल्ट्री इकाई, फार्म इकाई, मातृ फल–वृक्ष उद्यान, मधु–मक्खी पालन, पोषण वाटिका, अजोला प्रदर्शन इकाई, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, खाद्य प्रसंस्करण, बकरी पालन इकाई।
3.	बून्दी	मॉडल नर्सरी इकाई, मातृ बगीचा, वर्मीकम्पोस्ट इकाई, डेयरी इकाई, बकरी पालन इकाई, अजोला प्रदर्शन इकाई, नेपियर इकाई, मृदा परीक्षण, न्यूट्री गार्डन इकाई, फार्म पोण्ड, बीज उत्पादन इकाई/दलहन सीड हब, मुर्गी पालन इकाई।
4.	झालावाड़	वर्मीकम्पोस्ट इकाई, अजोला प्रदर्शन इकाई, पादप रोग निदान इकाई, मॉडल नर्सरी इकाई, मातृ फल वृक्ष उद्यान, फसल केफेटेरिया, पोषण वाटिका (न्यूट्री–गार्डन), म्यूजियम गैलेरी, नेपियर घास इकाई, फार्म पोन्ड इकाई, प्राकृतिक तालाब, दलहन बीज केन्द्र, मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला, वेस्ट डिकम्पोजर इकाई, निर्देशात्मक फार्म, स्वचलित मौसम केन्द्र इकाई, बकरी पालन इकाई, सिंघाड़ा उत्पादन इकाई, प्राकृतिक खेती इकाई।
5.	सवाईमाधोपुर	नर्सरी प्रदर्शन इकाई, कृषि अपशिष्ट प्रबन्ध इकाई, बकरी इकाई, पुष्प प्रदर्शन इकाई, सब्जी प्रदर्शन इकाई, औषधिय पादप इकाई, अजोला प्रदर्शन इकाई, आयल एक्सपेलर, दाल मील, सुगन्धिय तेल आसवन इकाई, वर्मीकम्पोस्ट इकाई, सुपर व नाडेप कम्पोस्ट, स्वचालित मौसम इकाई, खेत तलाई, अमरूद बगीचा, नेपियर घास इकाई
6.	हिण्डौन सिटी (करौली)	वर्मीकम्पोस्ट इकाई, पौध उत्पादन इकाई, अजोला प्रदर्शन इकाई, बकरी इकाई, यंत्र शाला, मधु–मक्खी पालन, शहद प्रसंस्करण इकाई, मॉडल डेयरी इकाई (गाय–गिर), बकरी पालन इकाई, मुर्गी पालन इकाई

खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन प्रदर्शन इकाई, के.वी.के., कोटा

डेयरी प्रदर्शन इकाई, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

बकरी पालन प्रदर्शन इकाई, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

ट्राइकोडर्मा प्रदर्शन इकाई, के.वी.के., कोटा

पॉली हाउस, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

इन्सेक्ट प्रूफ नेट हाउस के.वी.के., कोटा

मॉडल नर्सरी प्रदर्शन इकाई, के.वी.के. कोटा

कॉमन इनक्युबेशन सेन्टर
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

वर्मी कम्पोस्ट इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

मातृ बगीचा इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

सिरोही बकरी पालन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

अजोला उत्पादन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

बीज प्रसंस्करण इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

न्यूट्री गार्डन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

डेयरी प्रदर्शन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

मृदा परीक्षण इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

नर्सरी इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)

बकरी पालन प्रदर्शन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)

वर्मी कम्पोस्ट इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)

मुर्गी पालन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता

पादप रोग निदान
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड

वर्मीकम्पोस्ट इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड

अजोला प्रदर्शन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

गृह वाटिका इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

मातृ फल वृक्ष उद्यान
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

नर्सरी इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

फार्म पोन्ड इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड

दलहन बीज केन्द्र
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड

वर्मी कम्पोस्ट इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

नर्सरी इकाई, कृषि विज्ञान केन्द्र
सवाई माधोपुर

बकरी पालन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

फूल व सब्जी प्रदर्शन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

अजोला प्रदर्शन इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन, (करौली)

मृदा एवं जल प्रयोगशाला
कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

नर्सरी इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

शहद प्रसस्करण इकाई
कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

पादप स्वास्थय क्लिनिक
कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

4.3 प्रमुख प्रसार गतिविधियाँ

4.3.1 प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कुल 402 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमें कुल 13364 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन प्रशिक्षणों में 11706 कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु 180 संस्थागत, 146 असंस्थागत एवं 23 अन्य प्रशिक्षण आयोजित किये गए। इसी प्रकार 817 ग्रामीण युवाओं हेतु 21 प्रशिक्षण तथा 500 प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु 20 प्रशिक्षण आयोजित किये गए, जिनका विवरण निम्न प्रकार हैः–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	कृषक एवं कृषक महिला प्रशिक्षण						उद्यमिता विकास प्रशिक्षण		प्रसार कार्यकर्ता प्रशिक्षण		अन्य प्रशिक्षण		कुल योग	
	संस्थागत		असंस्थागत		अन्य									
	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी
कोटा	20	583	15	345	0	0	7	201	5	146	0	0	47	1275
अन्ता (बारां)	32	1038	21	776	1	35	1	80	1	20	3	52	59	2001
बून्दी	33	1258	24	533	4	42	1	40	1	25	7	214	70	2112
झालावाड़	31	1682	13	515	03	225	5	266	0	0	0	0	52	2688
हिण्डौन (करौली)	20	630	22	687	07	210	04	132	02	60	06	112	61	1831
सवाई माधोपुर	44	1428	51	1439	08	280	03	98	03	90	04	122	113	3457
कुल योग	**180**	**6619**	**146**	**4295**	**23**	**792**	**21**	**817**	**12**	**341**	**20**	**500**	**402**	**13364**

डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण

खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण

संस्थागत प्रशिक्षण

सोयाबीन उत्पादन प्रशिक्षण

फसलों में पोषक तत्वों के पर्णीय अनुप्रयोग का महत्व प्रशिक्षण

वर्मीकल्चर प्रशिक्षण

संरक्षित खेती प्रशिक्षण

बकरी पालन प्रशिक्षण

सिलाई प्रशिक्षण

4.3.2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन विवरण (दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, उद्यानिकी, पशुपालन व अन्य) रबी 2023–24 एवं खरीफ 2024

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा रबी 2023–24 एवं खरीफ 2024 में **2450** प्रद र्शन दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, मसालें उद्यानिकी एवं पशुपालन पर उन्नत तकनीकी के प्रसारण हेतु किसानों के खेतों पर लगाये गए, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:–

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	फसल	किस्म	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र (हे.)	औसत पैदावार (किग्रा/हे.)		उपज वृद्धि प्रतिशत	लागत लाभ अनुपात
					प्रदर्शन	स्थानीय		
झालावाड़	**रबी 2023–24**							
	सरसों (NFSM)	डी.आर.एम.आर. 1165–40	100	40	1562	1173	34.30	3.52
	धनियाँ (MIDH)	आर.के.डी.–18	5	2.5	2004	1739	15.33	4.29
	गेंहूँ (Natural Farming)	.	12	4.80	3510	4430	–20.77	3.64
	खरीफ–2024							
	सोयाबीन (NFSM)	जे.एस. 20–98	250	100	1479	1122	31.82	2.32
	कुल		**367**	**147.3**				
अन्ता	**रबी 2023–24**							
	सरसों	राधिका	75	30	18.1	15.4	14.92	4.29
	खरीफ–2024							
	सोयाबीन	जे.एस. 20–98	150	60	16.5	12.3	25.45	2.29
	कुल		**225**	**90**				
हिण्डौन (करौली)	**रबी 2023–24**							
	सरसों	आर.एच.–725	150	60.0	25.10	21.30	17.84	3.97
	गेंहूं	राज–4238	75	30.0	46.80	42.50	10.10	2.70
	जौ	डी.डब्ल्यु.आर.बी.–137	14	5.60	56.10	50.20	11.75	2.68
	खरीफ–2024							
	तिल	आर.टी.–372	50	20	5.4	4.25	20.00	2.52
	कुल		**289**	**115.6**				
सवाई माधोपुर	**रबी 2023–24**							
	सरसों	आर.एच. 725	100	40	18.82	15.98	17.95	3.95
	मसूर	के.एम. 3	75	37.5	18.40	15.60	18.30	2.92
	खरीफ–2024							
	उड़द	कोटा उड़द 3 व 4	200	100	11.40	8.80	29.54	2.18
	सोयाबीन	जे.एस. 2098	200	80	12.60	10.40	21.15	1.98
	जायद–2024							
	ग्रीश्मकालीन मूँग	एम.एच. 1142	50	20	5.70	4.48	29.22	2.00
	कुल		**625**	**277.5**				
कोटा	**रबी 2023–24**							
	सरसों	डी आर एम आर 2017–15	50	20.0	16.28	14.43	12.82	3.23
		डी आर एम आर 1165–40	50	20 0	17 58	14 75	19 18	3 40
	रबी 2023–24							
	धनियाँ	आर.के.डी. 18	23	11.5	18.26	15.80	15.57	4.45
	चना	जी.एन.जी. 2144	50	20.0	21.50	19.50	10.25	4.21
	गेंहू	एच.पी.बी.डब्ल्यू. 01	12	4.8	46.50	44.20	5.20	2.12
	सरसों	डी.आर.एम.आर. 1165–40	23	11.5	16.50	14.90	10.73	3.28
	खरीफ–2024							
	सोयाबीन	जे.एस. 20–116	150	60.0	15.97	13.29	20.16	2.34
	कुल		**358**	**147.8**				
बून्दी	**रबी 2023–24**							
	सरसों	पूसा मस्टर्ड–32	100	40	15.25	12.82	18.92	3.04
	खरीफ–2024							
	उड़द	के.यू. 3	217	86.80	11.25	9.23	21.88	2.65
	सोयाबीन	जे.एस. 20–98	203	81.20	13.25	11.24	17.89	1.65
	कुल		**520**	**208**				
कुल योग			**2450**	**1014.2**				

कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर	कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर	सोयाबीन पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा
जनजातीय उपयोजना अन्तर्गत नेपसेक स्प्रेयर कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	सरसों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

4.3.3 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, उद्यानिकी, पशुपालन व अन्य) रबी 2024–25

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा वर्तमान रबी 2024–25 में 2843 प्रदर्शन दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, मसाला, उद्यानिकी एवं पशुपालन पर उन्नत तकनीकी के प्रसारण हेतु किसानों के खेतों पर लगाये गये हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार हैः–

कृषि विज्ञान केन्द्र	फसल	किस्म/ तकनीकी	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र (हे0)
अन्ता – बारां	सरसों	बृजराज	300	120
	लहसुन	जी. 404	15	5
	प्याज	एल.–883	10	5
हिण्डौन (करौली)	सौंफ	ए.एफ.–2	30	10
	जई	केन्ट	100	40
	कलोंजी	ए.एन.–20	30	10
	न्यूट्री गार्डन		1000	5
	बीजू बकरे (सिरोही)	सिरोही	10	10
सवाई माधोपुर	सरसों	आर.एच. 725	240	120
	सरसों (टी.एस.पी.)	आर.एच. 725	66	33
	मेथी (टी.एस.पी.)	आर.एम.टी. 305	85	42.5
	जौ (टी.एस.पी.)	आर.डी. 2794	25	12.5
	मसूर (टी.एस.पी.)	के.एम. 3	18	9
झालावाड़	सरसों (NFSM)	आर.एच.–725	250	120
	चना (टी.एस.पी.)	जी.एन.जी.–2171	50	20
	धनियाँ (MIDH)	आर.के.डी.–18	04	1
कोटा	सरसों	आर.एच. 725	136	54.4
		बृजराज	161	64.4
	धनियाँ (टी.एस.पी.)	आर.के.डी. 18	19	9.5
	चना (टी.एस.पी.)	कोटा देसी चना 2	24	9
बून्दी	सरसों	राधिका (डी.आर.एम.आर.–2017–15)	250	100
	धनिया	आर.के.डी. 18	20	5
		कुल योग	**2843**	**805.3**

4.3.4 प्रक्षेत्र अनुसन्धान परीक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	ओ.एफ.टी. शीर्षक/ विवरण	परिणाम संस्तुति
कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता	बैंगन में पेड़ीकरण का तना व फल छेदक कीट का मूल्याकंन	बैंगन के तने को जमीन से 30 सेमी से कटाई के बाद नई फूटान में फलाव में वृद्धि 5.42 कि.ग्रा फल प्रति पौधा प्राप्त होता है। इसके अलावा एक माह पूर्व में फलतः की प्राप्ति से बाजार भाव अच्छा मिलता है।
कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)	गेहूं में खारपतवार नियंत्रण हेतु पोस्ट उद्‌भव शांकनाशियों की प्रभावकारिता	सल्फोसल्फ्यूरॉन 75 प्रतिशत डब्ल्यूजी + मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल 5 प्रतिशत डब्ल्यूजी 32 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर के उपयोग के साथ खरपतवार नियंत्रण दक्षता 77.60 प्रतिशत थी, जबकि 2,4–डी के उपयोग में 38.50 प्रतिशत पाई गई तथा 10.12 प्रतिशत उपज में वृद्धि हुई।
	भैंसों में थनेला रोग का प्रबंधन	किसानों द्वारा अपनायी जा रही तकनीकी (भूसा 8 किग्रा + हरा चारा 15 किग्रा + बाँट 5 किग्रा) + पोविडीन आयोडीन के एक प्रतिशत घोल से भैंस का दूध निकालने से पूर्व एवं पश्चात् थनों को धोने से थनेला रोग का बचाव संभव है।
कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर	बाजरा में खरीफ टिड्डे का प्रबंधन	कीट के पहले और दूसरे चरण में 500–600 लीटर पानी में प्रोफेनोफॉस 40; साइपरमेथ्रीन 4 :ईसी का 1.0 लीटर / हेक्टेयर की दर से सामुदायिक छिड़काव प्रभावी है।
	तिल में फाइलोडी बीमारी की रोकथाम	इमिडाक्लोप्रिड 5 मिली/किग्रा बीज की दर से बीज उपचार तथा रोग दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 17.8 :एस.एल. 0.5 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करे।
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	चने की फसल में फली छेदक का जैव – पारिस्थितिक प्रबंधन	सूरजमुखी की अन्तर फसल (50 ग्राम बीज/हे.) चने के बीज के साथ एवं 5 फेरामेन ट्रेप/हेक्टेयर एवं बुवाई के 45 दिन बाद नोमुरिया राइली का 1 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से छिड़काव प्रभावी है।
	सरसों में सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन	गोबर खाद (8 टन/है.) + उर्वरक की अनुशंसित मात्रा (NPKSZn – 80:40:30:60:25 कि.ग्रा./है.) व जिप्सम 250 कि.ग्रा./है. + बोरॉन 1 कि.ग्रा./है. का बेसल अनुप्रयोग प्रभावी है।
	चने में सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन	गोबर खाद (5 टन/है.) + उर्वरक की अनुशंसित मात्रा (NPKZn – 20:40:45:25 कि.ग्रा./है.) व जिप्सम 250 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर + मोलिब्डेनम 1 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से मृदा अनुप्रयोग प्रभावी है।
कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	चना में कॉलर रॉट का प्रबंधन	चना में ट्राईकोडर्मा विरिडी दर 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार एवं ट्राईकोडर्मा विरिडी दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मृदा अनुप्रयोग (पूर्व मिश्रित सड़ी हुए गोबर की खाद में) करने पर प्रतिशत रोग सघनता में कमी तथा उत्पादन में किसान द्वारा अपनायी जा रही तकनीक की अपेक्षा 13.51 प्रतिशत वृद्धि पायी गयी।
	सरसों में सफेद रोली रोग का प्रबंधन	सरसों में बुवाई से पूर्व मेटालेक्सिल 35 एस.डी. 6 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज दर से बीजोपचार और बुवाई के 45 दिन बाद मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत तथा 60 दिन बाद मेटालेक्सिल 8 प्रतिशत+ मेन्कोजेब 64 प्रतिशत का 0.2 प्रतिशत की दर से छिड़काव करने पर प्रतिशत रोग सघनता में कमी तथा उत्पादन में किसान द्वारा अपनायी जा रही तकनीक की अपेक्षा 9.35 प्रतिशत वृद्धि पायी गयी।
	सोयाबीन में पत्तियां खाने वाली इल्लियां का प्रबंधन	सोयाबीन में पत्तियां खाने वाली इल्लियों का प्रबंधन के लिए ब्युवेरिया बैसीआना के 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से दो छिड़काव करने पर पत्ती भक्षक इल्लियों की प्रति मीटर औसत संख्या में कमी तथा उत्पादन में किसान द्वारा अपनायी जा रही तकनीक की अपेक्षा 8.77 प्रतिशत वृद्धि पायी गयी।
	बकरी के बच्चों की उच्च विकास दर हेतू पूरक आहार का मूल्यांकन	बकरी के बच्चों की उच्च विकास दर हेतू आहार के साथ 1.5 प्रतिशत कन्सनट्रेट शरीर भार के आधार पर देने से वर्ष 2022 और 2023 में किसान द्वारा दिये जा रहे आहार की अपेक्षा 6 माह के बकरी के बच्चों का औसत शरीर भार 18.04 प्रतिशत अधिक पाया गया एवं वर्ष 2022 एवं 2023 में प्रतिदिन शरीर भार वृद्धि क्रमशः 115 और 116.66 ग्राम पायी गई।
	गिर गायों के दुग्ध उत्पादन एवं प्रसवोत्तर प्रजनन पर पोलीहर्बल मिश्रण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन	किसानों द्वारा अपनायी जा रही आहार तकनीकी के साथ वर्ष 2022 और 2023 में पोलीहर्बल मिश्रण गिर गायों के ब्यात के दिन से 10 दिन तक देने पर किसानों की तकनीक की अपेक्षा औसत दुग्ध उत्पादन में 14.37 प्रतिशत वृद्धि हुई एवं भ्रूण झिल्ली (प्लेसेन्टा) का निष्कासन भी 3.1 घण्टे में हुआ।
कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	मक्का में फॉल्स आर्मी वॉर्म कीट का प्रबन्धन	इमामेक्टीन बेन्जोंएट 5 एस.जी. का 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव उपयुक्त पाया गया।

प्रक्षेत्र परीक्षण– गिर गायों के दुग्ध उत्पादन एवं प्रसवोत्तर प्रजनन पर पोलीहर्बल मिश्रण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

प्रक्षेत्र परीक्षण – सरसों में सफेद रोली रोग का प्रबंधन कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

प्रक्षेत्र परीक्षण– सोयाबीन में पत्तियां खाने वाली इल्लियों का प्रबंधन कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

प्रक्षेत्र परीक्षण–चना में कॉलर रॉट का प्रबंधन कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

प्रक्षेत्र परीक्षण– बकरी के बच्चों की उच्च विकास दर हेतू पूरक आहार का मूल्यांकन कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

बाजरा में खरीफ टिड्डे का प्रबंधन कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

बैंगन में पेड़ीकरण का तना व फल छेदक कीट का मूल्याकंन कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता

तिल में फाइलोडी बीमारी की रोकथाम कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

भैंसों में थनेला रोग का प्रबंधन कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

सरसों में सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

चने की फसल में फली छेदक का जैव–पारिस्थितिक प्रबंधन कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

चने में सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

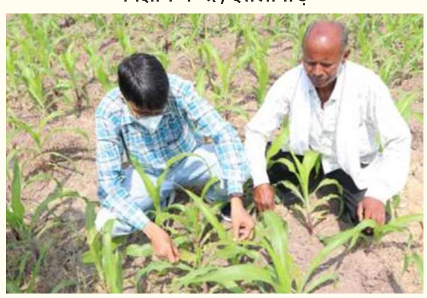

मक्का में फॉल्स आर्मी वॉर्म कीट का प्रबन्धन, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

4.3.5 अन्य प्रसार गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न प्रसार गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें कुल 309471 लाभार्थी रहे, विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र. सं.	प्रसार गतिविधियाँ विवरण	कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम													
		कोटा		बून्दी		अन्ता (बारां)		झालावाड़		सवाई माधोपुर		हिण्डौन (करौली)		कुल योग	
		संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी
1	कृषि विज्ञान मेला/किसान मेला	0	0	1	528	2	741	Nil	Nil	0	0	02	80	**5**	**1349**
2	प्रक्षेत्र दिवस	2	177	5	216	6	378	06	351	06	378	02	89	**27**	**1589**
3	प्रदर्शनी	4	1755	01	347	1	437	01	74018	05	2700	02	1090	**14**	**80347**
4	वैज्ञानिकों का कृषक क्षेत्र पर भ्रमण	28	446	57	371	266	716	109	1120	49	460	05	65	**514**	**3178**
5	कृषि तकनीकी फिल्म शो	16	367	13	417	12	372	44	2118	08	650	02	202	**95**	**4126**
6	किसानों का कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भ्रमण		4517	64	3427	62	3090	90	3215	2549	2549	06	395	**2771**	**17193**
7	टेलीफोन/मोबाईल सलाह	44	32733	53	1623	76	4800	958	56362	340	340	65	456	**1536**	**96314**
8	सोशियल मीडिया ग्रुप	08	1450	05	630	7	1680	16	2150	02	260	29	3256	**67**	**9426**
9	प्रेस न्यूज कवरेज प्रकाशित	22	mass	42	mass	36	mass	74	mass	32	mass	18	mass	**224**	mass
10	**लाईव वैबकास्टिंग प्रोग्राम**														
	पी.एम. कृषक सम्मान	3	580	3	208	3	211	3	186	3	658	3	204	**18**	**2047**
11	**प्रमुख दिवसों का आयोजन**														
	कृषि शिक्षा दिवस													**0**	**0**
	महिला कृषक दिवस।	1	67	1	49	1	32	01	41	01	46	01	40	**6**	**275**
	विश्व मृदा दिवस	1	75	1	69	1	36	01	83	01	58	01	50	**6**	**371**
	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	1	37	1	43	1	48	1	52	01	42	01	20	**6**	**242**
	राष्ट्रीय किसान दिवस (23.12.2023)	1	63	1	39	1	49	01	40	01	57	01	64	**6**	**312**
	विश्व पर्यावरण दिवस (05.06.2024)	1	22	1	48	01	39	01	52	01	52	01	57	**6**	**270**
	भा.कृ.अनु.प. का 96वां स्थापना दिवस और तकनीकी दिवस (16.07.2024)	1	72	1	29	1	41	01	79	1	67	1	44	**6**	**332**
	कृषि विज्ञान केन्द्र का स्वर्ण जयंती वर्ष 2024–25	1	48	1	68	1	52	01	44	1	66	1	90	**6**	**368**
	कृषि विश्वविद्यालय कोटा का 12वां स्थापना दिवस (14.09.2024)	1	40	1	98	01	35	01	71	01	79	1	83	**6**	**406**
	स्वच्छ भारत दिवस (02.10.2024)	3	86	1	53	1	37	01	31	1	43	1	52	**8**	**302**
	अन्य	02	76	02	67	01	37	02	104	03	120	02	75	**12**	**479**
12	कृषक गोष्ठी	12	540	2	124	102	54043	06	424	06	248	03	138	**131**	**55517**
13	अन्य प्रसार कार्यक्रम	40	15410	2	44	5	168	127	19002	05	240	04	164	**183**	**35028**
	कुल योग	**192**	**58561**	**259**	**8498**	**588**	**67042**	**1445**	**159543**	**3017**	**9113**	**152**	**6714**	**5653**	**309471**

प्रशिक्षित उद्यमी के सोया पनीर उद्यम का माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा अवलोकन

महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की प्रदर्शनी का अवलोकन

प्रक्षेत्र दिवस कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

प्रक्षेत्र दिवस, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता–बारां

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

वैज्ञानिकों का कृषक खेत पर भ्रमण
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

विश्व जल दिवस
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

किसान गोष्ठी कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

एक पेड़ माँ के नाम अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

विश्व पर्यावरण दिवस कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

पीएम किसान सम्मान निधि योजना का जीवंत प्रसारण कार्यक्रम, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

''स्वर्ण जयन्ती मशाल संचलन अभियान'' 2024–25
कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

4.4 वैज्ञानिक सलाहकार समिति

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्रतिवर्ष की भांति वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में गत वर्ष में किये गए कार्यो का प्रतिवेदन तथा आगामी वर्ष की कार्य योजना सभी सदस्यों के सुझावों का समावेश करते हुए तैयार की गयी। वर्ष 2024 में आयोजित की गई वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र.सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	दिनांक
1.	कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर	19 जुलाई, 2024
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन सिटी (करौली)	20 जुलाई, 2024
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	23 जुलाई, 2024
4.	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बाराँ)	24 जुलाई, 2024
5.	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	29 जुलाई, 2024
6.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	30 जुलाई, 2024

कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता, बारां

कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

4.5 गोष्ठी/ कार्यशाला/सेमीनार/प्रशिक्षण इत्यादि का आयोजन

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	दिनांक	विषय	प्रतिभागी संख्या
1.	कोटा	09-10.01.2024	कृषि विपणनः समस्या एवं संभावनाए पर राज्य स्तरीय कार्यशाला	125
2.	अन्ता	08-09.02.2024	राज्य स्तरीय सेमीनार टिकाऊ मसाला उत्पादन एवं प्रसंस्करण तकनीक (एम.आई.डी.एच.)	130
3.	कोटा	28.02.2024	बीजीय मसाला फसल उत्पादन एवं प्रसंस्करण पर सेमीनार	150
4.	प्रसार शिक्षा निदेशालय	16-18.12.2024	उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए समय व तनाव प्रबन्धन कौशल	25
5.	प्रसार शिक्षा निदेशालय	19-21.12.2024	प्रशिक्षण प्रभाव का अनुकुलन : प्रशिक्षण प्रबन्धन में तकनीक व कौशल	25
		कुल		455

4.6 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर संचालित परियोजनाऐं

आर्या परियोजना (ARYA)

यह परियोजना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी एवं झालावाड़ पर स्वीकृत की गई है। जिसके अन्तर्गत ग्रामीण युवाओं को पौधशाला प्रबन्धन संरक्षित खेती, केंचुआ खाद, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन, बकरी पालन एवं प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में कौशल विकास हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि युवा कृषक अपना व्यवसाय अपनाकर स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके।

भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) कार्यक्रम

वर्ष 2024 में कौशल दक्षता उन्नयन हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता व हिण्डौन द्वारा मधुमक्खी पालन पर 25 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 65 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

दलहन/तिलहन बीज हब

दलहनों के उन्नत बीज के उत्पादन बढाने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 1.5 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के साथ तीन दलहन बीज हब कोटा, बून्दी एवं झालावाड़ कृषि विज्ञान केन्द्र पर वर्ष 2017–18 में स्वीकृति के तहत स्थापित की गई। इन प्रत्येक दलहन बीज केन्द्रों पर दलहन बीज उत्पादित करने हेतु खरीफ में उड़द, मूंग एवं रबी में चना एवं मसूर का प्रमाणित/आधार/प्रजनक उत्पादित कर किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध करवाया गया।

इसी प्रकार कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर तिलहन अन्तर्गत सरसों बीज हब कार्यरत है जिसके अन्तर्गत सरसों का आधार व प्रमाणित बीज उत्पादित कर कृषक समुदाय को उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध करवाया जा रहा है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा, बून्दी एवं हिण्डौन (करौली) पर सिरोही बकरी परियोजना तथा कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा पर सहजना परियोजना कार्यरत हैं।

इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापना

केन्द्र पर धनियॉ, लहसुन, सोयाबीन एवं बेकरी उत्पाद के प्रसंस्करण के लिए कॉमन इनक्यूबेशन सेन्टर की स्थापना की गई।

स्मार्ट विलेज (SMART VILLAGE)

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा सांगोद ब्लॉक के अंत्योदय गांव कनवास को स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करने के लिए गोद लिया गया। विभिन्न विभागों के समन्वय से स्वच्छ जल, सड़क, बिजली, सबको शिक्षा, खुले में शौच मुक्त, वर्षा जल का सग्रंहण, फसल एवं पशुओं की उत्पादकता में बढ़ोत्तरी आदि कार्य किये जा रहे है। पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने हेतु कृत्रिम गर्भाधान के प्रति जागृति एवं पशु स्वास्थ्य हेतु टीकाकरण का कार्य करवाया गया। उद्यानिकी में नवाचार हेतु बूंद–बूंद सिचाई के साथ प्याज का उत्पादन, बगीचों के क्षेत्र में बढ़ोत्तरी तथा लहसुन उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। कनवास गांव के किसानों को तकनीकी जानकारी हेतु विश्वविद्यालय एवं विभिन्न विभागों का भ्रमण कराया गया। महिलाओं/बच्चों के स्वास्थ्य हेतु पोषण की जानकारी हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। फसलों की उत्पादकता बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा कनवास गॉव में बीजीय मसाला उत्पादन एवं प्रसंस्करण पर कृषक सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें 150 कृषकों/किसान महिलाओं ने भाग लिया।

जनजातीय उपयोजना (TSP)

टी.एस.पी. परियोजना के अन्तर्गत गांवों में खरीफ एवं रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रदर्शन आयोजित किये गये। इस योजना के अन्तर्गत गोदित गांव के किसानों को संस्थागत एवं असंस्थागत प्रशिक्षणों के माध्यम से तकनीकी रूप से दक्ष किया गया तथा फसलों पर 725 से अधिक प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। किसानों को स्टोरेज बीन, स्प्रेमशीन, सिलाई मशीन एवं बकरियां उपलब्ध करवाई गई। अनुसूचित जनजाति योजना अन्तर्गत किसानों को सिरोही नस्ल की बकरी, पपीता किस्म रेड़ लेड़ी, लहसुन किस्म जी–404 का प्रदर्शन दिया गया, जिससे किसानों की आय में 23 से 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

4.7 उद्यानिकी पौध उत्पादन

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	फसल	किस्म	उत्पादित पौधों की संख्या	विक्रय पौधों की संख्या
1.	अन्ता (बाराँ)	पपीता	रेड़ लेड़ी	13000	12500
		अमरूद	एल–49	1500	1130
		नींबू	कागजी	2500	2246
		कटहल	देशी	2000	1240
		सब्जी पौध	टमाटर, बैंगन व मिर्च	95000	85000
2.	हिण्डौन (करौली)	बैंगन	नीलमा (हाईब्रिड)	32000	30000
		टमाटर	सनगोल्ड (हाईब्रिड)	22000	20000
		मिर्च	कशी तेज (हाईब्रिड)	31500	30000
		पत्ता गोभी	क्रान्ती (हाईब्रिड)	11500	10000
		फूल गोभी	बरखा (हाईब्रिड)	17800	15000
		प्याज	भीमा सुपर (हाईब्रिड)	12000	10000
		ब्रोकली	सकाटा (हाईब्रिड)	23000	20000
3.	सवाई माधोपुर	प्याज	एन.एच.आर.डी.एफ.रेड–4	110000	95000
		टमाटर	अर्का रक्षक	8000	5400
		बैंगन		5000	4500
		पपीता	रेड़ लेड़ी 786	10500	8400
		ऑवला	Seeded	8000	0
		गैंदा	पुसा नारंगी	10000	6500
		ग्लारिडिया		6800	6000
4.	झालावाड़	सजावटी पौधें	–	76	1112
		पपीता पौधें	रेड लेडी	320	8018
			रेड बेबी	270	6793
		सब्जी पौध	–	9501	9501
		नींबू पौधें	कागजी	300	3339
		अन्य पौंधे	–	19	174
5.	कोटा	सब्जी पौध		4000	500
		फलदार पौधे		8500	7200
		सजावटी पौधे		22500	15000
6.	बून्दी	अमरुद, पपीता, गुलाब, कटहल, करोंदा, सजावटी पौधे	–	20250	2547
			कुल योग	**487836**	**417100**

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)

कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर

4.8 अन्य उत्पादित वस्तु का विवरण

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	ट्राईकोडर्मा पाउडर उत्पादन
1.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	जनवरी–नवम्बर, 2024 तक कुल ट्राईकोडर्मा पाउडर उत्पादन – 920 किग्रा.

4.9 प्रसार शिक्षा निदेशालय प्रकाशन

क्र. सं.	प्रकाशन	विवरण
1.	अभिनव कृषि पत्रिका	प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा त्रैमासिक कृषि पत्रिका "अभिनव कृषि" (मार्च, जून, सितम्बर, दिसम्बर) प्रकाशित की जा रही है। यह त्रैमासिक कृषि पत्रिका कृषक एवं महिला कृषक समुदाय में कृषि तकनीकी प्रसार के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है।
2.	कृषि कलैण्डर	प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा कृषि पंचाग 2024 प्रकाशित किया गया जिसमें प्रत्येक माह के कृषि कार्य, फसल एवं खाद्य प्रसंस्करण की नई एवं उन्नत तकनीकियों की जानकारी दी गई। इस वर्ष कृषि पंचांग की 7000 प्रतियां प्रकाशित की गई, जोकि कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कोटा सम्भाग के किसानों को उपलब्ध कराये गए।

कृषि पंचाग–2024

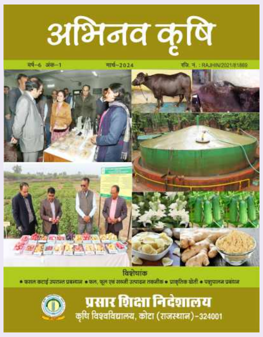

अभिनव कृषि पत्रिका–मार्च

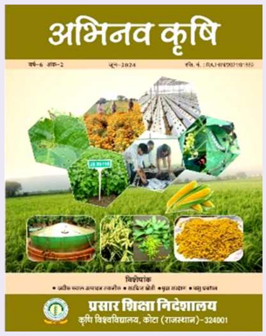

अभिनव कृषि पत्रिका–जून

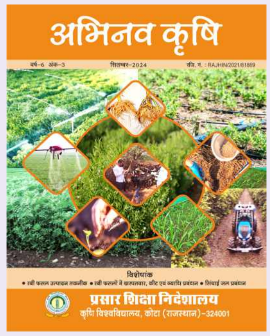

अभिनव कृषि पत्रिका–सितम्बर

4.9 स्कूल विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	विद्यालय / महाविद्यालय का नाम	दिनांक	विद्यार्थियों की संख्या
1.	अन्ता (बारां)	प्रिया सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, अन्ता	05.04.2024	40
2.	अन्ता (बारां)	माँ भारती सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, अन्ता	12.07.2024	40
3.	अन्ता (बारां)	यथार्थ एग्रोटेक क्लासेज, बारां	01.10.2024	45
4.	हिण्डौन (करौली)	राजकीय सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, ढिढोरा	02.03.2023	40
5.	हिण्डौन (करौली)	वीना मैमोरियल बीएड कॉलेज, करौली	14.03.2023	45
6.	हिण्डौन (करौली)	महात्मा गांधी सीनियर सैकण्डरी स्कूल, हिण्डौन	04.05.2023	55
7.	हिण्डौन (करौली)	केन्द्रीय विद्यालय, करौली	18.10.2023	45
8.	हिण्डौन (करौली)	राजकीय सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, ढिढोरा	23.12.2023	45
9.	हिण्डौन (करौली)	निर्मल हैप्पी पब्लिक स्कूल, हिण्डौन	19.01.2024	65
10.	हिण्डौन (करौली)	राजकीय सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, ढिढोरा	23.01.2024	35
11.	हिण्डौन (करौली)	राजकीय सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, मिल्कीपुरा	08.02.2024	30
12.	हिण्डौन (करौली)	मदर टैरेसा बीएड कॉलेज, लहचौडा	29.02.2024	35
13.	हिण्डौन (करौली)	पीएम नवोदय विद्यालय, जटनंगला	29.08.2024	70
14.	हिण्डौन (करौली)	सौरभ कृषि महाविद्यालय, खेडा	18.10.2024	20
15.	सवाई माधोपुर	न्यू महर्षि विद्या मंदिर सी.सै.स्कूल, सवाई माधोपुर	04.03.2024	80
16.	सवाई माधोपुर	न्यू महर्षि विद्या मंदिर सी.सै.स्कूल, सवाई माधोपुर	23.10.2024	74
17.	सवाई माधोपुर	गामा साइंस एकेडिमिक स्कूल, गंगापुर सिटी	17.10.2024	80
18.	सवाई माधोपुर	मॉडल स्कूल, सवाई माधोपुर	16.07.2024	55
19.	सवाई माधोपुर	राजकीय सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, सवाई माधोपुर	18.09.2024	60

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	विद्यालय / महाविद्यालय का नाम	दिनांक	विद्यार्थियों की संख्या
20.	सवाई माधोपुर	न्यू महर्षि विद्या मंदिर सी.सै.स्कूल, सवाई माधोपुर	18.10.2024	75
21.	झालावाड़	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भिलवाड़ी, झालावाड़	04.01.2024	35
22.	झालावाड़	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मण्डावर, झालावाड़	16.01.2024	23
23.	झालावाड़	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मण्डावर, झालावाड़	18.01.2024	78
24.	झालावाड़	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजसमन्द	07.02.2024	50
25.	झालावाड़	संत तुलसी उच्च माध्यमिक विद्यालय, झालावाड़	20.02.2024	50
26.	झालावाड़	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कल्पा जागीर, बारां	21.02.2024	49
27.	झालावाड़	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पिड़ावा, झालावाड़	24.02.2024	20
28.	झालावाड़	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वृन्दावन, झालावाड़	24.02.2024	45
29.	झालावाड़	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भिलवाड़ी, झालावाड़	22.03.2024	55
30.	झालावाड़	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालरापाटन	10.10.2024	55
31.	कोटा	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, केथूदा, बून्दी	01.12.2023	32
32.	कोटा	राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, केशोरायपाटन, बून्दी	23.12.2023	45
33.	कोटा	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, सवाईमाधोपुर	18.01.2024	50
34.	कोटा	केन्द्रीय विद्यालय प्रथम, कोटा	25.01.2024	45
35.	कोटा	केन्द्रीय विद्यालय प्रथम, कोटा	27.01.2024	45
36.	कोटा	केन्द्रीय विद्यालय प्रथम, कोटा	30.01.2024	55
37.	कोटा	केन्द्रीय विद्यालय प्रथम, कोटा	31.01.2024	60
38.	कोटा	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नयापुरा, कोटा	27.02.2024	57
39.	कोटा	एमजीजीएस, वॉकेशनल स्कूल, नयापुरा, कोटा	27.02.2024	54
40.	कोटा	इन्टर्नशिप कार्यक्रम, जवाहर नवोदय विद्यालय, खैराबाद, कोटा	20–24.02.2024	40
41.	कोटा	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कनवास, कोटा	14.03.2024	30
42.	कोटा	एस आर पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय, डकनिया स्टेशन, कोटा	05.03.2024	53
43.	कोटा	राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, इन्द्रगढ़, बून्दी	01.03.2024	75
44.	कोटा	केनब्रिज स्कूल, कोटा	14.05.2024	74
45.	कोटा	केनब्रिज स्कूल, कोटा	06.07.2024	155
46.	कोटा	माँ भारती स्कूल, कोटा	05.07.2024	70
47.	कोटा	द्रोणा करियर संस्थान, कोटा	31.08.2024	170
48.	कोटा	प्रगति स्कूल, कोटा	06.08.2024	87
49.	कोटा	प्रगति स्कूल, कोटा	07.08.2024	111
50.	कोटा	राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, छावनी, कोटा	20.11.2024	50
51.	कोटा	मोदी पब्लिक स्कूल, कोटा	22.11.2024	36
52.	कोटा	महात्मा गांधी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सोगरिया, कोटा	22.11.2024	84
53.	कोटा	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, तालेड़ा बून्दी	25.11.2024	23
54.	कोटा	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सकतपुरा, कोटा	26.11.2024	46
55.	कोटा	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भदाना, कोटा	28.11.2024	90
56.	बून्दी	जवाहर नवोदय विद्यालय, सीतापुरा	29.01.2024	40
57.	बून्दी	जवाहर नवोदय विद्यालय, सीतापुरा	12–17.02.2024	40
58.	बून्दी	जवाहर नवोदय विद्यालय, सीतापुरा	21.10.2024	40
		कुल		**3251**

4.10 कृषि प्रदर्शनी

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में 21–23 जनवरी, 2024, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के दीक्षान्त समारोह के दौरान दिनांक 25 जून, 2024 तथा कृषि विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा माह नवम्बर व दिसम्बर, 2024 में सांगोद, रामगंजमण्डी, कोटा, इटावा, सुल्तानपुर में आयोजित कृषि मेलों में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की प्रदर्शनीयों का आयोजन किया गया। इस आयोजन में लगभग 20,000 से अधिक किसानों ने भाग लेकर कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के नवाचारों से अवगत कराया।

5. मानव संसाधन विकास

विश्वविद्यालय में स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पदों का विवरण

विश्वविद्यालय में प्रशासनिक, शैक्षणिक व अशैक्षणिक के स्वीकृत पदों की कुल संख्या 543 है। जिसमें से 256 पद (47.15 प्रतिशत) भरे हुए हैं। इस प्रकार कुल 287 पद रिक्त हैं, जिनका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद					भरे हुए पद					रिक्त पद				
		आयोजन भिन्न	राज्य योजना	ICAR योजना (अनुसंधान)	ICAR योजना (केवीके)	कुल	आयोजन भिन्न	राज्य योजना	ICAR योजना (अनुसंधान)	ICAR योजना (केवीके)	कुल	आयोजन भिन्न	राज्य योजना	ICAR योजना (अनुसंधान)	ICAR योजना (केवीके)	कुल
1	**प्रशासनिक**	03	12	-	-	**15**	02	10	-	-	**12**	01	02	0	-	**03**
	कुल	**03**	**12**	**0**	**0**	**15**	02	10	0	-	**12**	01	02	0	0	**03**
2	**शैक्षणिक पद**															
I	प्राध्यापक	05	05	01	-	**11**	01	0	0	-	**01**	04	05	01		**10**
II	सह प्राध्यापक	15	16	04	-	**35**	01	03	03	-	**07**	14	13	01		**28**
III	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष	-	-	-	06	**06**	-	-	-	02	**02**	-	-	-	04	**04**
IV	सहायक प्राध्यापक	46	59	21	18	**144**	18	13	21	11	**63**	28	46	00	07	**81**
V	विषय विशेषज्ञ				24	**24**				12	**12**				12	**12**
	कुल	66	80	26	48	**220**	20	16	24	25	**85**	46	64	02	23	**135**
3	**अशैक्षणिक पद**															
	मंत्रालयिक	25	49	2	12	**88**	9	21	1	7	**38**	16	28	01	05	**50**
	तकनीकी	44	32	18	36	**130**	17	22	15	22	**76**	27	10	03	14	**54**
	चतुर्थ श्रेणी	34	40	4	12	**90**	20	19	01	05	**45**	14	21	03	07	**45**
	कुल	103	121	24	60	**308**	46	62	17	34	**159**	57	59	7	26	**149**
4	**सकल योग**	**172**	**213**	**50**	108	**543**	**68**	**88**	**41**	**59**	**256**	**104**	**125**	**9**	**49**	**287**

5.1 मानव संसाधन विकास के अन्तर्गत आयोजित गतिविधियाँ

5.1.1. क्षमता विकास प्रशिक्षण

सामान्य प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विश्वविद्यालय कोटा ने 15 अप्रैल, 2024 से 07 मई, 2024 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन और गुणवत्ता सुधार केन्द्र सभागार में विश्वविद्यालय के 38 नव नियुक्त सहित 48 अक्षैणिक कर्मचारियों के लिए तीन सप्ताह का सामान्य प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह अपने आप में राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में पहला कार्यक्रम रहा।

फार्म और प्रयोगशाला प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विश्वविद्यालय कोटा ने 20–25 मई, 2024 के दौरान भा.कृ.अनु.प–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ में विश्वविद्यालय के 12 नव नियुक्त सहित 25 तकनीकी कर्मचारियों के लिए फार्म और प्रयोगशाला प्रबंधन पर एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

ऑटोमोबाइल रखरखाव, सड़क सुरक्षा और व्यवहार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विश्वविद्यालय कोटा ने 27–31 मई, 2024 के दौरान भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि अभियात्रिकी संस्थान, भोपाल में विश्वविद्यालय के समस्त 17 ड्राइवरों के लिए ऑटोमोबाइल रखरखाव, सड़क सुरक्षा और व्यवहार कौशल पर एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली थी।

उन्नत प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा 22–27 जुलाई, 2024 के दौरान विश्वविद्यालय के 20 नवनियुक्त कर्मचारियों सहित 44 गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए "उन्नत प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन" पर एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सहायक कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा 27 अगस्त से 02 सितंबर, 2024 के दौरान भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर में 03 दिवसीय क्षेत्र भ्रमण के साथ विश्वविद्यालय के सभी 32 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए "सहायक कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि" पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह किसी भी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ–साथ सामान्य विश्वविद्यालय और राज्य सरकार के विभागों में अपनी तरह का पहला प्रशिक्षण है।

फार्म एवं प्रयोगशाला प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के 20 तकनीकी कार्मिको को एक सप्ताह का फार्म एवं प्रयोगशाला प्रबंधन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण 17 से 23 अक्टूबर, 2024 तक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद –केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में करवाया गया।

पुरूस्कार एवं सम्मान

- 26 जनवरी, 2024 गणतंत्र दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा विश्वविद्यालय के 06 अधिकारियों/कार्मिकों/विद्यार्थियों को उच्च प्रभाव कारक शोध पत्र (एनएएस रेटिंग 7 और अधिक अंक) एवं बाह्य एजेन्सी से 50 लाख या उससे अधिक की परियोजना स्वीकृत हेतु प्रोत्साहन राशि एवं प्रशंसा पत्र दिये गये।
- गणतंत्र दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए 06 वैज्ञानिकों/अधिकारियों और 07 अशैक्षणिक अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र दिया गया।
- 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए 06 वैज्ञानिकों/अधिकारियों और 08 अशैक्षणिक अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र दिया गया।
- विश्वविद्यालय, कोटा के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर 03 वैज्ञानिकों को शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षक (डॉ. राजेन्द्र कुमार यादव), सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक (डॉ. शंकर लाल यादव), सर्वश्रेष्ठ विस्तार शिक्षाविद (डॉ. रूप सिंह) को दिया गया। इसके अलावा, 3 वैज्ञानिको/अधिकारियों और 3 अशैक्षणिक कर्मचारियों को विश्वविद्यालय की वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

6. बीज उत्पादन

विश्वविद्यालय के 14 केन्द्रों पर बीज उत्पादन का कार्य किया जाता है। इनमें सबसे अधिक बीज उत्पादन यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा पर किया जाता है। यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय बीज उत्पादन परियोजना के तहत प्रजनक बीज का उत्पादन वैज्ञानिक तरीके से किया जाता है। किस्म एवं मात्रा का आवंटन एवं वितरण कृषि सहकारिता एवं कृषक कल्याण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार किया जाता है। वर्ष 2023–24 में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के अनुसंधान, शिक्षा एवं कृषि प्रसार शिक्षा के केन्द्रों द्वारा खरीफ व रबी का कुल बीज उत्पादन 14631.50 क्विंटल रहा। जिसमें से 1626.32 क्विंटल प्रजनक बीज, 5274.87 क्विंटल आधार व प्रमाणित बीज तथा 7730.51 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज शामिल है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है:–

6.1 सारांश बीज उत्पादन

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	बीज की मात्रा क्विंटल में (वर्ष 2024)				
		प्रजनक	आधार	प्रमाणित	सत्य चिन्हित	कुल
1.	यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा	422.15	1013.00	615.40	4647.20	6697.84
2.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	30.40	-	-	1294.20	1324.60
3.	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर	447.60	300.50	118.50	89.40	956.00
4.	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा	490.90	302.50	-	99.75	893.15
5.	सुल्तानपुर फार्म, कोटा	200.00	382.00	301.50	153.00	1036.50
6.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	11.00	891.00	307.50	153.50	1363.00
7.	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बाराँ)	-	68.00	52.00	338.50	458.50
8.	कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	-	162.20	331.00	341.30	834.50
9.	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	10.53	15.99	-	208.75	235.27
10.	कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	-	-	26.50	91.50	118.00
11.	कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)	-	-	179.50	15.00	194.50
12.	कृषि महाविद्यालय, कोटा	13.74	-	180.70	243.74	438.18
13.	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	-	-	-	54.57	54.57
14.	कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली	-	27.08	-	-	27.08
	कुल योग	**1626.32**	**3162.27**	**2112.60**	**7730.51**	**14631.50**

6.2 केन्द्रवार, फसलवार तथा बीज प्रकार वार बीज उत्पादन

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	रबी/खरीफ/जायद	फसल	किस्म	बीज उत्पादन मात्रा (क्वि. में)	बीज का प्रकार
1.	यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा	रबी 2023–24	गेंहूँ	राज 4037	1013.0	आधार
				राज 4037	615.4	प्रमाणित
				राज 4037	3457.0	सत्यचिन्हित
				राज 1482	133.5	सत्यचिन्हित
				राज 3765	115.5	सत्यचिन्हित
				राज 4079	92.5	सत्यचिन्हित
				राज 4238	78.8	सत्यचिन्हित
			चना	आर.के.जी.के.13–14	8.0	प्रजनक
				जी.एन.जी.2171	161.0	सत्यचिन्हित
				जी.एन.जी.2144	127.5	सत्यचिन्हित
				आर.के.जी.के.20–01	12.2	सत्यचिन्हित
				आर.के.जी.के.20–02	13.0	सत्यचिन्हित
				आर.के.जी.के.13–271	7.0	सत्यचिन्हित
			मसूर	कोटा मसूर 1	51.5	प्रजनक
				कोटा मसूर 2	76.8	प्रजनक
				कोटा मसूर 3	71.0	प्रजनक
				कोटा मसूर 4	58.5	प्रजनक
			अलसी	कोटा बरानी 4	12.8	प्रजनक
				प्रताप अलसी 2	5.3	प्रजनक
				कोटा अलसी 6	6.5	प्रजनक
			सरसों	गिरिराज	230.5	सत्यचिन्हित
			धनियां	आर.के.डी. 18	97.6	सत्यचिन्हित
			मेथी	आर.एम.टी. 305	22.45	सत्यचिन्हित
				कुल	**6467.3**	
		खरीफ 2024	सोयाबीन	जे.एस. 20–34	86.0	सत्यचिन्हित
				एन.आर.सी. 138	11.20	सत्यचिन्हित
			उड़द	प्रताप उड़द 1	66.15	प्रजनक
				मुकुन्दरा उड़द 2	9.10	प्रजनक
				कोटा उड़द 3	15.75	प्रजनक
				कोटा उड़द 4	8.40	प्रजनक
				कोटा उड़द 5	1.90	प्रजनक
			ढ़ैंचा	डी.एच. 1	1.50	सत्यचिन्हित
				कुल	**200.0**	
		जायद 2024	उड़द	के.यू. 4	17.0	प्रजनक
				के.यू. 3	13.55	प्रजनक
				कुल	**30.55**	
				कुल योग	**6697.85**	
2.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	रबी 2023–24	गेंहूँ	राज 4037	1102.5	सत्यचिन्हित
				राज 4238	43.5	सत्यचिन्हित
			सरसों	गिरीराज	128.50	सत्यचिन्हित
				आर.एच. 725	4.0	सत्यचिन्हित
				कुल	**1278.5**	
		खरीफ 2024	सोयाबीन	एन.आर.सी.–138	1.02	सत्यचिन्हित
				जे.एस. 20–34	25.94	सत्यचिन्हित
			उड़द	के.यू. 6	1.60	प्रजनक
				के.यू. 4	3.29	प्रजनक
			ढ़ैंचा	डी.टी.–2	1.20	सत्यचिन्हित
				कुल	**33.05**	

		जायद 2024	उड़द	एम.यू.–2	10.0	प्रजनक
				के.यू.–3	3.0	प्रजनक
				कुल	**13.0**	
				कुल योग	**1324.55**	
3.	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, खानपुर	**रबी 2023–24**	चना	जी.एन.जी. 2171	211.5	आधार
				जी.एन.जी. 2144	118.5	प्रमाणित
			सरसों	ब्रजराज	89.0	आधार
			मसूर	के.एम.3	39.9	प्रजनक
			धनियां	आर.के.डी. 18	89.4	सत्यचिन्हित
				कुल	**548.3**	
		खरीफ 2024	सोयाबीन	जे.एस. 20–98	339.66	प्रजनक
			उड़द	के.यू. 3	24.36	प्रजनक
				के.यू. 4	31.14	प्रजनक
				कुल	**395.16**	
		जायद 2024	उड़द	के.यू. 3	12.5	प्रजनक
				कुल	**12.5**	
				कुल योग	**995.96**	
4.	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, अकलेरा	**रबी 2023–24**	चना	जी.एन.जी. 2171	302.5	आधार
			धनियां	आर.के.डी. 18	57.0	सत्यचिन्हित
			सरसों	गिरीराज	40.25	सत्यचिन्हित
				कुल	**399.75**	
		खरीफ 2024	सोयाबीन	जे.एस. 20–34	52.20	प्रजनक
				जे.एस. 20–98	410.0	प्रजनक
			ढ़ेचा	डी.एच.1	2.5	सत्यचिन्हित
				कुल	**464.7**	
		जायद 2024	उड़द	के.यू. 4	28.7	प्रजनक
				कुल	**28.7**	
				कुल योग	**893.15**	
5.	सुल्तानपुर फार्म, कोटा	**रबी 2023–24**	गेंहूॅ	राज 4037	382.0	आधार
				राज 4037	301.5	प्रमाणित
				राज 4037	153.0	सत्यचिन्हित
				कुल	**836.5**	
		खरीफ 2024	सोयाबीन	जे.एस. 20–98	200.0	सत्यचिन्हित
				कुल	**200.0**	
				कुल योग	**1036.5**	
6.	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	**रबी 2023–24**	गेंहूॅ	राज 4238	76.0	आधार
				राज 4037	159.5	आधार
				राज 4037	85.5	प्रमाणित
				राज 4079	58	आधार
				एच.पी.बी.डब्ल्यू.01	8.0	सत्यचिन्हित
			चना	जी.एन.जी. 2171	55	प्रमाणित
				जी.एन.जी. 2144	58	प्रमाणित
				कोटा देसी चना 1	11	प्रजनक
			सरसों	आर.एच.725	47.5	आधार
			धनियां	आर.के.डी. 18	22.0	सत्यचिन्हित
			लहसुन	जी.282	58	सत्यचिन्हित
			जौ	आर.डी.2794	18	सत्यचिन्हित
				कुल	**656.5**	
		खरीफ 2024	धान	पी.बी.1692	224.0	आधार
				पी.बी.1718	326.0	आधार
				पी.बी.1718	74.0	प्रमाणित

				पी.बी.1509	35.0	प्रमाणित
				कुल	**659.0**	
				कुल योग	**1315.5**	
7.	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)	**रबी 2023–24**	गेंहूँ	डी.बी.डब्ल्यू. 187	52	प्रमाणित
				राज 4037	180	सत्यचिन्हित
			चना	जी.एन.जी. 2144	18	सत्यचिन्हित
			सरसों	गिरीराज	15	सत्यचिन्हित
			लहसुन	जी.404	50	आधार
				जी.282	10	सत्यचिन्हित
			धनियां	ए.सी.आर. 2	2.0	सत्यचिन्हित
			मैथी	ए.एम.5	4.0	सत्यचिन्हित
			मसूर	के.एम.4	1.25	सत्यचिन्हित
			अलसी	कोटा अलसी 3	1.25	सत्यचिन्हित
				कुल	**333.5**	
		खरीफ 2024	सोयाबीन	जे.एस. 20–98	40.0	सत्यचिन्हित
				जे.एस. 20–34	18.0	आधार
			उड़द	के.यू. 3	7.0	सत्यचिन्हित
			मूग	एम.एच.1142	2.0	
			मक्का	डी.एम.एच.117	23.0	
			धान	पी.बी.1847	35.0	
				कुल	125.0	
				कुल योग	**458.5**	
8.	कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	**रबी 2023–24**	चना	जी.एन.जी. 2144	76.3	आधार
			मसूर	के.एम.3	44.1	आधार
			सरसों	गिरीराज	27.2	आधार
			धनियां	आर.के.डी. 18	5.2	सत्यचिन्हित
			गेंहूँ	राज 4037	315.2	सत्यचिन्हित
			जौ	बरेली	12.4	सत्यचिन्हित
			जई	जई	3.8	सत्यचिन्हित
				कुल	484.2	
		खरीफ 2024	सोयाबीन	जे.एस. 20–98	1.60	आधार
			उड़द	के.यू. 4	13.0	आधार
			धान	पी.बी.1718	161.0	प्रमाणित
				पी.बी.1692	170.0	प्रमाणित
				पी.बी.1509	4.7	सत्यचिन्हित
				कुल	**350.30**	
		जायद 2024	उड़द	के.यू. 3	3.20	आधार
				कुल	**3.20**	
				कुल योग	**837.9**	
9.	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	**रबी 2023–24**	गेंहूँ	राज 4037	147.0	सत्यचिन्हित
			चना	जी.एन.जी. 2171	15.1	आधार
			धनियां	आर.के.डी. 18	9.2	सत्यचिन्हित
			जौ	डी.डब्ल्यू.आर.बी.137	17.0	सत्यचिन्हित
				कुल	188.3	
		खरीफ 2024	सोयाबीन	जे.एस. 20–98	30.0	सत्यचिन्हित
			उड़द	के.यू. 4	10.53	प्रजनक
				के.यू. 3	0.89	आधार
			ढेंचा	डी.एच.1	5.51	सत्यचिन्हित
				कुल	46.97	
				कुल योग	**235.27**	

10.	कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	**रबी 2023–24**	सरसों	गिरीराज	32.0	सत्यचिन्हित
			जौ	आर.डी. 2794	50.0	आधार
			मैथी	आर.एम.टी.305	26.0	सत्यचिन्हित
			तारामीरा	आर.टी.एम.1351	6.0	सत्यचिन्हित
			मसूर	के.एम.3	3.5	
				कुल	**117.5**	सत्यचिन्हित
		खरीफ 2024	ढेंचा	डी.एच.1	Awaited	प्रजनक
			अरहर	पी.यू.888	Awaited	आधार
				कुल योग	**117.5**	
11.	कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)	**रबी 2023–24**	गेंहूँ	राज 4238	20.5	प्रमाणित
			चना	जी.एन.जी. 2171	12.5	आधार
			सरसों	आर.एच.725	21.5	प्रमाणित
			तारामीरा	आर.टी.एम.1355	15.0	सत्यचिन्हित
				कुल	69.5	
		खरीफ 2024	बाजरा	पी.सी.701	125.0	प्रमाणित
				कुल	125.0	
				कुल योग	**194.5**	
12.	कृषि महाविद्यालय, कोटा	**रबी 2023–24**	गेंहूँ	राज 4037	1.25	प्रमाणित
				राज 4079	10.8	आधार
			सरसों	गिरीराज	180.7	प्रमाणित
					23.0	सत्यचिन्हित
			धनियां	आर.के.डी. 18	8.0	
				कुल	**418.82**	प्रमाणित
		खरीफ 2024	सोयाबीन	जे.एस. 20–34	2.24	सत्यचिन्हित
		जायद 2024	उड़द	के.यू. 3	10.44	सत्यचिन्हित
			ढेंचा	डी.एच.1	3.4	सत्यचिन्हित
				कुल	**16.08**	
		जायद 2024	उड़द	के.यू. 3	3.3	सत्यचिन्हित
				कुल	**3.3**	
				कुल योग	**460.9**	
13.	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	**रबी 2023–24**	चना	जी.एन.जी. 2144	16.35	सत्यचिन्हित
			सरसों	गिरीराज	6.65	सत्यचिन्हित
			धनियां	आर.के.डी. 18	8.69	सत्यचिन्हित
			अलसी	के.बी.4	4.03	सत्यचिन्हित
				कुल	35.7	
		खरीफ 2024	मूंग	एम.एच. 421	2.36	सत्यचिन्हित
			उड़द	पी.यू.1	8.39	सत्यचिन्हित
			सोयाबीन	जे.एस. 20–34	8.12	सत्यचिन्हित
				कुल	**18.87**	
				कुल योग	**54.57**	
14.	कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली	**खरीफ 2024**		के.यू. 4	27.0	सत्यचिन्हित
				कुल योग	27.0	
				महायोग	**14631.50**	

धनिया बीज उत्पादन रबी 2023–24

धान बीज उत्पादन खरीफ 2024

लहसुन बीज उत्पादन रबी 2023–24

7. सम्पदा

राज्य सरकार, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से प्राप्त बजट से विभिन्न आधारभूत एवं विकास कार्य सम्पदा अधिकारी द्वारा करवाया गया, वर्ष 2023 में रूपये 365.43 लाख के विकास कार्यों को पूर्ण किया गया एवं रूपये 3109.00 लाख के कार्य प्रगति पर है। सम्पदा कार्यालय द्वारा किये गये कार्यों का मुख्य विवरण निम्न प्रकार है :

7.1 वर्ष 2023 में पूर्ण किये गये कार्य

क्र. सं.	कार्य का विवरण	कुल खर्चा (रूपये लाखों में)
1.	Remaining work of Incubation centre and Construction of Toilet block for stake holders at Agriculture University, Kota.	7.42
2.	Solar Plant Agriculture University, Campus, Kota (107 KW)	-
3.	Brick masonry wall Vitrified tiles works and Kitchen platform at KVK, Kota (CIC)	3.47
4.	Construction of Parking Shed at ARS Ummedganj, Kota	13.17
5.	Solar Plant Agriculture Research Station, Ummedganj, Kota (100 KW)	-
6.	Construction of Bank Hall sale counter & C.C. Road by KDA Kota	94.00
7.	Addition alteration work of meeting hall at ARS Ummedganj, Kota	15.77
8.	Construction of Toilet block at MAF, Ummedganj, Kota	7.39
9.	Construction of seed storage godwan at MAF Ummedganj Kota	34.33
10.	Construction of animal shed goatry at KVK Bundi	33.33
11.	Construction of Goat Unit structure at KVK Sawai Madhopur.	4.19
12.	Construction of Implement shed (under RKVY- 27) at KVK Kota	10.63
13.	Underground (HDPE Pipe Line) and pressurized irrigation system (Under RKVY-7) at ARS Ummedganj, Kota	22.47
14.	Addition/Alteration Work for Male and Female Toilets at College of Agriculture Ummedganj, Kota	4.88
15.	Agricultural Research Centre, Umedganj, Kota for roofing, plaster maintenance and installation of tiles, aluminium windows etc. of various houses of Kota.	50.00
16.	Agriculture Research Centre, Umedganj, Kota for maintenance of toilets, roofs, plaster and installation of tiles, aluminium windows, water tank to office etc.	47.00
17.	Construction of Tin Shed at College of Agriculture Hindoli Distt. Bundi	13.98
18.	SITC of Split AC, at ATMQIC Building at AU, Kota (UDF)	3.40
	Total	**365.43**

Addition alteration work of meeting hall at ARS Ummedganj, Kota

Construction of Parking Shed at ARS Ummedganj, Kota

SITC of Split AC at ATMQIC Building at AU, Kota

7.2 वर्ष 2023 में स्वीकृत एवं वर्ष 2024 में प्रगतिरत कार्य

क्र. सं.	कार्य का विवरण	स्वीकृत राशि (रूपये लाखों में)
1.	Construction of Boundary wall (under RKVY) at ARS Ummedganj, Kota	34.16
2.	Construction of anicut at MAF Ummedganj, Kota	15.00
3.	Irrigation channel work (at Motipura Minor) (under RKVY-8) at MAF Kota	10.00
4.	Hexagonal fencing in ARS Ummedganj, (under RKVY-21) Kota	5.72
5.	Construction of Boundary wall (under RKVY) at MAF Ummedganj, Kota	25.00
6.	Construction of Skill Development Hostel for trainee at AU, Kota	25.00
7.	Construction of Apiay at MAF Ummedganj, Kota	10.16
8.	Beautification of Boundary wall at A.U., Kota.	3.30
9.	Construction of Examination Hall at college of Horticulture & Forestry, Jhalawar	50.00
10.	Construction of Library Room at College of Horticulture & Forestory Jhalawar	50.00
11.	Chain Link Fencing work at Hindaun	4.00
12.	Construction of seed storage godwan at MAF Ummedganj Kota	35.00
13.	Construction of Boundary wall at ARS Kota/ARSS Akelra/khanpur	69.40
14.	Misc. petty work at KVK, Bundi	2.75
15.	Misc. petty work at KVK, Anta	2.25
16.	Misc. petty work at KVK, Jhalawar	0.41
17.	Misc. petty work at Sawai Madhopur	1.04
18.	Providing & Laying Interlocking Block Work at ARSS, Khanpur	9.34
19.	Construction of Seed Storage Godown at Agriculture Research Station, Ummedganj, Kota. (CSS-MIDH scheme)	10.00
20.	SITC of Cabling work at AU, Kota	37.50
21.	Construction C.D work at Approach Road of COA, Hindoli	27.00
22.	Construction of Adm. Block Hostels, Canteen and Dean Residence at COA, Hindoli Bundi	1469.27
23.	Construction of Adm. Block Building of COA, Kota	806.00
24.	Construction of Approach Road to COA, Hindoli	150.00
25.	Construction of Approach Road to COA, Hindoli	360.00
	Total	**3109.00**

College of Agriculture, Kota

Construction of Skill Development Hostel for trainee at AU, Kota

8. बजट : वित्त एवं लेखा विवरण

क्र. सं.	मदवार ब्यौरा	अनुमानित आवंटित बजट 2024–25 (राशि रूपये लाखों में)	व्यय बजट दिसम्बर, 2024 तक (राशि रूपये लाखों में)
1.	विश्वविद्यालय की निजी आय	689.06	516.79
2.	स्टेट नॉन प्लान (आयोजना भिन्न राज्य सरकार)	3975.00	2796.68
3.	स्टेट प्लान (आयोजना) राज्य सरकार		
3.1	31214 कृषि शिक्षा (25 प्रतिशत राज्य सरकार)	247.56	188.19
3.2	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	410.98	0.00
4.	कृषि अनुसंधान		
4.1	कृषि अनुसंधान (आई.सी.ए.आर. 75 प्रतिशत)	759.78	564.57
4.2	कृषि विज्ञान केन्द्र (आई.सी.ए.आर. 100 प्रतिशत)	925.02	599.58
4.3	NICRA, NAHEP, Strengthening & Development Grant & RAWE (ICAR- 100%)	58.30	0.00
4.4	अन्य कृषि परियोजनायें (आई.सी.ए.आर. 100 प्रतिशत)	707.73	113.19
5.	निजी परियोजनायें	97.91	44.38
	कुल स्वीकृत बजट व व्यय	**7871.34**	**4823.38**

9. पुरस्कार एवं सम्मान

9.1 वैज्ञानिक एवं कर्मचारी

क्र. सं.	पुरस्कार/सम्मान प्राप्तकर्ता का नाम व पता	पुरस्कार विवरण	पुरस्कार प्रदाता संस्था का नाम	फोटोग्राफ
1.	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	गोदित गाँव कनवास के समग्र विकास के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।	माननीय राज्यपाल राजस्थान	
2.	डॉ. आई.बी. मौर्य	आईएसएचआरडी फैलो पुरस्कार, 2021–2022	इंडियन सोसाइटी ऑफ हॉर्टिकल्चर रिसर्च एंड डेवलपमेंट, उत्तराखंड	
3.	डॉ. एस.के. जैन, डॉ. विरेन्द्र सिंह, डॉ. के.सी. मीना, डॉ. प्रीति वर्मा, डॉ. हेमराज छीपा एवं डॉ. हनुमान सिंह	उत्कृष्ट सेवाओं के लिए गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2024 को प्रशंसा प्रमाण पत्र	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	

क्र. सं.	पुरस्कार/सम्मान प्राप्तकर्ता का नाम व पता	पुरस्कार विवरण	पुरस्कार प्रदाता संस्था का नाम	
4.	श्रीमति गुंजन सनाढ्य, सुश्री सुनिता कुमारी, श्री महावीर प्रसाद शर्मा, श्री मोहनलाल सेन, श्री रवि प्रकाश, श्री राजेन्द्र सेन एवं श्री सुरेश चन्द सैनी	उत्कृष्ट सेवाओं के लिए गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2024 को प्रंशसा प्रमाण पत्र	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
5.	डॉ. राजेन्द्र कुमार यादव, सहायक आचार्य (मृदा विज्ञान)	बाह्य वित्त पोषित परियोजना प्राप्त करने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र और 20000/– रुपये नकद पुरस्कार	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
6.	डॉ. जितेंद्र सिंह, प्रोफेसर (फल विज्ञान) एवं डॉ. निर्मल कुमार मीणा,सहायक आचार्य	उच्च गुणवत्ता अनुसंधान प्रकाशन के लिए प्रशंसा पुरस्कार	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
7.	डॉ. अरविंद नागर, विषय विशेषज्ञ (बागवानी)	सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार	तीसरे भारतीय बागवानी शिखर सम्मेलन सह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	
8.	श्रीमती गुजंन सनाढय विषय विशेषज्ञ (गृह विज्ञान)	नारी शक्ति अवार्ड से सम्मानित	राजस्थान पत्रिका	
9.	श्रीमती सुनिता डागा, डॉ॰ महेन्द्र सिंह, श्री हेमन्त शर्मा, डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, डॉ. रामराज मीणा, डॉ. चमन कुमारी जादौन, डॉ. खजान सिंह एवं डॉ. अरविंद नागर	उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2024 को प्रशंसा प्रमाण पत्र	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
10.	श्री सम्पत सिंह मीना, श्री श्याम सिंह चौहान, श्री घनश्याम सुमन, श्री ग्यारसी लाल सुमन, श्री हेमराज कुशवाह एवं श्री रामकिशन मीणा	उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2024 को प्रशंसा प्रमाण पत्र	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	

क्र. सं.	पुरस्कार/सम्मान प्राप्तकर्ता का नाम व पता	पुरस्कार विवरण	पुरस्कार प्रदाता संस्था का नाम	फोटोग्राफ
11.	डॉ. राजेन्द्र यादव, सहायक आचार्य (मृदा विज्ञान)	बेस्ट टीचर अॅवार्ड–2024	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
12.	डॉ. शंकर लाल यादव, सहायक आचार्य (शस्य विज्ञान)	बेस्ट रिसर्चर अॅवार्ड–2024	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
13.	डॉ. रूप सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (पौध व्याधि)	बेस्ट एक्सटेंशन एजुकेशनिस्ट अॅवार्ड–2024	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
14.	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक, पी.एम.एण्ड ई. डॉ. जे.पी. तेतरवाल, सह आचार्य एवं डॉ. एच.पी. मेघवाल, सहायक आचार्य	उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 12वें स्थापना दिवस को प्रशंसा प्रमाण पत्र	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
15.	श्रीमती मंजू मीणा, श्री राजकुमार जोशी एवं श्री रतनलाल	उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 12वें स्थापना दिवस को प्रशंसा प्रमाण पत्र	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
16.	डॉ. सुनिल कुमार, विषय विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)	स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2024 को प्रशंसा प्रमाण पत्र	जिला प्रशासन, बारां	
17.	सुश्री सरिता, तकनीकी सहायक	स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 2024 को प्रशंसा प्रमाण पत्र	जिला प्रशासन, कोटा	

क्र. सं.	पुरस्कार/सम्मान प्राप्तकर्ता का नाम व पता	पुरस्कार विवरण	पुरस्कार प्रदाता संस्था का नाम	फोटोग्राफ
18.	डॉ. संध्या, सहायक आचार्य	प्रशंसा पुरस्कार	आई.सी.ए.आर. –आई.आई.ओ. आर., हैदराबाद	
19.	डॉ. निर्मल कुमार मीणा, सहायक आचार्य एवं श्री लादूराम सहायक आचार्य	प्रशंसा पत्र	भा.कृ.अ नु प – केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्था बीकानेर	 भाकृअनुप – केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान बीकानेर-334006 प्रशंसा पत्र प्रमाणित किया जाता है कि संस्थान / उद्यमी- ...... ने भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर (राजस्थान) के 32 वें स्थापना दिवस एवं उद्यमी सम्मेलन के सुअवसर पर दिनांक 01.10.2024 के कार्यक्रम में भाग लेकर इसके सफल आयोजन में योगदान दिया। (धुरेन्द्र सिंह) संयोजक (शिव राम मीना) संयोजक (जगदीश राणे) निदेशक

9.2 कृषक सम्मान

क्र. सं.	पुरस्कार/सम्मान प्राप्तकर्ता का नाम व पता	पुरस्कार विवरण	पुरस्कार प्रदाता संस्था का नाम	फोटोग्राफ
1.	श्री घनश्याम यादव सुहाना, कोटा	मिलिनियर फार्मर अवार्ड	कृषि जागरण	
2.	श्रीकिशन सुमन गिरधरपुरा, कोटा	प्रशंसा पत्र	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान	
3.	श्री अवदेश मीना, ग्राम– वजीरपुर, जिला. सवाई माधोपुर	नवोन्मेशी कृषक सम्मान	आईएआरआई, नई दिल्ली	
4.	श्री हुकुमचन्द पाटीदार, श्री फेजल खान, श्रीमती सोनिया जैन एवं श्री कालू सिंह राजपूत	राष्ट्रीय मिलेनियर भारतीय कृषक पुरस्कार 2023	महिन्द्रा ट्रेक्टर्स	
5.	श्री पूनमचन्द पाटीदार, श्री बालमुकुन्द डांगी, श्री रविन्द्र स्वामी, श्री जयेन्द्र सिंह, श्री धर्मेन्द्र सुमन, श्री विशाल पाटीदार, श्री अजय नागर, श्री लखन लोधा एवं मुकन्द नागर	कृषि गौरव ''कृषि रत्न सम्मान''	वी.एस.एम.टी मीडिया ग्रुप, झालावाड़	

10. प्रकाशन विवरण

10.1 शोध पत्र

S. No.	Title of Paper	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year of month	Vol. No. & Page	NASS Rating
1.	Agronomic zinc biofortification of potato (*Solanum tuberosum*) through soil and foliar zinc sulphate application in Rajasthan	Nagar, B.L., Singh, J., Yadav, D.L., Verma, H.P. and Meena, R.R.	*Indian Journal of Agricultural Sciences*	January 2024	94 (1): 16–20	6.40
2.	Alleviating summer heat stress in cowpea-baby corn intercropping with stress-reducing chemicals and fertility variations	Bijarnia, A., Tetarwal, J.P., Gupta, A.K., Bijarnia, A.L., Yadav, R.K., Ram, B., Kumawat, R., Choudhary, M., Kumar, R., Singh, D.	*Scientific reports*	Februray 2024	14, 3020 (2024)	10.60
3.	Underutilized fruit lasoda (*Cordia myxa* L.): Review of bioactive compounds, antioxidant potentiality and applications in health bioactivitiews and food	Tak, Y., Samota, M.K., Meena, N.K., Kaur, G., Jain, M.C., Kumar, R., Kaur, M., and Ryszard, A.	*Fitoterapia*	2024	175(2024) 105898, 0367-326X©	9.40
4.	The impact of varied phosphorus levels, biophos-liquid biofertizer and growth regulator on yield and economics of summer mungbean (*Vigna radiata Wilczek* L.)	Kumawat, R., Ram, B., Tetarwal, J.P., Kumar, R., Bijarnia, A. and Choudhary, M.	*Annals of Agriculture Research*	March 2024	45: 48-53	4.82
5.	Effect of Trichoderma and Humic Acid on Vegetative Growth and Economics of Garlic (*Allium sativum* L.) cv. G-282.	Gurjar, G.R., Kavita,A., Sharma, R.K., Chopra, R., Chhipa, H. and Meena, R.	*Journal of Advances in Biology & Biotechnology*	April, 2024	27(5): 336-343	5.30
6.	Root and shoot studies of summer cowpea (*Vigna unguiculata*) and baby corn (*Zea mays*) under intercropping system with different levels of fertility and stress mitigating chemicals	Bijarnia, A., Tetarwal, J.P. and Bijarnia, A.L.	*Indian Journal of Agriculture Sciences*	May, 2024	94(5): 512-517	6.40
7.	Economics of Various Treatments of Vermicompost on Growth and Yield Attributes of Pea (*Pisum sativum* L.) Based Intercropping System	Verma A., Kavita A., Sharma R. K., Chopra R., Bhatnagar P. and Tippannavar A.	*Journal of Scientific Research and Reports*	June, 2024	30(6): 809-815	5.17
8.	Study on genetic divergence among linseed (*Linum usitassimum* L.) genotypes	Singh, P., Sandhya, Kumar, M., Patidar, B.K. and Yadav, D.L.	*Biological Forum-An International Journal*	2024	16(6): 01-04	4.96

S. No.	Title of Paper	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year of month	Vol. No. & Page	NASS Rating
9.	Optimizing wheat growth and yield thought organic nutrient sources in south-eastern Rajasthan	Saini, Y., Meena, B.S., Meena, D.S., Yadav, R.K., Meena, C.B. and Singh, P.	*Ann. Agric. Res. New Series*	2024	45(2): 120-125	4.62
10.	Nature and extent of genetic variability, heritability and genetic advance in yield, quality and physiological traits in medium early maturing genotypes of pigeon pea	Naga, R., Sharma, S.C., Meena, B.L., Tak, Y. and Meghwal, H.P.	*Biological Forum-An International Journal*	2024	16(6): 75-78	4.96
11.	Study on genetic diversity in Rice (*Oryza sativa* L.) Genotypes for Yield and Related Traits using D2 Analysis in the South-Eastern Plain Zone of Rajasthan	Takar, G., Kumar, M., Sandhya, Yadav, D.L., Patidar, B.K., Tikiani, G. and Naga, R.	*Biological Forum-An International Journal*	2024	16(6): 89-92	4.96
12.	Trichoderma Isolates Against Abiotic Stresses and Management of Collar rot of Lentil (*Lens culinaris* L.) Caused by *Sclerotium rolfsii*	Meena, N., Yadav, D. L., Gautam, C., Yadav, V.K., Yadav, S. L. and Meena, C. B.	*Indian Journal of Microbiology*	July, 2024	64: 1366–1375	9.00
13.	Effect of fertility levels and stress mitigating chemicals on nutrient content, uptake, intercropping advantage and competition effect in cowpea-baby corn intercropping	Bijarnia, A., Tetarwal, J.P., Yadav, R.K., Bijarnia, A.L., Singh, D. and Saini Y.	*Heliyon*	Sept., 2024	10 e38194	10.00
14.	Herbicidal weed management options for pigeonpea (*Cajanus Cajan*) grown in southeastern Rajasthan	Narolia, R.S., Sharma, S.C., Kumar, R., Gupta, V., Yadav, S.L., Singh, K. and Singh, P.	*Indian Journal of Agronomy DOI: 10.59797/ija.v69i3.5528*	Sept., 2024	69 (3): 320-325	5.21
15.	Estimation of Genetic Variability, Heritability and Genetic Advance in Indian Mustard [*Brassica juncea* (L.) Czern & Coss]	Meena, P.K.P. and Bishnoi, R.	*Journal of Experimental Agriculture International*	October, 2024	45(10): 299-304.	5.14
16.	Studies on heterosis for seed yield and its related traits in soybean [*Glycine max* (L.) Merrill]	Meena, B.L. Koli, N.R., Sharma, S.C. and Meena, P.K.P.	*International Journal of Advanced Biochemistry Research*	October, 2024	8(11): 127-132	5.29
17.	Fluxes of nutrient uptake and leaf chlorophyll of chia (*Salvia hispanica* L.) under herbicides spray.	Kumar, A., Ram, M., Tetarwal, J.P., Meena, V., Kikraliya, D.L., Genan, H. and Bijarnia, A.	*Annals of Agricultural Research. New Series*	2024	45 (3): 296-299.	4.62

S. No.	Title of Paper	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year of month	Vol. No. & Page	NASS Rating
18.	Development of unique soil organic carbon stability index under influence of integrated nutrient management in four major soil orders of India.	Yadav, R.K., Purakayastha, T.J., Bhaduri, D., Das, R., Dey, S., Sukumaran, S., Walia, S.S., Singh, R., Shukla, V.K., Yadava, M.S. and Ravisankar, N	*Journal of Environmental Management*	2024	*360*, p.121208	14.70
19.	Influence of genotypes and environments on protein content in chickpea (*Cicer arietinum* L.)	Verma, P., Kumar, P., Jadon, C., Yadav, S.L. and Tak, Y.	*Journal of Advances in Biology & Biotechnology*	2024	27(9): 1019-1024.	5.30
20.	Comparative analysis of soil quality and enzymatic activities under different tillage based nutrient management practices in soybean-wheat cropping sequence in Vertisols	Meena, S.N., Sharma, S.K., Singh, P., Meena, B.P., Ram, A., Meena, R. L., Singh, D., Meena, R.B., Nogiya, M., Jain, D. and Kumar K.	*Scientific Report*	2024	14, 6840	10.60
21.	Chickpea-based intercropping systems in Rajasthan's Hadoti region: Productivity and economic viability	Meena, S.N., Meena, L.K., Yadav, S., Jadon, C.K., Dhakad, U., Lal, M. Verma, H.P., Gupta, V. and Singh, P.	*Indian Journal of Agronomy*	2024	69(1):73-79	5.21
22.	New lentil variety RKL 58F-3715: a case study depicting the emergence of desirable transgressive segregants	Punia, S.S., Singh, K., Ahmad, S., Ram, B., Dheer, M., Verma, P., Jat, V.S., Solanki, R.K., Parihar, A.K., Jain, S.K., Dalip, Khan, R., Agrawal, S.K. and Gupta, S.	*Journal of Food Legumes*	2024	37(1): 22-33, 2024	5.54
23.	Study of combining ability for seed yield and its attributing traits in linseed (*Linum usitatissimum* L.) under late sown in rainfed condition	Mahawar, R.K., Singh, K., Kumar, R., Yadav, R.K. and Singh, H.	*Frontiers in Crop Improvement*	2024	12 (1): 47-50	4.20
24.	Genetic Diversity Analysis in Soybean [*Glycine max* (L.) Merrill] Genotypes	Meena, B. L., Koli, N. R., Sharma, S. C., and Sharma, K.K.	*Biological Forum- An International journal*	2024	16(9): 175-177	4.96

S. No.	Title of Paper	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year of month	Vol. No. & Page	NASS Rating
25.	Identification of Best Cross Combinations for Soybean Improvement	Meena, B. L., Meena, D. S., Tak, Y. and Padra, N.	*Frontiers in Crop Improvement*	2024	12(special issue-I): 508-513	4.20
26.	Analysis of combining ability for seed yield and its related traits in soybean [*Glycine max* (L.) Merrill]	Meena, B. L., Koli, N. R., Sharma, S. C., Meena, D. S., and Meena, P. K. P.	*International Journal of Advanced Biochemistry Research*	2024	SP-8(11): 33-37	5.29
27.	Estimation of heterosis and combining ability for oil and protein content in soybean [*Glycine max* (L.) Merrill]	Meena, B. L., Meena, R. K. and Padra, N.	*International Journal of Advanced Biochemistry Research*	2024	SP-8 (11): 325-328	5.29
28.	Heterosis and combining ability analysis for quality traits in soybean [*Glycine max* (L.) Merrill]	Meena, B. L., Koli, N. R., Sharma, S. C., Patidar B. K. and Meena, R. K.	*International Journal of Advanced Biochemistry Research*	2024	SP-8 (11): 38-42	5.29
29.	Identification of Best General and Specific Combiners for Soybean improvement	B. L. Meena, N. R. Koli and R. K. Meena	*Plant cell biotechnology and molecular Biology*	2024	25(11-12): 195-200	5.20
30.	Line x Tester Analysis of Combining Ability for Seed Yield and Its Contributing Traits [*Glycine max* (L.) Merrill]	Meena, B. L., Koli, N. R., and Meena, R. K.	*Journal of Advances in Biology and Biotechnology*	2024	27(11): 902-909	5.30
31.	Genetic variability, heritability and genetic advance in soybean [*Glycine max* (L.) Merrill]	Nayak, S., Meena, B. L., Sharma, S. C., Sachdeva K. and Himanshi	*International Journal of Advanced Biochemistry Research*	2024	SP-8(11): 743-745	5.29
32.	Assessment of genetic diversity using D^2 Analysis in soybean [*Glycine max* (L.) Merrill] genotypes under Humid South Eastern plain Zone V of Rajasthan	Tikiani, G., Meena, B. L. Sharma, S. C., Tak, Y., Meena, L. K. and Sharma, K.K.	*Biological Forum- An International journal*	2024	16(6): 131-134	4.96
33.	Quality parameters and root nodules of soybean as influenced by weed management practices	Meena, B. L., Meena, D.S. and Meena, R. K.	*Indian Journal of Weed Science*	2024	56(3): 316–318	5.42

S. No.	Title of Paper	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year of month	Vol. No. & Page	NASS Rating
34.	Soybean (*Glycine max*. (L.) Merrill) Vegetative Growth and Yield Performance under Organic Manures Nutrient Management System in South-Eastern Rajasthan	Nagar, G., Meena, D.S., Nagar, S., Meena, B.S., Dhakad, P.S., Yadav, R.K. and Meena, B.L.	*Ama, Agricultural Mechanization in Asia, Africa & Latin America · (ISSN: 00845841)*	October, 2024	55(10): 19119-19129	6.30
35.	Efficacy of insecticidal spray schedules against sucking insect pests on chilli	Saini, L.S., Meghwal, H.P., Patidar, B.K. and Meena, M.S.	*Indian Journal of Entomology Online published*	October, 2024	Ref. No. e24440	5.59
36.	Potential Impact of Climatic Factors on Whiteflies and Aphids Infesting Chilli (*Capsicum annum* L.)	Saini, L.S., Meghwal, H.P., Meena, M.S. and Patidar, B.K.	*Ecology, Environment & Conservation*	October, 2024	30 (1): 151-155	5.05
37.	Effect of Different Weather Parameters on Incidence of Pod Borer and Spotted pod Borer infesting *Vigna mungo*	Meena, M.S., Meghwal, H.P., Saini, L.S., Parmar, D. and Meena, B.S.	*Ecology, Environment & Conservation*	October, 2024	30 (Suppl.): S427-S430	5.05
38.	Seasonal Occurance of Bihar Hairy Caterpillar and Tobacco Caterpillar on Blackgram under Unsprayed conditions	Meena, M.S., Meghwal, H.P., Saini, L.S., Parmar, D. and Saini, D.K.	*Biological Forum – An International Journal*	2024	16 (5): 78-80	4.96
39.	Influence of Climatic Factors on Population Dynamics of White fly (*Bemisiatabaci*) infesting Vigna munga (L.) Hepper	Meena, M.S., Meghwal, H.P., Saini, Swami, H. and Bhateja, S.	*Ecology, Environment & Conservation*	2024	30 (Suppl.): S439-S443	5.05
40.	Bio-efficacy of Chlorfluazuron 5.4 % EC against pod borer (*Helicoverpa armigera*) in Chickpea	Meghwal, H.P., Bhaskar, M., Verma, P. and Sharma, Y.K.	*International Journal of Tropical Agriculture*	2024	4 (2): 159-164	4.35
41.	Exploitation of heterosis for grain yield and yield component traits in Bread wheat (*Triticum aestivum* L.) over environments	Meena, B. L., Meena, D.S. and Meena, R. K.	*Biological Forum – An International Journal*	2024	16(7): 240-245	4.96
42.	Prospects of use of Ethrel and Gibberalic acid on sprounting growth & productivity on sugarcane *cv* CoPk 05191 (*Pratap Ganna* 1) in Rajasthan	Meena, R.K., Koli, N.R., Meena, H.P., Meena, B.L., and Gupta,V	*Biological Forum – An International Journal*	2024	16(7): 269-273	4.96

S. No.	Title of Paper	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year of month	Vol. No. & Page	NASS Rating
43.	Studies on effect of Ethrel and Gibberalic acid on growth & yield on sugarcane *cv* CoPk 05191 (*Pratap Ganna* 1) with recommended package of practices	Meena, R.K., Koli, N.R., Meena, H.P., Meena, B.L., Meena, M., and Gupta, V	*Biological Forum – An International Journal*	October, 2024	16(7): 333-335	4.96
44.	Livelihood Security of tribal farmers through adoption of livestock management practices.	Meena, B.S.	*Progressive Research: An International Journal*	July, 2024	19: 302-305	4.32
45.	Effect of Azolla Feeding on the Growth on Improved Chicken Under Backyard System	Meena, B.S.	*Progressive Research: An International Journal*	July, 2024	19: 306-308	4.32
46.	Traditional to Modern Approaches for Agronomic Biofortification of Food Crops with Zn and Fe: A Review	Dogra, P., Lal, D., Omprakash, Parashar, K., Parashar, A. Aparna, Rundala, S.R., Asiwal, R. and Choudhary, L.	*Biological Forum – An International Journal*	January, 2024	16(1): 174-182 (2024)	4.96
47.	Constraints faced by the students of SKNAU, Jobner in development of soft skills	Tanwar, N.K., Sharma, K.C., Yunus, M. and Kumar, L.	*International Journal of Agriculture Extension and Social Development (Extension Journal)*	August, 2024	7(8): 642-644	5.04
48.	Impact of ARYA bee keeping training socio economic status and entrepreneurship of rural youth	Choudhary, D.K., Sharma, A., Nagar, A., Yunus, M. and Kumar, S.	*International Journal of Agriculture Extension and Social Development (Extension Journal)*	September 2024	7(9): 405-408	5.04
49.	Evaluation of Insecticide and Pheromone Trap Efficacy for Management of Fruit Borer (*Helicoverpa armigera*) in Tomato.	Khan, I., Yadav, B.L., Rathore, S.S. and Singh, R.	*Journal of Krishi Vigyan*	2023	11 (Supple): 81-84	4.95
50.	Assessment of bio-intensive management for fruit fly (Bactrocera cucurbitae (Coq.) of muskmelon under field condition.	Khan, I., Yadav, B.L., Singh, T.P., Rathore, S.S. and Singh, R.	*Annals of Agricultural Research*	2024	45 (2): 195-200	4.62

S. No.	Title of Paper	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year of month	Vol. No. & Page	NASS Rating
51.	Cultivation of Oyster Mushroom: A Review	Sarita, Singh, R. Yadav, K., Singh, K., Priyanka and Singh, G.	*Biological Forum- An International Journal*	2023	15(8): 412-418	4.96
52.	Identification of New Stable Resistant Sources and Assessing Agro-Morphological Performance of Sponge Gourd Germplasm against Tomato Leaf Curl Virus New Delhi Virus Incidence	Singh., J., Munshi, A. D., Singh, D., Meena, B.R., Singh, A.K., Nagar, A., Lyngdoh, Y.A., Tomar, B.S., Dey, S.S., Ranjan, J.K. and Singh, N.	*Frontiers in Plant Science*	2024	DOI: 10.3389/ FPLS. 2024. 1373352	11.60
53.	Assessing the impact of variety RKD-18 in Bundi district of Rajasthan through front line demonstration	Yadav, I.	International Journal of Agriculture Extension and Social Development	June, 2024	7(6): 91-93	5.04
54.	Effect of Pinching on Growth, Yield and Quality of African Marigold (Tagetes erecta L.) cv. Pusa Narangi Gainda	Yadav, K.L., Meena, R.S., Yadav, K.M., Joshi, U., Mishra, A., Yadav, B. and Yadav, K.	*International Journal of Plant & Soil Science*	2024	36:41-51	5.07
55.	Response of nitrogen and phosphorus on growth and quality attributes of gaillardia (*Gaillardia pulchella* Foug.) cv. Local yellow under Jhalawar condition	Yadav, K.L., Mishra, A., Yadav, K.K. and Yadav, K.	*International Journal Agriculture Extension and Social Development*	2024	7:240-242	5.04
56.	Effect of nitrogen and phosphorus on Vegetative growth and Flowering of gaillardia (*Gaillardia pulchella* Foug.) cv. Local yellow under Jhalawar condition	Yadav, K.L., Mishra, A., Yadav, B. and Yadav, K.K.	*Progressive research: An international journal*	2024	19: 473-475	4.32
57.	Impact of nitrogen and phosphorus o flowering and yield attributes of gaillardia (*Gaillardia pulchella* Foug.) cv. Local yellow	Yadav, K.L., Mishra, A., Yadav, K.K. and Yadav, K.	*Frontiers in crop Improvement*	2024	12: 786-788	4.20
58.	Impact of zxinc application on growth, yield and quality of African marigold in semi-arid conditions	Yadav, K.L., Meena, R.S., Mishra, A., Yadav, K.K., Joshi, U. and Singh, S.	*Journal of scientific research and reports*	2024	30:693-705	5.17

S. No.	Title of Paper	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year of month	Vol. No. & Page	NASS Rating
59.	Assessing Chrysanthemum Varietal Performance and Genetic Variability under Jhalawar, Rajasthan Condition	Guddaraddi, A., Mishra, A., Singh, J. and Mahesha K.N.	*Journal of Advances in Biology & Biotechnology*	2024	27: 797-802	5.30
60.	Unveiling the Spectacular Performance of Diverse Chrysanthemum Varieties in Flowering, Quality and Yield	Guddaraddi, A., Mishra, A., Singh, J. and Mahesha K.N.	*Journal of Experimental Agriculture International*	2024	46:41-49	5.14
61.	The Contribution of Azospirillum brasilense and Vermicompost to Improving Plant Growth Characteristics, Yield Variables, Physical Characteristics and Maintaining Sustainable Agriculture in Custard Apple cv."Balanagar".	Singh, Y., Bhatnagar, P., Singh, J., Kumar Sharma, Y., Singh Bisht, Y., Arya, C.K. and Singh Rathore, B.	*Applied Fruit Science*	April, 2024	66(3): 1-9	
62.	Kagzi, C., Foliar Impact of Urea and Nano Urea Application on Growth and Yield Attributes of Acid Lime	Balyan, V., Bhatnagar, P., Chopra, R., Singh, J. And Vijayan, A. S.	*Agricultural Science Digest*	2024	10.18805	5.52
63.	Review on Advanced Breeding and Biotechnological Approaches for Muskmelon Improvement,	Solanki P., Kumar G.K.K., Kumar A., Rajput R., Shankar R., Singh R.K., Roshni S., and Panda J.	*International Journal of Advanced Biochemistry Research,*	2024	8(9): 751-760	5.29
64.	Prospect and Challenges of Litchi Cultivation in Northeast Region of India,	Kumari S., Das P., Pande K.K., Kumar A., Rajput R., Singh U., Jaiswal P. and Solanki, P.	*International Journal of Plant and Soil Science*	2024	36(9): 746-754	5.07
65.	Endophytic Fungi: A Treasure Trove of Antifungal Metabolites.	Saxena, S., Dufossé, L., Deshmukh, S.K., Chhipa, H. and Gupta, M.K.	*Microorganism,*	2024	12(9): 1903.	10.50
66.	Effect of organic nutrients on morphological, yield attributes of okra under south eastern Rajasthan	Bhardwaj, M., Jain, M.C., Yadav, R.K., Singh, V. and Meena, B.S.	*Annals of Agricultural Research*	Sept., 2024	45(3): 284-289	4.62
67.	Response of chitosan, salicylic acid Nano formulations on growth, yield and quality attributes of Strawberry cv. Winter Dawn	Gora, M.K., Singh, V., Yadav, R.K. and Prithiani, S.	*Journal of Scientific Research and Reports*	October, 2024	30(10): 606-610	5.17

10.2 अन्य प्रकाशन (बुलेटिन फोल्डर book Chapter , Popular Article) विवरण

क्र. सं.	शीर्षक	लेखक	प्रकाशन विवरण	प्रकाशन अवधि एवं संदर्भ
पुस्तक/संपादित पुस्तक				
1.	Post Graduate Research: An Abstract Book	M.C. Jain, Rakesh Kumar Yadav, Chaturbhuj Meena and Ramkishan Meena	College of Agriculture, Ummedganj, Kota	2024
पुस्तक अध्याय				
1.	Ethylene Control in Postharvest Handling of fruits and vegetables	Meena, N. K, Vinod, B.R and Menaka, M	In Book: Postharvest Physiology and handling of Horticultural Crops CRC Press pp 167-195	2024
2.	Organic Cultivation of *Ber* (*Ziziphus mauritiana* Lamk.)	D.K. Sarolia, K.L. Kumawat and R.K. Yadav	Gyanavi Publishers & Distributors, F-16-B, Jawahar Park, New Delhi – 110 080	2024
3.	How nanofertilizers affect soil microbial communities?	H Chhipa, L Hajji-Hedfi	In Book: Nanofertilizer Delivery, Effects and Application Methods, pp 371-386	2024
4.	Crop Protection Potential of Entomopathogenic Cordyceps.	Chhipa, H.	In Book: Advances in Cordyceps Research: Prospects and Avenues pp 279-294	2024
तकनीकी फोल्डर				
1.	अरहर उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकी	डॉ. एस.एल. यादव, डॉ. एस.सी. शर्मा, डॉ. प्रताप सिंह, कमल कुमार शर्मा, अमिता सिंह, राजेश कुमार नागा	कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा	जनवरी, 2024
2.	समर मूंग कल्टीवेशन	भूरी सिंह, अर्जुन कुमार वर्मा, राजेश कुमार, मोहन लाल जाट एवं संजय कुमार शर्मा	यांत्रिक कृषि फार्म, अनुसंधान निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	मार्च, 2024
3.	उन्नत बकरी पालन	डॉ. मौहम्मद युनुस, डॉ. टी.सी. वर्मा, डॉ. अरविन्द नागर, डॉ. सेवाराम रूण्डला, सुश्री सुनिता कुमारी, श्री दिनेश चौधरी एवं श्री दीपक कुमार	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड	मार्च, 2024
4.	उन्नत मुर्गी पालन	डॉ. मोहम्मद युनुस, डॉ. टी.सी. वर्मा, डॉ. अरविन्द नागर, डॉ. सेवाराम रूण्डला, सुश्री सुनिता कुमारी, श्री दिनेश चौधरी एवं श्री दीपक कुमार	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड	मार्च, 2024

क्र. सं.	शीर्षक	लेखक	प्रकाशन विवरण	प्रकाशन अवधि एवं संदर्भ
5.	सोयाबीन में समेकित रोग प्रबंधन	रुप सिंह, महेन्द्र सिंह, राकेश कुमार बैरवा, अरविन्द नागर, गुन्जन सनाढ्य, मुकेश चौधरी एवं सरिता	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	मार्च, 2024
6.	मधुमक्खी पालन	रुप सिंह, महेन्द्र सिंह, राकेश कुमार बैरवा, अरविन्द नागर, गुन्जन सनाढ्य, मुकेश चौधरी एवं सरिता	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड	मार्च, 2024
7.	आंवला प्रसंस्करण द्वारा उद्यमिता विकास	गुन्जन सनाढ्य, महेन्द्र सिंह, राकेश कुमार बैरवा, अरविन्द नागर, रुप सिंह, मुकेश चौधरी एवं सरिता	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड	मार्च, 2024
8.	कलौंजी की खेती की उन्नत उत्पादन तकनीक	राकेश कुमार यादव, विनोद कुमार यादव, एम. सी. जैन, रामकिशन मीणा व राजेन्द्र कुमार यादव	कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	फरवरी, 2024
9.	Agripreneurship: An opportunity for agriculture graduate and rural youth	राकेश कुमार यादव, एम. सी. जैन, विनोद कुमार यादव व रामकिशन मीणा	कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	फरवरी, 2024
10.	अजैविक तनावों का बीजीय मसालों पर प्रभाव एवं निदान	विनोद कुमार यादव, राकेश कुमार यादव, एम. सी. जैन, रामकिशन मीणा व राजेन्द्र कुमार यादव	कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	फरवरी, 2024
तकनीकी बुलेटिन				
1.	उन्नत कृषि तकनीकियां: एक दशक	डॉ. प्रताप सिंह, डॉ. चमन कुमारी जादौन एवं डॉ. के.एम. शर्मा महेन्द्र सिंह, रुप सिंह, गुन्जन सनाढ्य, राकेश कुमार बैरवा, अरविन्द नागर, मुकेश चौधरी एवं सरिता	अनुसंधान निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	जून, 2024
2.	सफल कृषि उद्यमी	महेन्द्र सिंह, रुप सिंह, गुन्जन सनाढ्य, राकेश कुमार बैरवा, अरविन्द नागर, मुकेश चौधरी एवं सरिता	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	जून, 2024
मेनुअल				
1.	Practical Manual on Statistical Methods	Meena L. K., Yadav B., Sharma R. K., Meena K. C. and Meena R K.	Dean, College of Agriculture, AU, Kota.	May, 2024
2.	RAWE Manual	Meena, K.C., Nagar, B.L., Meena, L.K. and Meena, R.K.	Dean, College of Agriculture, AU, Kota.	September, 2024
प्रचलित आलेख				
1.	मसाला फसलों के बीज उत्पादन के मापदण्ड	राजेश कुमार, भूरी सिंह, डॉ. खजान सिंह एवं राजेश कुमार शर्मा	एग्री आर्टिकल्स वर्ष–04, अंक: 01, पेज नं. 39–41	जनवरी–फरवरी, 2024
2.	जायद मूंग की खेती एवं उन्नत बीज उत्पादन क प्रमुख पहलू	डॉ. आर. के. महावर, डॉ. खजान सिंह एवं राजेश कुमार	विश्व कृषि संचार वर्ष–26, अंक–02, पेज नं. 39–40	फरवरी, 2024

क्र. सं.	शीर्षक	लेखक	प्रकाशन विवरण	प्रकाशन अवधि एवं संदर्भ
3.	जायद मूंगफली में उन्नत बीज उत्पादन हेतु मार्ग दर्शन	डॉ. आर. के. महावर, डॉ. खजान सिंह एवं राजेश कुमार	विश्व कृषि संचार वर्ष–26, अंक–02, पेज नं. 19–20	फरवरी, 2024
4.	सुपर फूड चिया के उत्पाद	जगदीश प्रसाद तेतरवाल, अंजू बिजारणियां, राजेन्द्र कुमार यादव, अनुज कुमार एवं रिशिका चौधरी	खेती, वर्ष 77, अंक 1, पेज नं. 24–26	मई, 2024
5.	पॉली हाउस में उत्पादन को अनुकूलित करने की रणनीतियाँ	शर्मा आर.के., यादव आर.के. एवं नागर ए.	अभिनव कृषि, वर्ष–06, अंक: 02 पेज नं.16–18	जून, 2024
6.	तकनीकी खेती की दिशा में बढ़ते कदम और रोजगार –एक सफलता की कहानी	शर्मा आर.के. एवं सिंह पी.	अभिनव कृषि, वर्ष–06, अंक: 03 पेज नं. 28	सितबर, 2024
7.	धान की सीधी बुवाई	राकेश कुमार बैरवा, रूप सिंह और महेन्द्र सिंह	अभिनव कृषि वर्ष–06, अंक: 02	जून, 2024
8.	कृषि जोखिम निवारण	नरेश कुमार, नलिनी रामावत, रौनक कुड़ी और रूपसिंह	अभिनव कृषि वर्ष–06, अंक: 02	जून, 2024

11. विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सेमीनार, कान्फ्रेन्स, कार्यशाला/विन्टर व समर स्कूल में भागीदारी

S. No.	Name of Scientist	Title of Event	Organised by	From	To
1.	Dr. I.B. Mourya	Progressive Horticulture Conclave 2024	NAU, Navsari	18.01.2024	20.01.2024
2.	Dr. Kanica Upadhyaye	21 days Winter School	A.U., Jodhpur	08.01.2024	28.01.2024
3.	Dr. J.P. Tetarwal	Annual Group Meeting of AICRP on IFS at IGKVV, Raipur (Chhattisgarh)	ICAR-IIFSR, Modipuram, Meerut	29.01.2024	31.01.2024
4.	Dr. Nirmal Kumar Meena	21 days Winter School entitled Technological interventions in potential arid horticulture crops for enhancing farmers income	CIAH Bikaner	30.01.2024	19.02.2024
5.	Dr. Rajesh Kumar	21 days winter school	PAU, Ludhiana	01.02.2024	21.02.2024
6.	Dr. R.K Yadav & Dr. Arvind Nagar	3rd Indian Horticulture Summit-cum- International Conference-2024	RARI, Jaipur	01.02.2024	03.02.2024
7.	Dr. Ladu Ram	ISMPP 3rd Asian Congress	SKNAU. Dantiwara	07.02.2024	10.02.2024
8.	Dr. Khajan Singh	21 days CAFT training on "Genome utilization and editing of plant for useful traits"	ICAR-National Institute for Plant Biotechnology, Pusa Campus, New Delhi	07.02.2024	27.02.2024
9.	Dr. Anju S. Vijayan	21 days winter school	ICAR-CMFRI, Kocchi	15.02.2024	06.03.2024

10.	Dr. S.L. Yadav	21 days ICAR sponsored winter school	SKNAU, Jobner	01.03.2024	21.03.2024
11.	Dr. Pradeep Kumar	Bienial Workshop of AICRP DA	AICRPDA, Center Rakh Dhainsar, SKUAST, Jammu	04.03.2024	07.03.2024
12.	Dr. Preeti Verma	Workshop on application of molecular and genomic tools for biofortification in crops	DST-SERB, New Delhi	05.03.2024	07.03.2024
13.	Dr. Mukesh Choudhary	Good Agriculture Practices for Enhancing Resources Use Efficiency and Farm Productivity	ICAR-IARI, New Delhi	07.03.24	13.03.24
14.	Dr. D.S. Meena, Dr. B.K. Patidar and Dr. B.L. Meena	54th Annual Group Meet of soybean	UAS, Dharwad	13.03.2024	14.03.2024
15.	Dr. R.K. Yadav	Conference on seed spices and allied crops: Global opportunities for productivity, quantity and value addition	Indian Society of Seed Spices, Tabiji, Ajmer-305206, Rajasthan	13.03.2024	15.03.2024
16.	Dr. Roop Singh and Dr. R. K. Bairwa and Dr. S. Ram Rundala	Training cum Exposure visit on Natural Farming for Master Trainers	MANAGE, Hyderabad at SAMETI, Mashobra H.P.	18.03.24	22.03.24
17.	Dr. M. K. Sharma	59th Annual Rise Group meeting	ICAR-IIRR, Hyderabad	22.04.2024	26.04.2024
18.	Dr. S. C. Sharma Dr. Khajan Singh and Dr. S. L. Yadav	Annual Group Meet (AGM) of AICRP-Kharif Pulses	ICRISAT, Patancheru, Hyderabad	27.05.2024	29.05.2024
19.	Dr. Pratap Singh and Dr. Chaman Jadon	18th Annual Review Meeting CSS-MIDH	SKUAST, Shrinagar, Kashmir	10.06.2024	11.06.2024
20.	Dr. J.P. Tetarwal	Quinquennial Review Team (*QRT*) *meeting* of AICRP-IFS at ANDUAT, Ayodhya, Uttar Pradesh	ICAR-IIFSR, Modipuram, Meerut (UP)	22.06.2024	23.06.2024
21.	Dr.R.S. Narolia & Dr. R.K Yadav	Annual workshop of AICRP on IWM	ICAR-IIWM, Bhubaneswar held at Ayodhya, UP	02.07.2024	04.07.2024
22.	Dr. P.K.P. Meena & Dr. B.S. Meena	31st Annual Group Meeting of AICRP on Rapeseed-Mustard	ICAR-DRMR, Bharatpur	20.08.2024	22.08.2024

S. No.	Name of Scientist	Title of Event	Organised by	From	To
23.	Dr. I.B. Maurya	Regional Training cum Awerness Programme for Northen region on J-Gate @CeRA	SKUAST-Kashmir	02.09.2024	02.09.2024
24.	Dr. Preeti Verma, Dr. S. N. Meena Dr. Khajan Singh Dr. S. L. Yadav	Annual Group Meet of Rabi Pulses	ICAR-IIPR, Kanpur held at ICARDA, Amlaha	02.09.2024	04.09.2024
25.	Dr. H. P. Meghwal	QRT Meeting (2018-23) of AICRP on Honey bees and Pollinators	PC Unit AICRP on Honeybee and Pollinators held at KVK, Malegaon Khurd, Baramati, Pune-413	02.09.2024	03.09.2024
26.	Dr. Pratap Singh, Dr. Mahendra Singh, Dr. Harish Verma, Dr. T C Verma, Dr. D K Singh, Dr. B L Dhaka and Dr, B S Meena	Annual Zonal Review Workshop of KVKs of Rajasthan, Haryana and Delhi	CCSHAU, Hisar	10.09.24	12.09.24
27.	Dr. Ramraj Meena and Dr D.L. Yadav	Annual Group Meet of AICRP on Potato	CCSHAU, Hisar	10.09.2024	12.09.2024
28.	Dr. Yogendra Kumar Meena	Training Programme on Artificial Intelligence (AI) in Agriculture	EEI, Aanand, Gujarat	17.09.2024	21.09.2024
29.	Dr. H. P. Meghwal	Annual Group Meeting (2023-24) of AICRP on Honeybee and Pollinators	PC Unit AICRP on Honeybee and Pollinators held at CSK HPKV Palampur (HP)	27.09.2024	29.09.2024
30.	Dr. Arvind Nagar	Participation in Two days Training for Master Trainers on Agroforestry Nursery Accreditation and Rating	Tree outside of Forest in India, DoF, Jaipur	04.10.24	05.10.24
31.	Dr. R.K Yadav	Global Soils Conference 2024 on Caring Soils Beyond Food Security: Climate Change Mitigation & Ecosystem Services	Indian Society of Soil Science to be held at National Agricultural Science Centre Complex, Dev	19.11.2024	22.11.2024

12. प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का अवलोकन

S. No.	Name & Designation	Date of visit	Purpose	Photograph
1.	Dr. Himanshu Pathak, Secretary (DARE) & Director General (DG) ICAR, New Delhi	07.01.2024	Visit of Agriculture University, Kota	
2.	Prof. A.K. Vyas, Hon'ble Vice Chancellor, AU, Kota	07.02.2024	Visit of on going research programme at ARS, Kota	
3.	Dr. A. K. Vyas, Hon'able Vice Chancellor, AU, Kota	12.02.2024	Visit of MAF farm, Kota	
4.	Dr. R S Jat, DRMR, Bharatpur Dr. Laxaman Prasad, IARI Dr. Sandeep Kamadi, COA, Nagpur	14.02.2024	FLDs AICRP on Rapeseed-mustard	
5.	Dr. Vijay Prakash, ZDR, ARS, Ganganagar, Dr. R.N. Gupta, BAU, Sabour and Dr. M. Hydeyatullah, BCKV, Kalyani	17.02.2024	Monitoring of field trials (AICRP on Chickpea and MULLaRP)	
6.	Dr. Archana Joshi Scientific Officer & Dr. Golu Mishra, BARC, Mumbai	17.02.2024	Monitoring of field trials (AICRP on Chickpea)	
7.	Shree Ajay Singh Rathore, District Collector, Jhalawar	10.03.2024	CH&F, Jhalawar visit	

S. No.	Name & Designation	Date of visit	Purpose	Photograph
8.	Dr. A.K. Singh and Dr. Jogendra Singh Rathore, Division of Vegetable Science, ICAR-IARI, New Delhi	17.03.2024	KVK Jhalawar Visit	
9.	Dr. P.N. Kalla Former Director Extension, Dr. V.S. Kulhari, (SKRAU, Bikaner), and Dr. S.L. Choudhary, Jagganath University, Jaipur	15.04.2024	KVK, Kota visit	
10.	Dr. Sunil Kumar, Director, ICAR-IIFSR, Modipuram, Meerut	28.05.2024	Experiment visit	
11.	Dr. A.A. Murkate, CCRI, Nagpur, Dr. A.K. Mishra, CISH, Lucknow & Dr. Ramaavtar Sharma, CAZRI, Jodhpur	29.05.2024	CH&F, Jhalawar Visit	
12.	Dr. Arvind Kumar Ahlawat, KVK, Fazika (Punjab) Dr. Ishfaq Abidi, KVK, Ganderbal (J&K), Dr. Kaiser Mohi-un-Din, KVK, Kupwara (J&K), Dr. Prashant Gopal Shete, KVK, Narayangaon (Pune-II), Maharashtra	16.07.2024	KVK Jhalawar Visit	
13.	Dr. Abhay Kumar Vyas, HVC, AU, Kota, Dr. Pratap Singh, Dr. S. K. Jain and Dr. I. B. Mourya	29.07.2024	Malhar Singh Baag Farm, KVK, Jhalawar Visit	
14.	Dr. S.K. Sharma, Former Vice Chancellor, CSKHP Agriculture University, Palampur, H.P.	02.08.2024	IFS field visit	

S. No.	Name & Designation	Date of visit	Purpose	Photograph
15.	Dr. A.S. Dhawan Former Vice Chancellor, VNMKV, Parbhani, (Maharashtra)	14.09.2024	Visit of AU, Kota	
16.	Dr. Muniswami S., Dr. Mallikarjun Kenganal, Dr. Ram Niwas, Scientist	21.09.2024	IFS field visit	
17.	Prof. A.K. Vyas, Hon'ble Vice Chancellor, AU, Kota	01.10.2024	IFS field visit	
18.	Dr. N. Ravishankar, PC, AICRP-IFS	07.10.2024	IFS field visit	
19.	Dr. Rajbir Singh, ADG (AAF&CC)	07.10.2024	IFS field visit	
20.	Dr. Rajbir Singh ADG (AA&C), NRM Division, ICAR, New Delhi	07.10.2024	KVK, Kota visit	
21.	Dr. J.P. Mishra Director ICAR-ATARI, Jodhpur	15.10.2024	KVK, Kota visit	

13. प्रेस मीडिया में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बीज से फसल उत्पादन तक की प्रक्रिया बताई

कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर बताए

व्यावयायिक शिक्षा पर इन्टर्नशिप कार्यक्रम सम्पन्न

बूंदी. छात्राओं को फसलों के बारे में जानकारी देते हुए विशेषज्ञ।

बूंदी @ पत्रिका. कृषि विज्ञान केन्द्र, श्योपुरिया बावड़ी पर शनिवार को छह दिवसीय व्यावयायिक शिक्षा पर इन्टर्नशिप कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सीतापुरा की 40 छात्राओं को धान उत्पादन एवं अन्य समन्वित कृषि प्रबन्धन तकनीकों पर व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत इन्टर्नशिप करवाया गया। हरीश वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कृषि शिक्षा में प्रवेश के लिए अधिकारी एवं फार्म प्रभारी डॉ. घनश्याम मीणा एवं फार्म मैनेजर महेन्द्र चौधरी ने फार्म पर भ्रमण करवाकर धान फसल की जानकारी दी। रबी में इन्टर्नशिप कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय बीजीय एवं मसाला अनुसंधान केन्द्र से प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नरोत्तम मीणा एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. डॉ. हनुमान प्रसाद वर्मा ने अपने-अपने विषयों से संबंधित जानकारी इन्टर्नशिप के दौरान प्रदान दी। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को सब्जी

कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा में बढ़ते कदम

नवज्योति/कोटा

कृषि विश्वविद्यालय लगातार कृषि प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और नवाचार कर आयाम स्थापित किए हैं। विश्वविद्यालय के अधीन प्रसार शिक्षा इकाइयों के रूप में 6 कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा, अन्ता, बूंदी, झालावाड, सवाईमाधोपुर एवं हिण्डौन सिटी कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय किसानों एवं अन्य ... सिलाई प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण दिए गए। कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा पर 3 करोड़ रुपये की लागत से धनिया, लहसुन प्रसंस्करण और बेकरी उत्पादों

वीएमओयू और कृषि विवि के बीच एमओयू, कौशल विकास बढ़ाएंगे

एमओयू का मकसद, दोनो विवि कौशल विकास बढ़ाने पर काम करेंगे।

कोटा | कृषि के क्षेत्र में शैक्षिक अवसरों और कौशल विकास बढ़ाने की दिशा में वीएमओयू और कृषि विश्वविद्यालय के बीच एमओयू हुआ है। यह एमओयू को बढ़ावा देना है। दोनों संस्थानों के छात्रों को तीन महीने तक चलने वाले इंटर्नशिप के मौके प्रदान किए जाएंगे। इन संस्थानों ने अपने सहयोग कार्य को संयुक्त

70 विद्यार्थियों ने कॉलेज का भ्रमण किया

झालरापाटन| उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेड़ा खानपुर 70 विद्यार्थियों ने विभिन्न ईकाईयों का भ्रमण कर ज्ञान प्राप्त किया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आशुतोष मिश्र ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के फूलों की व्यावसायिक खेती करने के तरीके बताए। उन्होंने विद्यार्थियों को भूदृश्य विज्ञान विषय में भविष्य बनाने की संभावनाओं से परिचित करवाया। रामराज कड़वासरा ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में स्थापित संरक्षित खेती इकाई का भी भ्रमण करवाया तथा संरक्षित खेती में जैसे खीरा, टमाटर, शिम्ला मिर्च एवं स्ट्राबेरी आदि की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने मल्चिंग, ऑटोमेटिक फर्टीगेशन मशीन द्वारा ड्रिप इरिगेशन की भी जानकारी ली। इस अवसर पर समन्वयक राजकुमार जोशी समेत शिक्षक यतीन्द्र शर्मा, सूरज सिंह चैहान, नरेश नागर, कमलेश

ट्रेनिंग • जवाहर नवोदय स्कूल की छात्राओं को कृषि केंद्र में प्रशिक्षण दिया

छात्राओं को खेती के नवाचार बताए

भास्कर न्यूज | बूंदी

बूंदी. कृषि विज्ञान केंद्र पर छात्राओं को खेती के नवाचारों के बारे में जानकारी दी गई।

सीतापुरा पीएमश्री जवाहर नवोदय स्कूल की छात्राएं नवाचार सीख रही हैं। छात्राओं ने कृषि विज्ञान केंद्र पर धान उत्पादन तकनीकी पर व्यावसायिक प्रशिक्षण लिया। केंद्र पर 40 छात्राओं का 6 दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम हुआ।

केंद्र अध्यक्ष व वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. हरीश वर्मा ने कृषि शिक्षा में प्रवेश के लिए होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी। उन्होंने जेट, आईसीएआर, सीयूईटी के बारे में बताया। वहीं, कृषि से संबंधित भविष्य के रोजगार संभावनाओं के ... को केंद्र पर लगी धान फसल की किस्म पीबी 1692 और पीबी 1718 का अवलोकन कराया। धान में लगने वाले कीटों व इसके प्रबंधन के बारे में बताया। ... गेहूं, चना, सरसों, धनिया, मसूर, जौ जैसी किस्मों की जानकारी देकर बीजों के बारे में बताया। छात्राओं को केंद्र पर संचालित वर्मी कम्पोस्ट ... विद्यार्थी अपना व्यवसाय करने के लिए प्रेरित हो सकेंगे। समापन के दौरान छात्राओं का मूल्यांकन परीक्षा का प्रमाण-पत्र भी दिया गया।

इन वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण दिया

मसाला अनुसंधान केंद्र से प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नरोत्तम मीणा, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रामस्वरूप मीणा, सब्जी उत्कृष्टता केंद्र के उपनिदेशक दुर्गालाल मौर्य, कृषि कॉलेज हिंडौली से सहायक आचार्य डॉ. राजेश महावर, डॉ. हनुमान सिंह व तकनीकी सहायक डॉ. हनुमानप्रसाद वर्मा ने अपने विषय से संबंधित प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में जवाहर नवोदय स्कूल की महिला काउंसलर ज्योति सेन,

कृषि विश्वविद्यालय कोटा ने शैक्षणिक नवाचारों में बढ़ाए कदम

नवज्योति/कोटा

कृषि विश्वविद्यालय कोटा के शैक्षणिक नवाचारों की ओर बढ़ते कदम कृषि विश्वविद्यालय कोटा की स्थापना 14 सितम्बर 2013 को ... के स्नातक (ऑनर्स) और शस्य विज्ञान एवं कृषि विस्तार शिक्षा में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड द्वारा अप्रैल, 2024

मृदा रहित खेती तकनीक के बारे में जान

झालरापाट @ पत्रिका. राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेड़ा के विद्यार्थियों ने शनिवार को उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण किया। शिक्षक यतींद्र शर्मा, सूरज सिंह चौहान, नरेश ... संभावनाओं के बारे में बताया। महाविद्यालय के रामराज कड़वासरा ने महाविद्यालय में स्थापित संरक्षित खेती इकाई का भ्रमण करवाया और इसमें उगाई जाने वाली विभिन्न सब्जियों खीरा, टमाटर, शिमला मिर्च

कृषि विश्वविद्यालय कोटा ने मानव संसाधन क्षेत्र में स्थापित किए कई नए आयाम

नवज्योति/कोटा

कृषि विश्वविद्यालय कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को हुई। विश्वविद्यालय लक्षित तरीके से किसानों एवं अन्य हितधारक-केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ कृषि शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार एवं प्रशिक्षण में गुणवत्ता, उत्कृष्टता और प्रासंगिकता प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित कर सभी क्षेत्रों में पिछले दो वर्षों में अच्छी संख्या में नई पहलों के साथ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मानव संसाधन एवं विकास के क्षेत्र में भी कृषि विश्वविद्यालय कोटा द्वारा ... विश्वविद्यालय की प्रशिक्षण नीति बनाई गई एवं स्टैचुअरी बॉडी से अनुमोदन करवाकर लागू किया गया। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने अपनी प्रशिक्षण नीति बनाकर अपने वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों में ... की प्रशिक्षण नीति के अनुसार 38 नवनियुक्त, नवचयनित कार्मिकों सहित 48 अशैक्षणिक कार्मिकों को 03 सप्ताह का कॉमन इन्डक्शन ऑटोमोबाइल रखरखाव, सड़क सुरक्षा और व्यवहार कौशल विकास पर एक सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण के लिए ... सहित 44 अशैक्षणिक कार्मिकों का एडवांस प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन पर एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के समस्त 32 सपोर्टिंग स्टाफ में क्षमता संवर्धन के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर पर किया गया। लेखा एवं स्थापना से संबंधित प्रशासनिक एवं वित्तीय कर्मचारियों के लिए कार्यालय प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों/विशेषज्ञों द्वारा

देशभर में बदलाव, मल्टीपल एंट्री-मल्टीपल एग्जिट विकल्प, प्रायोगिक कार्य कम किय

अब कृषि शिक्षा में एआई, खेतों में रोबोट के साथ सीखेंगे स्टूडेंट्स, क्रेडिट सिस्टम व्यवस्था भी लागू

सिटी रिपोर्टर | कोटा

देशभर में कृषि शिक्षा में बदलाव होने जा रहा है। इसमें नए कोर्स के साथ चैप्टर भी जोड़े गए तो कुछ कोर्स की समयावधि कम की है। एआई की भी शुरूआत होने जा रही है। देश की 74 एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में नई व्यवस्था लागू होगी।

इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) की 6वीं डींस कमेटी की रिपोर्ट को सत्र 2024-25 से लागू करने के लिए सभी यूनिवर्सिटी को निर्देश दिए हैं। इसके ... कार्यक्रम होगा, जिसमें स्टूडेंट्स कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी में चल रही गतिविधियों को जानेंगे। साथ ही नए वातावरण में एक दूसरे के साथ ढलना, रहना भी सीखेंगे। रिपोर्ट में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा सर्टिफिकेट, डिग्री प्रोग्राम, मल्टीपल एंट्री मल्टीपल एग्जिट, अकादमिक क्रेडिट बैंक के साथ कौशल विकास का प्रावधान किया गया है। डॉ. आईबी मौर्य ने बताया कि अपग्रेड करने के साथ-साथ आर्टिफिसियल इन्टेलीजेंस, कृषि सूचना विज्ञान, रोबोटिक्स जैसे नए कोर्सेज को जोड़ा

स्टूडेंट्स को मिलेंगे तीन अवसर

पाठ्यक्रम को स्किल डेवलप बनाने के लिए पूरे डिग्री प्रोग्राम में स्टूडेंट्स को तीन अवसर मिलेंगे। पहले और दूसरे साल के पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर 10-10 सप्ताह का इंटर्नशिप प्रोग्राम एवं चतुर्थ वर्ष में संपूर्ण एक सेमेस्टर का रावे-स्टूडेंट रेडी का प्रावधान है जिसके माध्यम से छात्र बुआई से लेकर विपणन तक का कृषि ज्ञान अर्जित करते हैं। इसकी अवधि कम कर दी है। यह एक साल की जबाय 6

परंपरागत और आधुनिक तकनीकों का सामंजस्य

परंपरागत और आधुनिक तकनीकों का अच्छा सामंजस्य है, जो निश्चित ही युवाओं के चंहुमुखी विकास एवं उनके रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करेगा। यह रिपोर्ट पूर्णरूप से नई शिक्षा नीति-2020 में दिए गए प्रावधानों पर केंद्रित है।

प्रेक्टिकल वर्क पर अधिक जोर दिया है। ताकि स्टूडेंट्स सीख

मल्चिंग विधि से कर रहे लहसुन की खेती

भास्कर न्यूज | कोटा

नवाचारी युवा किसान जय प्रकाश मल्चिंग विधि से तैयार लहसुन की फसल देखते हुए।

शहर के समीप स्थित अर्जुनपुरा गांव के नवाचारी युवा किसान जयप्रकाश गहलोत के खाते में एक और नवाचार शामिल हो गया। जो इस साल मल्चिंग विधि से लहसुन की खेती कर रहे हैं। इस विधि से खेती करने के लिए उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक मुकेश गोयल ने प्रोत्साहित किया। साथ ही देश के विभिन्न अंचलों के युवा किसानों से भी वे जुड़े हुए है। उनका भी मार्गदर्शन लिया है। इससे पहले भी जयप्रकाश खेती में कई नवाचार कर चुके है।

बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति से धान, गेहूं की खेती, रंग-बिरंगी मिर्ची, गोभी, टमाटर की खेती, फूल-फलदार पौधों की ड्राफ्टिंग आदि। जयप्रकाश देश के नवाचारी युवा किसानों के ग्रुप से जुड़े हुए है। जो ग्रुप में अपने द्वारा किए गए नवाचार को साझा करते हैं। मल्चिंग विधि से नासिक में एक किसान ने प्याज की खेती की है। वहीं से ही उन्हें आइडिया

कीट-पतंगे व खरपतवार का असर ज्यादा नहीं जयप्रकाश ने बताया कि मल्चिंग विधि से खेती करने से खेत में खरपतवार का नामोंनिशान नहीं रहता। वहीं पौधों में कीट पतंगे लगने का झंझट भी नहीं रहता। ऐसे में कीटनाशक, खरपतवार नाशक दवाइयों के खर्चे की बचत हो जाती है। खेतों में करीब साढ़े तीन मोटाई की डोली (बेड) बनाकर मल्चिंग (विशेष प्रकार की

उत्पादन में डेढ़ गुना तक वृद्धि, सिंचाई चाहिए कम

जयप्रकाश ने बताया कि परंपरागत तरीके से लहसुन की खेती करने पर फसल में 8 बार सिंचाई करनी पड़ी है। जिसका औसत 12-15 क्विंटल प्रति बीघा का उत्पादन होता है। लेकिन मल्चिंग विधि से खेती करने

प्रशिक्षण में कुलपति ने बताएं स्ट्रेस प्रबंधन के टिप्स

कोटा। कृषि विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय और प्रसार शिक्षा संस्थान आणंद (गुजरात) के संयुक्त तत्वावधान में कार्मिकों के लिए समय और तनाव प्रबंधन कौशल विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एके व्यास ने कहा कि सफलता के लिए आत्म-प्रबंधन, समय प्रबंधन, धन प्रबंधन और सकारात्मक भावनाओं के साथ कार्य करना आवश्यक है। कुलपति ने सकारात्मक ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण के निर्माण पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. प्रताप ... गोयल, निदेशक मानव संसाधन डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रसार शिक्षा संस्थान, भारत सरकार, आनंद से डॉ. ए.सी. जतापरा और डॉ. राजसिंह राठौड़ ने प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों जैसे संचार कौशल, गैर-संचार, प्रमुख योजनाओं का ... कौशल, तनाव प्रबंधन कौशल, समय प्रबंधन कौशल और प्रेरणा कौशल के बारे में जानकारी दी। सत्र में प्रतिभागियों का ध्यान आत्म-प्रबंधन, समय और तनाव प्रबंधन, आत्म-प्रेरणा, और सकारात्मक सोच के लिए

कृषि यूनिवर्सिटी की एकेडमिक काउंसिल में निर्णय, हर कोर्स के दिए जाएंगे क्रेडिट अंक

एक साल पढ़कर छोड़ने पर भी कृषि विश्वविद्यालय देगा सर्टिफिकेट, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट लागू किया

एजुकेशन रिपोर्टर | कोटा

कृषि विवि में अकेडमिक काउंसिल की बैठक।

कृषि विश्वविद्यालय की 22वीं एकेडमिक काउंसिल की बैठक कुलपति डॉ. एके व्यास की अध्यक्षता में सोमवार को हुई। इसमें स्टूडेंट्स से जुड़े कई निर्णय लिए। कृषि विश्वविद्यालय के तीनों संकायों उद्यानिकी, वानिकी व कृषि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 आधारित कोर्स लागू करने की अनुशंसा की गई। इसमें मल्टीपल एंट्री-मल्टीपल एग्जिट की व्यस्था शुरू की। स्टूडेंट्स एक साल पढ़कर पढ़ाई छोड़ता है तो सर्टिफिकेट मिलेगा। जबकि, दो साल में पढ़ाई छोड़ने पर डिप्लोमा दिया जाएगा। इसके लिए अलग से

बैठक में ये भी निर्णय . हर स्टूडेंट्स के लिए एबीसी आईडी अनिवार्य है। इसके बिना परीक्षा में आवेदन नहीं कर पाएंगे।

. ऑनलाइन कोर्स, इंटर्नशिप, स्किल डेवलपमेंट आदि का अनुमोदन किया गया . सभी सकायों में पूरक का कोर्स के रूप में मैथमेटिक्स, बायोलॉजी पृष्ठभूमि वाले स्टूडेंट्स के इंट्रोड्यूस्ड बॉटनी एवं मैथमेटिक्स कोर्स

निर्णयों को भी अंतिम रूप दिया गया . एनसीसी को पहले साल ग्रेडियल एवं दूसरे व तीसरे साल नॉन ग्रेडियल के रूप में चलाने की अनुशंसा की गई जिससे की बी और सर्टिफिकेट प्राप्त हो सके।

. डिग्रियों पर यूनिक आईडी दर्ज की जाएगी।

. अकादमी विद्या परिषद में यह भी निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में परीक्षा प्रणाली पूर्व की भांति

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के पूर्व आचार्य डॉ आरके ... जल प्रौद्योगिकी केंद्र परियोजना निदेशक आचार्य मानसिंह, आचार्य वीके शर्मा, आचार्य एसएल मूंदड़ा, डॉ. आईबी मौर्य समेत अन्य मौजूद रहे।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के शैक्षणिक नवाचारों के प्रयास जारी

कोटा 17 अक्टूबर। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को दक्षिण-पूर्वी एवं पूर्वी राजस्थान के चहुमुखी कृषि विकास करने हेतु की गई। वर्तमान में यह विश्वविद्यालय कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति उपाधि प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय लक्षित तरीके से हितधारक-केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ कृषि शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार शिक्षा और प्रशिक्षण में गुणवत्ता, उत्कृ ष्टता और प्रासंगिकता प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित कर सभी क्षेत्रों में पिछले दो वर्षों से अक्टूबर, 2022 से सितम्बर, 2024 अच्छी संख्या में नई पहल के साथ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इससे राज्य के सभी हितधारकों की जरूरतों और

छात्रों को समय और तनाव प्रबंधन के गुर सिखाए

कोटा | कृषि विवि कोटा में प्रसार शिक्षा संस्थान, भारत सरकार आणद गुजरात की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए समय व तनाव प्रबंध कौशल विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। अध्यक्षता कुलपति डॉ. अभय व्यास ने की। उन्होंने प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए समय प्रबंधन और तनाव प्रबंधन के महत्व पर बल दिया। कहा- सफलता के लिए आत्म-प्रबंधन, समय प्रबंधन, धन प्रबंधन और सकारात्मक भावनाओं के साथ कार्य करना अत्यंत आवश्यक है। कुलपति ने सकारात्मक ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण के निर्माण की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक पीएमई डॉ. मुकेश गोयल, निदेशक मानव संसाधन डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रसार शिक्षा संस्थान आणद से डॉ. एसी जतापरा. डॉ. राजसिंह राठौड मौजद रहे।

कृषि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय

स्टूडेंट फ्रैंडली बनेगा करिकुलम, पैटर्न भी बदलेगा

प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में लागू करने की तैयारी

पत्रिका अभिषेक गुप्ता
patrika.com

कोटा. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश के सभी विश्वविद्यालयों में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) लागू कर दी हैं। उसी तर्ज पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने इस साल से प्रदेश के सभी कृषि विश्वविद्यालय में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू कर दी हैं। सबसे बड़ी बात यह हैं कि प्रदेश में सबसे पहले एनईपी को लागू करने वाला कोटा कृषि विश्वविद्यालय हैं।

बदल जाएगा। कृषि विवि ने इसकी तैयारी शुरू कर दी हैं। करिकुलम को स्टूडेंट फ्रैंडली बनाया जाएगा। कोटा कृषि विवि का अधिकार क्षेत्र 6 जिलों कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़, करौली और सवाईमाधोपुर तक हैं। प्रदेश में बीकानेर, उदयपुर, जोधपुर, जोबनेर में भी कृषि विवि हैं। यहां

30 फीसदी बदलेगा पढ़ाई का पैटर्न

विवि के अनुसार, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आईसीएआर की ओर से नया कोर्स तैयार किया गया है, इसमें 30 फीसदी कोर्स को बदला जा सकेगा। इसमें लोकल इनपुट शामिल किए जाएंगे। अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम

सेमेस्टर सिस्टम भी होगा लागू

स्टूडेंट्स के लिए 8 सेमेस्टर होते हैं, एनईपी के तहत भी 1 साल में 2 सेमेस्टर सिस्टम लागू होगा। प्रथम वर्ष के बाद 10 सप्ताह का इंटर्नशिप करवाया जाएगा। इसमें स्टूडेंट्स को यूजी सर्टिफिकेट मिल सकेगा।

डिप्लोमा प्राप्त कर सकेंगे। डिग्री के लिए चार वर्ष पूर्ण करने होंगे। नए कोर्स जैसे एआई, रोबोटिक, मशीन लर्निंग व रिमोट सेंसिंग रहेंगे।

एन्ट्री व एजिक्ट की मिलेगी सुविधा

अब द्वितीय व तृतीय वर्ष के स्टूडेंट्स को अपने कोर्स के अलावा अन्य कोर्स चुनने का अवसर भी मिलेगा। इसमें स्टूडेंट् की स्किल डवलपमेंट पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए स्टूडेंट्स पर कोई दबाव नहीं रहेगा। वह अपने पसंदीदा कोर्स कर सकता हैं। यदि कोर्स स्टूडेंट को पसंद नहीं आता है तो एजिक्ट की सुविधा भी मिलेगी। तृतीय वर्ष के स्टूडेंट्स के लिए कुछ इलेक्ट्रिव कोर्स रहेंगे। यदि वे एनसीसी,

10 क्रेडिट की सुविधा

डिग्री के दरमियान 10 क्रेडिट के ऑनलाइन कोर्स भी करने अनिवा होंगे। प्रथम वर्ष के प्रथम सत्रांक के प्रारंभ में 2 सप्ताह का दीक्षारंभ कार्यक्रम करवाया जाएगा।

आईसीएआर की गाइड ला के तहत प्रदेश में कोटा कृ विवि सबसे पह एनईपी को लागू करने वाला विवि बना है। करिकुलम को स्टूडेंट फ्रैंडली बनाया जाएगा। इलेक्ट्रिव कोर्स रहेंगे और स्किल डवलपमेंट पर जोर रहेगा, ताकि स्टूडेंट्स विवि से निकलें तो उनवे पास एक हुनर हो।

छात्र कल्याण निदेशक ने छात्रावास का निरीक्षण किया

झालरापाटन| उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में मंगलवार को कृषि विश्वविद्यालय कोटा के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमसी जैन, मुख्य छात्रावास अधीक्षक डॉ. एसबीएस पाण्डेय एवं संबंधित छात्रावासों के अधीक्षक के साथ महाविद्यालय परिसर के 3 छात्रावासों का निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम कन्या छात्रावास का दौरा किया। इसमें छात्राओं से मूलभूत सुविधाओं एवं रख-रखाव संबंधित बिन्दुओं पर चर्चा की गई। छात्र कल्याण निदेशक डॉ एमसी जैन ने ... **दिए। इसके पश्चात स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रावासों का निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाओं को पर्याप्त रूप से मुहैया कराने पर जोर दिया जिसमें निकट सर्दी के मौसम के बाबत कुछ और गीजर को लगवाने की संस्तुति दी।**

साथ ही छात्रों को अनुशासन के साथ एवं किसी भी प्रकार की रैगिंग न करने का निर्देश भी दिए छात्र छात्राओं से रूबरू होते हुए समिति सदस्यों ने प्रतिमाह बैठक कर अपनी समस्या अवगत कराने के लिए भी निर्देश दिए।

कृषि विश्वविद्यालय : छह माह में की गई उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया

कृषि विश्वविद्यालय की 22वीं अकादमिक परिषद की बैठक कुलपति प्रो. (डॉ.) ए.के. व्यास की अध्यक्षता में आयोजित

महानगर संवाददाता

कोटा। कृषि विश्वविद्यालय कोटा की 22वीं अकादमिक परिषद की बैठक कुलपति प्रो. (डॉ.) ए.के. व्यास की अध्यक्षता में आयोजित की गई। डॉ. आई.बी. मौर्या, निदेशक शिक्षा व सचिव, विद्या परिषद ने सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं कृषि विश्वविद्यालय कोटा की क्षमता में 6 माह में की गई उपलब्धियों का संक्षेप में लेखा-जोखा प्रस्तुत किया तत्पश्चात एजेंडा अनुसार चर्चा की गई तथा निम्न निर्णय लिये गये।

6 जी डीन कमेटी की अनुशंसा अनुसार सत्र 2024-25 से कृषि विश्वविद्यालय कोटा के तीनों संकायों उद्यानिकी, वानिकी व कृषि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार नवीन पाठ्यक्रम लागू करने की अनुशंसा की गई। सभी सकायों में पूरक का कोर्स के रूप में मैथमेटिक्स, बायोलॉजी पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों के क्रमशः इंट्रोड्यूस्ड बॉटनी एवं मैथमेटिक्स कोर्स चलाने के अनुशंसा की गई। उद्यानिकी, वानिकी एवं कृषि संकाय द्वारा आयोजित बोर्ड आफ स्टडीज में लिये गए निर्णयों को भी अंतिम रूप दिया गया विद्यार्थियों के हित में एनसीसी को पहले साल

विद्या परिषद में यह भी निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में परीक्षा प्रणाली पूर्व की भांति ही संचालित की जाएगी विद्यार्थियों द्वारा अंतर महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए

डॉ. आर. के. राय, पूर्व आचार्य व विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान विभाग, भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली, आचार्य मान सिंह, परियोजना निदेशक, जल प्रौद्योगिकी केंद्र, भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नई

उदयपुर ने शामिल होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में विवि के अधिष्ठाता, निदेशक, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक एवं विभागाध्यक्षों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कृषि विश्वविद्यालय कोटा में 30 नवम्बर तक आवेदन की अंतिम तिथि

नवज्योति/कोटा

कृषि विश्वविद्यालय कोटा ने गत माह अपने संघटक महाविद्यालयों, अनुसन्धान केन्द्रों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों में रिक्त चल रहे विभिन्न विषयों के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, विषय वस्तु विशेषज्ञ आदि शैक्षणिक संवर्गों के 71 पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञप्ति 14 अक्टूबर 2024 ... करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2024 नियत की गई थी। विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार उक्त विज्ञापन में आवेदन करने की अंतिम तिथि को 30 नवम्बर 2024 तक बढ़ाया गया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव मनीषा तिवारी ने बताया कि उक्त विज्ञापन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा अभ्यर्थी विज्ञापन के साथ दिए गए लिंक पर

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के शैक्षणिक नवाचारों की ओर बढ़ते कदम

बिगुल कुमार जैन – विश्व नायक

कोटा महानगर - कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को दक्षिण-पूर्वी एवं पूर्वी राजस्थान को चहुमुखी कृषि विकास करने हेतु की गई। वर्तमान में यह विश्वविद्यालय कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति उपाधि प्रदान करता हैं । विश्वविद्यालय लक्षित तरीके से हितधारक केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ कृषि शिक्षा अनुसंधान प्रसार

माननीय राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र जी ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की और 33 स्वर्ण पदक सहित 837 यूजी पीजी और पीएचडी छात्रों को डिग्री प्रदान की। इ कृषि महाविद्यालय कोटा के कृषि में स्नातक (ऑनर्स) और शस्य विज्ञान एवं कृषि विस्तार शिक्षा में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा

मिश्रित शिक्षा प्रणाली शुरू की गई है.

छात्रों के मार्गदर्शन के लिए सभी महाविद्यालयों में नियमित रूप से 'कुलपति विद्यार्थी संवाद इ

कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसके तहत 19 सत्रों में 920 छात्रों को माननीय कुलपति डॉ. ए. के व्यास ने उनके जीवन लक्ष्यों के लिए प्रेरित किया और सुझाव दिया कि जैसे लक्ष्यों और उद्देश्यों को

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने मानव संसाधन क्षेत्र में स्थापित किये नये आयाम

बिगुल कुमार जैन – विश्व नायक

कोटा / 23 दिसम्बर, कृषि विश्वविद्यालय कोटा की स्थापना 14 सितम्बर 2013 को हुई, विश्वविद्यालय लक्षित तरिके से किसानो एवम् अन्य हितधारक-केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ कृषि शिक्षा, अनुसंधान प्रसार ऐवम् प्रशिक्षण मे गुणवत्ता

उत्कृष्टता और प्रासंगिकता प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित कर सभी क्षेत्रों में पिछले दो वर्षों में अच्छी संख्या में नई पहल के साथ उल्लेखनीय उपलब्धियों हासिल की है मानव संसाधन एवम् विकास के क्षेत्र में भी

सी नई पहल की गयी। इनमे से कुछ नवाचारों एवम् प्रमुख उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है

कर्मिको के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण नीति बनाकर अपने वैज्ञानिको,

हेतु राष्ट्रीय/ राज्य/ कोरपोरेट प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण की व्यवस्था एवम् प्रशिक्षण के लिये देश के प्रीमियर कृषि संस्थानों में भेजा जा रहा है।

(1) 38 नवनियुक्त कर्मिको सहित 48 अशैक्षणिक कर्मिकों को 03 सप्ताह का ट्रेनिंग प्रोग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित(२) फार्म एवम् प्रयोगशाला प्रबंधन पर एक सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण हेतु 25 तकनीकी कार्मिको को भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम एवम् तकनीकी कर्मिको को केन्द्रिय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल भेजा गया

(३) 17 वाहन चालको को केन्द्रिय कृषि अभियांत्रिक संस्थान भोपाल भेजा गया

(४) २० नवनियुक्त अशैक्षणिक कर्मचारियों सहित 44 अशैक्षणिक कार्मिको का एडवांस प्रशासनिक ओर वित्तीय प्रवंधन पर एक सप्ताह की ट्रेनिंग

(५)३२ सपोटिंग स्टाफ में क्षमता संवर्धन हेतु एक सप्ताह की राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसन्धान केंद्र अजमेर मे प्रशिक्षण (६) प्रशासनिक एवम वित्तीय कर्मचारियों के लिए विशेषज्ञों द्वारा विशेष प्रशिक्षण

परिशिष्ट–1
प्रबंध मंडल

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1.	डॉ. अभय कुमार व्यास, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2.	श्री प्रताप सिंह सिंघवी माननीय विधायक (विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	सदस्य
3.	प्रमुख शासन सचिव, वित्त राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
4.	प्रमुख शासन सचिव, कृषि राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
5.	प्रमुख शासन सचिव, पशुपालन राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
6.	सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
7.	डॉ. सीताराम शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प. नई दिल्ली	सदस्य
8.	डॉ. एल. एन. हर्ष, पूर्व कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर	सदस्य
9.	शिक्षाविद्	सदस्य
10.	प्रगतिशील किसान	सदस्य
11.	प्रतिष्ठित कृषि उद्योगपति	सदस्य
12.	महिला समाज सेविका	सदस्य
13.	डॉ. आई. बी. मोर्य, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
14.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
15.	डॉ. डी. के. सिंह, आचार्य उद्यानिकी, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
16.	श्रीमती सुनीता डागा / श्रीमती मनीषा तिवारी, कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सचिव

परिशिष्ट–2
अकादमिक परिषद

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1.	डॉ. ए. के. व्यास, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2.	डॉ. एस. के. जैन, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
3.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
4.	डॉ. महेन्द्र सिंह, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
5.	डॉ. मुकेश गोयल, निदेशक पी.एम. एंड ई., कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6.	डॉ. आशुतोष मिश्रा, अधिष्ठाता, उद्यानिकी व वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
7.	डॉ. वीरेंद्र सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
8.	डॉ. एन. एल. मीणा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली	सदस्य
9.	डॉ. एम. सी. जैन, निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
10.	डॉ. एस. सी. शर्मा, सह. आचार्य व परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
11.	डॉ. एस. बी. एस. पांडे, सह. आचार्य व विभागाध्यक्ष, वन संवर्धन व कृषि वानिकी विभाग, उद्यानिकी व वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
12.	डॉ. भवानी शकंर मीणा, सहा आचार्य व विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
13.	डॉ. सी. बी. मीणा, सह. आचार्य व विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
14.	डॉ. प्रीति वर्मा, सह. आचार्य व विभागाध्यक्ष, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	सदस्य
15.	डॉ. एम. के. शर्मा, सह. आचार्य व विभागाध्यक्ष, मृदा विज्ञान व कृषि रसायन विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
16.	डॉ. बी. के. पाटीदार, सह. आचार्य व विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
17.	डॉ. कमल चन्द मीणा, सह. आचार्य व विभागाध्यक्ष, कृषि प्रसार एवं संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
18.	डॉ. हरीश वर्मा, आचार्य, कीट विज्ञान, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	सदस्य

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
19.	आचार्य आर. के. राय, भू.पू. आचार्य व विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान, भा.कृ.अनु.स, नई दिल्ली	सदस्य
20.	श्रीमति मनीषा तिवारी, कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
21.	आचार्य बी. एल. बसेर, पूर्व विभागाध्यक्ष, मृदा विज्ञान विभाग, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर	सहयोजित सदस्य
22.	आचार्य मान सिंह, परियोजना निदेशक, जल प्रौद्योगिकी केन्द्र, भा.कृ.अनु.स., नई दिल्ली	सहयोजित सदस्य
23.	आचार्य बी. के. शर्मा, पूर्व निदेशक शिक्षा, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सहयोजित सदस्य
24.	आचार्य एस. एल. मून्दड़ा, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर	सहयोजित सदस्य
25.	श्री रामधन रेगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
26.	डॉ. आई. बी. मौर्य, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट–3
अनुसंधान परिषद

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पद	पदेन
1.	डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. ए.के. मिश्रा, भूतपूर्व परियोजना समन्वयक एवं प्रधान, फसल संरक्षण प्रभाग, आई.सी.ए.आर.–सी.आई.एस.एच., लखनऊ (प्रख्यात विशेषज्ञ)	सदस्य
3.	डॉ. सुनील कुमार निदेशक, आई.सी.ए.आर.–आई.आई.एफ.एस.आर., मोदीपुरम, मेरठ (प्रख्यात विशेषज्ञ)	सहयोजित सदस्य
4.	डॉ. रामअवतार शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, जेनेटिक्स, आई.सी.ए.आर.– काजरी, जोधपुर	सहयोजित सदस्य
5.	डॉ. ए.ए. मुरकुटे, प्रधान वैज्ञानिक, आई.सी.ए.आर.–सी.सी.आर.आई., नागपुर, महाराष्ट्र	सहयोजित सदस्य
6.	डॉ. शाकिर अली, प्रधान, आई.सी.ए.आर.–आई.आई.एस.डब्ल्यू.सी., अनुसंधान केन्द्र, कोटा	सहयोजित सदस्य
7.	श्री अशोक कुमार शर्मा, अति. निदेशक (कृषि), कोटा संभाग (आयुक्त कृषि नामित सदस्य)	सदस्य
8.	कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित
9.	श्री रामधन रैगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित
10.	डॉ. जीतेन्द्र सिंह, निदेशक छात्र कल्याण एवं विभागाध्यक्ष, फल विज्ञान विभाग, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
11.	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम.ई एवं पी.आर.ओ, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
12.	डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा एवं विभागाध्यक्ष पोस्ट–हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
13.	डॉ. आशुतोष मिश्र, निदेशक शिक्षा, एवं विभागाध्यक्ष फ्लोरिकल्चर एंड लेंडस्केपिंग, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
14.	डॉ. महेन्द्र सिंह, निदेशक मानव संसाधन विकास	सदस्य
15.	डॉ. आई.बी. मोर्या, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सब्जी विज्ञान, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड	सदस्य
16.	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष उद्यान, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
17.	डॉ. एन.एल. मीणा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली	सदस्य
18.	डॉ. एन.आर. कोली, अतिरिक्त निदेशक (बीज व फार्म)	आमंत्रित
19.	डॉ. प्रीति वर्मा, सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष आनुवांशिक एवं पादक प्रजनन विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
20.	डॉ. बी.एस. मीणा, सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष शस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
21.	डॉ. के.सी. मीणा, सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रसार शिक्षा एवं संचार विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
22.	डॉ. एम.के. शर्मा, सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पद	पदेन
23.	डॉ. सी.बी. मीणा, सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
24.	डॉ. बी.के. पाटीदार, सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष कीट विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
25.	डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, प्रभारी अधिकारी, यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज, कोटा	आमंत्रित
26.	डॉ. के.एम. शर्मा, सह. आचार्य (शस्य विज्ञान), कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा (ZDR नामित सदस्य)	आमंत्रित
27.	श्री प्रदीप कुमार, सहा. आचार्य एवं प्रभारी अधिकारी कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा	आमंत्रित
28.	डॉ. आर.एस. नारोलिया, प्रभारी अधिकारी, फार्म सुल्तानपुर, कोटा	आमंत्रित
29.	डॉ. बी.एल. ढाका, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर	आमंत्रित
30.	डॉ. रामराज मीणा, सह–आचार्य, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित
31.	डॉ. चमन कुमारी जादौन, सहा. आचार्य (शस्य विज्ञान), अनुसंधान निदेशालय	आमंत्रित
32.	डॉ. आर.के. यादव, सहा. आचार्य (मृदा विज्ञान), कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	आमंत्रित
33.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट–4
प्रसार शिक्षा परिषद

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पद	पदेन
1.	डॉ. ए.के. व्यास, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2.	डॉ. पी.एन. कल्ला, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य
3.	डॉ. सुदेश कुमार, निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर	सदस्य
4.	डॉ. अशोक कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प., आई.आई.एस.डब्ल्यू.सी.आर.सी., कोटा	सदस्य
5.	डॉ. पी.के. सिंह, संयुक्त निदेशक, (उद्यान) कोटा खण्ड, कोटा	सदस्य
6.	श्री सत्येन्द्र पाठक, (प्रतिनिधि) अतिरिक्त निदेशक (कृषि), कोटा खण्ड, कोटा	सदस्य
7.	डॉ. आई. बी. मोर्य, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
8.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
9.	डॉ. विरेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
10.	डॉ. एन.एल. मीणा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली	सदस्य
11.	डॉ. महेन्द्र सिंह, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
12.	डॉ. जितेन्द्र सिंह, एम.सी. जैन, निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
13.	डॉ आशुतोश मिश्रा, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
14.	डॉ. मुकेश चन्द गोयल्, निदेशक पी.एम. एण्ड ई., कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
15.	डॉ. डी.के. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)	सदस्य
16.	डॉ. हरीश वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	सदस्य
17.	डॉ. ताराचन्द वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड	सदस्य
18.	डॉ. बी.एल. ढाका, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	सदस्य
19.	डॉ. बच्चू सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)	सदस्य
20.	डॉ. बी.एस. मीणा, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (शस्य विज्ञान), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
21.	डॉ. प्रीति वर्मा, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
22.	डॉ. एस.बी.एस. पाण्डे, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (सिल्वी कल्चर एवं कृषि वानिकी), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
23.	डॉ. एम.के. शर्मा, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
24.	डॉ. बी.के. पाटीदार, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (कीट विज्ञान), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
25.	डॉ. के.सी. मीणा, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (कृषि प्रसार शिक्षा), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पद	पदेन
26.	एक्सईएन, (सीएडी) आरएमसी–1, कोटा	सदस्य
27.	क्षेत्रीय प्रबन्धक, इफको, कोटा	सदस्य
28.	वरिष्ठ मार्केटिंग अधिकारी, राष्ट्रीय बीज निगम, कोटा	सदस्य
29.	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, एन.एच.ए.आर.डी.एफ., कोटा	सदस्य
30.	श्री रवीन्द्र स्वामी, प्रगतिशील कृषक, गोलाना, झालावाड़	सदस्य
31.	श्री गजानन्द जाट, प्रगतिशील कृषक, कुस्तला, सवाईमाधोपुर	सदस्य
32.	श्री बृजमोहन मीणा, प्रगतिशील कृषक, चौमाकोट, कोटा	सदस्य
33.	श्री रामधन रैगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित सदस्य
34.	डॉ. एस.सी. शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
35.	डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट–5
वरिष्ठ अधिकारी परिषद

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1.	डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलपति महोदय कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2.	श्रीमती सुनीता डागा/श्रीमती मनीषा तिवारी, कुलसचिव कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
3.	श्री रामधन रैगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
4.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
5.	डॉ. एस. के. जैन, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
6.	डॉ. महेन्द्र सिंह, निदेशक मानव संसाधन विकास कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
7.	डॉ. एम.सी. जैन, निदेशक छात्र कल्याण कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
8.	डॉ. आई.बी.मौर्य, निदेशक शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
9.	डॉ. आशुतोष मिश्र, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	सदस्य
10.	डॉ. विरेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
11.	डॉ. एन.एल.मीणा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय हिण्डौली, बून्दी	सदस्य
12.	डॉ सुभाष शर्मा, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
13.	इंजि. हेमन्त शर्मा, सम्पदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
14.	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम.एण्ड ई कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट–6
वित्त समिति

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1.	डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2.	श्री लोकेन्द्र सिंह, कोषाधिकारी कोष कार्यालय, कोटा (प्रतिनिधि वित्त विभाग राजस्थान सरकार)	सदस्य
3.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
4.	प्रबंध मण्डल सदस्य, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
5.	श्री हेमन्त कुमार शर्मा, सम्पदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित सदस्य
6.	श्री रामधन रैगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन सचिव

परिशिष्ट–7
भवन समिति सदस्य

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1.	डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2.	डॉ. एन. एस. मीना, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, पी.डब्ल्यू डी, कोटा	सदस्य
3.	श्रीमती सुनिता डागा, कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
4.	डॉ. महेन्द्र सिंह, निदेशक मानव संसाधन विकास एवं विकास अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
5.	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम.एण्ड ई., कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6.	श्री रामधन रैगर, वित्त नियन्त्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
7.	डॉ. शाकिर अली, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि अभियांत्रिकी), आई. आई. एस. डब्ल्यू. सी. कोटा	विशेष आमंत्रित सदस्य
8.	इंजि. हेमंत शर्मा, सम्पदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट–8
शिक्षा परिषद

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1.	डॉ. आई.बी.मोर्य, निदेशक शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2.	डॉ. आशुतोष मिश्र, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	सदस्य
3.	डॉ. विरेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
4.	डॉ. एन.एल. मीणा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय हिण्डौली बून्दी	सदस्य
5.	डॉ. एम.सी. जैन, निदेशक छात्र कल्याण कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6.	डॉ. सुभाष शर्मा, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
7.	श्री रामफूल बैरवा, पुस्तकालय अध्यक्ष, कृषि अनुसन्धान केन्द्र, कोटा	सदस्य

परिशिष्ट–9
बोर्ड ऑफ स्टडीज, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1.	डॉ. आशुतोष मिश्र, संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी, महाविद्यालय, झालावाड़	अध्यक्ष
2.	डॉ. आई. बी. मौर्य, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (सब्जी विज्ञान), निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
3.	डॉ. सुभाष शर्मा, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य कुलपति द्वारा नामित
4.	डॉ. जे. पी. तेतरवाल, सह–आचार्य, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	सदस्य कुलपति द्वारा नामित
5.	डॉ. एम. सी. जैन, विभागाध्यक्ष (उद्यान) एवं निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6.	डॉ. एन. एल. मीना, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली	सदस्य
7.	डॉ. वीरेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
8.	डॉ. जितेन्द्र सिंह, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (फल विज्ञान), उद्यानिकी एवं वानिकी, महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
9.	डॉ. एस. के. जैन, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी), उद्यानिकी एवं वानिकी, महाविद्यालय, झालावाड	सदस्य
10.	एस. बी. एस. पांडेय, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (सिल्वीकल्वर और कृषि वानिकी) उद्यानिकी एवं वानिकी, महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
11.	डॉ. आर. ए. कौशिक, आचार्य (उद्यान) एवं अधिष्ठाता, मत्स्य पालन महाविद्यालय, एमपीयूएटी, उदयपुर	बाह्य सदस्य (कुलपति द्वारा नामित)
12.	डॉ. जे. सी. तिवारी, सेवानिवृत प्रधान वैज्ञानिक–वानिकी, काजरी, जोधपुर	बाह्य सदस्य (कुलपति द्वारा नामित)
13.	डॉ. मनमोहन जे.आर., आचार्य–वानिकी, आरएलबीसीएयू, झाँसी, यूपी	बाह्य सदस्य
14.	डॉ. हर्षवर्द्धन चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सब्जी विज्ञान विभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली	बाह्य सदस्य
15.	डॉ. प्रेरक भटनागर, एसोसिएट प्रोफेसर, फल विज्ञान विभाग, सीएचएफ, झालावाड़	सदस्य सचिव

परिशिष्ट–10
बोर्ड ऑफ स्टडीज, कृषि महाविद्यालय, कोटा

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1.	डॉ. वीरेन्द्र सिंह, संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. शिवधर, प्रधान वैज्ञानिक, शस्य विज्ञान, भा.कृ.अ.स. नई दिल्ली	बाह्य सदस्य
3.	डॉ. रविन्द्र पालीवाल, पूर्व निदेशक, मा.सं., एस.के.एन.यू., जोबनेर, डॉ. सुनील पारीक, आचार्य (उद्यानिकी) एवं अधिष्ठाता (पी.जी.एस.), निफटेम	बाह्य सदस्य
4.	डॉ. आई.बी. मौर्य, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
5.	डॉ. एस.के. जैन, आचार्य (उद्यान) एवं निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित सदस्य
6.	डॉ. प्रताप सिंह, आचार्य (शस्य विज्ञान) एवं निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
7.	डॉ. एम.सी. जैन, विभागाध्यक्ष (उद्यान) एवं निदेशक छात्र कल्याण , कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
8.	डॉ. एन.एल. मीणा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली	सदस्य
9.	डॉ. आशुतोष मिश्र, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी, महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
10.	डॉ. महेन्द्र सिंह, आचार्य (पशुपालन विज्ञान) एवं निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
11.	डॉ. एस.सी. शर्मा, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
12.	समस्त विभागाध्यक्ष/प्रभारी, कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	
13.	डॉ. राकेश कुमार यादव, सहायक आचार्य (उद्यान), कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा	आमंत्रित सदस्य
14.	डॉ. चिराग गौतम, सहायक आचार्य (पादप रोग विज्ञान)	आमंत्रित सदस्य
15.	डॉ. एम. के. शर्मा, सह आचार्य व विभागाध्यक्ष, मृदा विज्ञान व कृषि रसायन विभाग, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

❖❖❖❖❖

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
Agriculture University, Kota
षष्ठम् दीक्षान्त समारोह

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
Agriculture University, Kota
सप्तम् दीक्षान्त समारोह
मंगलवार
25 जून, 2024
Tuesday

78वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह
15 अगस्त, 2024

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
12वाँ स्थापना दिवस
एवं

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बाराँ रोड़, बोरखेड़ा, कोटा–324001 (राजस्थान)

☎ : 0744-2321204

E-mail : registrar@aukota.org, aukota2013@gmail.com,

Website : http://aukota.org

मुद्रक : डायमण्ड प्रिन्टर्स, नई धानमण्डी, कोटा (मो. 9414231079)